रजिस्ट्री सं० डी० (डी०)-73

REGISTERED NO. D. (D.)-73

CENTRAL SECRETARIAT LIBRARY
No. .... JUL 19..
Date ....

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 26] नई दिल्ली, शनिवार, जून 30, 1979/आषाढ़ 9, 1901

No. 26] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 30, 1979/ASADHA 9, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 24 मई, 1979

का०आ० 2170.—यत:, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए हरियाणा विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 42-राई निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री पूरन आनन्द प्रकाश, ग्राम व डा० कुण्डली तहसील व जिला सोनीपत, हरियाणा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यत: उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री पूर्ण आनन्द प्रकाश को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० हरि० वि० स०/42/77]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 24th May, 1979

S.O. 2170.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Puran Anand Parkash, Village and P. O. Kundli, Tehsil and District Sonepat (Haryana) a contesting candidate for general election to the Haryana Legislative Assembly held in June, 1977 from 42-Rai constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Puran Anand Parkash to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. HN-LA/42/77]

आदेश

का०आ० 2171.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए आन्ध्र प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 105-पेडाकुरापाडु निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री वट्टीकोन्डा पिटचिआह चौधरी, पेडापलेम, तालुक सट्टेनापल्ली (आन्ध्र प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे है ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए, कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री वट्टीकोन्डा पिचिआह चौधरी, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० आ० प्र० वि० सं०/105/78(37)]

ORDER

S.O. 2171.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vattikonda Pitchiah Choudary, Pedapalem, Taluk Sattenapalli (Andhra Pradesh), a contesting candidate for General Election to the Andhra Pradesh Legislative Assembly held in February, 1978 from 105-Pedakurapadu constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of Section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Vattikonda Pitchiah Choudary to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. AP-LA/105/78(37)]

आदेश

का०आ० 2172.—यतः, निर्वाचन आयोजन का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए हरियाणा विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 45-नरवाना निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री वेदू उर्फ वेद प्रकाश, सुपुत्र श्री जानकी दास, ग्राम धमतान साहिब नरवाना जिला जीन्द (हरियाणा) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा प्रदाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री वेदू उर्फ वेद प्रकाश को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य कि विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० हरि० वि० स०/45/77]

ORDER

S.O. 2172.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bedu Alias Ved Parkash, S/o Shri Janki Dass, Village Dhamtan Sahib, Narwana, District Jind (Haryana) a contestlng candidate for general election to the Haryana Legislative Assembly held in June 1977 from 45-Narwana constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bedu Alias Ved Parkash to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. HN-LA/45/77]

आदेश

नई दिल्ली, 28 मई, 1979

का०आ० 2173.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान दिया गया है कि जून, 1977 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 95-समस्तीपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अतिउल रहमान बेग, ताजपुर समस्तीपुर ग्राम, सादीपुर, पोस्ट-मानपुरा जिला समस्तीपुर बिहार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है

और यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्तिय कारण या न्यायौचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री अतिउल रहमान बेग को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि० सं०/95/77(51)]

ORDER

New Delhi, the 28th May, 1979

S.O. 2173.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Atiul Rahman Beg, Tajpur Samastipur, Village Sadipur,P. O. Manpura, District Samastipur, Bihar a contesting candidate for general election to the Bihar Legislative Assembly held in June 1977 from 95-Samastipur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Atiul Rahman Beg to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/95/77(51)]

आदेश

का० आ० 2174—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 95-समस्तीपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री

श्री एम० मनिरुज्जमां, ग्राम व पोस्ट डिहुली बुजर्ग, थाना सकरा, जिला मुजफ्फरपुर, बिहार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में करने में असफल रहे है ,

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री एम० मनिरुज्जमा को संसद के किस भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि० स० /95/77(52)]

ORDER

S.O. 2174.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri M. Maniruzama, Vill. & Post Dihuli Bujurg, Thana Sakra, District Muzaffarpur, Bihar a contesting candidate for general election to Bihar Legislative Assembly held in June, 1977 from 95-Samastipur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satised that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri M. Maniruzama to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/95/77(52)]

आदेश

का०आ० 2175.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 95-समस्तीपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री विरेन्दर कुमार सिन्हा द्वारा श्री दयालु शंकर (सहायक सांख्यिकीय निदेशक) अशोक नगर, रोड नं० 1, ककड़ बाग कालोनी पटना-20, बिहार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसार मे निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री विरेन्दर कुमार सिन्हा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि० स०/95/77(53)]

ORDER

S.O. 2175.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Virendar Kumar Sinha, C/o Shri Dayalu Shankar (Assistant Statistical Director), Ashok Nagar, Road No. 1, Kankar Bag Colony Patna-20, Bihar State a contesting candidate for general election to Bihar Legislative Assembly held in June 1977 from 95-Samastipur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Virendar Kumar Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/95/77(53)]

आदेश

नई दिल्ली, 30 मई, 1979

का०आ० 2176.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1977 में हुए तमिलनाडु लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 3-मद्रास दक्षिण संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री डा० थीरुनगर रथनम, मार्फत जी० टी० ओ० मैडिकल इन्स्टीट्यूट (रजि०), टी० नगर, मद्रास-17, (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे है ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री डा० थीरुनगर रथनम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं० त०ना०-ली० स०/3/77(5)]

ORDER

New Delhi, the 30th May, 1979

S.O. 2176.—Whereas the Election Commission is satisfied that Dr. Thirunagar Rathnam, C/o G.T.O. Medical Institute (Regd.) T. Nagar, Madras-17 (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the House of the People, held in March, 1977 from 3-Madras South Parliamentary constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Dr. Thirunagar Rathnam, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-HP/3/77(5)]

आदेश

का०आ० 2177.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए आन्ध्र प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 81-तिरुवुरु (अ०जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कोटा रमइयाह, गम्पालागुडेम, तालुक तिरुवुर, जिला कृष्णा (आन्ध्र प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री कोटा रमइयाह को संसद के किसी भी सदन या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं० आ०प्र०-वि०स०/81/78(38)]

ORDER

S.O. 2177.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kota Ramaiah, Gampalagudem, Taluk Tiruvur, District Krishna (Andhra Pradesh), a contesting candidate for general election to the Andhra Pradesh Legislative Assembly held in February, 1978 from 81-Tiruvur (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kota Ramaiah to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. AP-LA/81/78(38)]

आदेश

नई दिल्ली, 4 जून, 1979

का०आ० 2178.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 136-सेडापट्टी निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री आर० पेरिआकरुप्पन उर्फ अप्पन, एस० कीकापट्टी, डाक० संडायुर, तिरुमंगलम तालुक, मदुराय जिला, तमिलनाडु लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री आर० पेरिआकरुप्पन उर्फ अप्पम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं० त०ना०-वि०स०/136/77(38)]

ORDER

New Delhi, the 4th June, 1979

S.O. 2178.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri R. Periakaruppan alias Appan, S. Keekapatti, Sandaiyur Post, Tirumangalam Taluk, Madurai District (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu legislative assembly held in June, 1977 from 136-Sedapatti assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri R. Periakaruppan alias Appan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/136/77(38)]

आदेश

नई दिल्ली, 5 जून, 1979

का०आ० 2179.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 109-पोल्लाची निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री के० सेथू, 29, अय्यावु चेटी गली, वाडुगापलायम, पोल्लाची, जिला कोयम्बटूर (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये अभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात्, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री के० सेथू को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं० त० ना०-वि०स०/109/77/(39)]

ORDER

New Delhi, the 5th June, 1979

S.O. 2179.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri K. Sethu, 29, Ayyavuchetty Street, Vadugapalayam, Pollachi, Coimbatore District (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in June, 1977 from 109-Pollachi constituency has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri K. Sethu to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/109/77(39)]

आदेश

का० आ० 2180:— यत निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 109, पोल्लाची सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री आर० सुबोधनन्दन, 17, मुरुगप्पा ले आउट, महालिंगपुरम, पोल्लाची, जिला कोयाम्बदूर (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवारने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन-आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री आर० सुबोधानन्दन को संसद के किसी भी सदन के किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० ता० ना० वि० स०/109/77(40)]

ORDER

S.O. 2180.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Naurangi Lal, Mohalla Mirganj, Tahsil Tilhar, Dislingapuram, Pollachi, Coimbatore District, (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in June, 1977 from 109-Pollachi assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri R. Subodhanandan, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/109/77(40]

नई दिल्ली, 6 जून, 1979

आदेश

का० आ० 2181—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए असाम विधान सभा के लिए असधारण निर्वाचन के लिए 63-चापागुरी (अ० ज० जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अजीत बासुमतारी, ग्राम भोजपारा, डा० नारायणपुर जिला कामरूप (असाम) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री अजीत बासुमतारी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० आसाम वि० स० /63/78)]

New Delhi, the 6th June, 1979

ORDER

S.O. 2181.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ajit Basumatari, Village-Bhogpara, P. O. Narayanpur, District Kamrup (Assam) a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in February, 1978, from 63-Chapaguri (ST) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ajit Basumatari to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. AS-LA/63/78]

नई दिल्ली, 7 जून, 1979

आदेश

का० आ० 2182.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया कि जून, 1977 में हुए उड़ीसा विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 53-निमापारा (अ०जा०) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री भगवान सीथा, मुकाम देनुआबस्ता, डाक० अलीपिंगल, जिला पुरी (उड़ीसा) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री भगवान सीथा को संसद के किसी भी सदन या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० 76/उड़ीसा वि० स०/53/77)]

New Delhi, the 7th June, 1979

ORDER

S.O. 2182.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhagaban Sitha. At Denuabasta, P. O. Alipingal, District Puri (Orissa) a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly held in June, 1977, from 53-Nimapara (SC) contituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhagaban Sitha to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. 76/OR-LA/53/77]

आदेश

नई दिल्ली 8 जून, 1979

का० आ० 2183.—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 19-अफजलगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री वीर चन्द, दुकान नं० 29, सेन्ट्रल कालोनी, कालागढ़, जिला बिजनोर (उत्तर प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री वीर चन्द को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरर्हित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र० वि० स० /19/77(19)]

ORDER

New Delhi, the 8th Jnue, 1979

S.O. 2183.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Vir Chand, Shop No. 29, Central Colony, Kalagarh, District Bijnor (Uttar Pradesh), a contesting Candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 19-Afzalgarh constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Represantation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Vir Chand to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/19/77(19)]

आदेश

का० आ० 2184.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 381-अनूपशहर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सुरेश चन्द, मोहल्ला पोखर, अनूपशहर, जिला बुलन्दशहर (उत्तर प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री सुरेश चन्द को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र० वि०स०/381/77(20)]

ORDER

S.O. 2184.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Suresh Chand, Mohalla Pokhar, Anupshahr, District Bulandshahr (Uttar Pradesh), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 381-Anupshahr constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or jurstification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Suresh Chand to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either house of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/381/77(20)]

आदेश

नई दिल्ली, 11 जून, 1979

का० आ० 2185.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 32 मुरादाबाद पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री लल्लू सिंह, ग्राम मातीपुर, पो० मनोटा, तहसील सम्भल, जिला मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री लल्लू सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र० वि० स० 32/77(21)]

ORDER

New Delhi, the 11th June, 1979

S.O. 2185.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Lallu Singh, Village Matipur, Post Manota, Tahsil Sambhat, District Moradabad (Uttar Pradesh) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 32-Moradabad West constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Lallu Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/32/77(21)]

आदेश

का० आ० 2186.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 13 क क की उपधारा (1) और (2) के अनुसरण में तथा तारीख 23 सितम्बर 1970 की अपनी अधिसूचना सं० 508/आ० प्र०/70 की अधिक्रान्त करते हुए निर्वाचन आयोग, आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार के परामर्श से—

(1) आन्ध्र प्रदेश राज्य के हैदराबाद और रंगा रेड्डी जिलों के अतिरिक्त अन्य जिलों में प्रत्येक जिले के कलक्टर को उनके जिले के लिए जिला निर्वाचन आफिसर के रूप में ;

(2) उक्त राज्य के रंगा रेड्डी जिले के कलक्टर को उस जिले में अन्तर्विष्ट उनकी राजस्व अधिकारिता के भीतर आने वाले क्षेत्र के लिए जिला निर्वाचन आफिसर के रूप में ;

(3) उक्त राज्य के हैदराबाद जिले के कलक्टर को उस जिले में अन्तर्विष्ट उनकी राजस्व अधिकारिता के भीतर आने वाले क्षेत्र के लिए जिला निर्वाचन आफिसर के रूप में ; और

(4) हैदराबाद नगर निगम के विशेष आफिसर को हैदराबाद जिले की हैदराबाद नगर निगम में अन्तर्विष्ट क्षेत्र के लिए जिला निर्वाचन आफिसर के रूप में

एतद्द्वारा पदाभिहित करता है ।

[सं० 508/आ० प्र०/78]

ORDER

S.O. 2186.—In pursuance of the provisions contained in sub-sections (1) and (2) of section 13AA of the Representation of People Act, 1950, and in supersession of its Notification No. 508/AP/70, dated the 23rd September, 1970, the Election Commission, in consultation with the State Government of Andhra Pradesh, hereby designates :—

(i) the Collector of each of the districts in the State of Andhra Pradesh other than Hyderabad and Ranga Reddy districts as the district election officer for his district ;

(ii) the Collector of Ranga Reddy District in the said State as the district election officer for the areas in thesaid said district comprised within his revenue Jurisdiction ;

(iii) the Collector of Hyderabad district in the said State as the district election Officer for the areas in the said district comprised within his revenue Jurisdiction, and

(iv) the Special Officer, Municipal Corporation of Hyderabad, as the district election officer for the areas in the district of Hyderabad comprised within the Municipal Corporation of Hyderabad.

[No. 508/AP/78]

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 14 जून 1979

का० आ० 2187.—भारत निर्वाचन आयोग की तारीख 2 जून, 1979 की अधिसूचना में आए "गृह विभाग" शब्दों के स्थान पर "शिक्षा विभाग" शब्द रखे जाएं ।

[सं० 154 गुज०/79]

वी० नागसुब्रमण्यन, सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 14 June, 1979

S.O. 2187.—In the Election Commission of India Notification No. 154/GJ/79 dated the 2nd June, 1979, for the words 'Home Department' occuring therein, the words "Education Department" may be substituted.

[No. 154/GJ/79]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 15 जून 1979

का०आ० 2188.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 62-निगोही निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मन फूल सिंह, ग्राम व पो० सिन्धौली, जिला शाहजहांपुर (उत्तर प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है ;

यतः उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी इस असफलता के लिए कोई कारण तथा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री मन फूल सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं० उ० प्र० वि० सं/62/77(24)]

ORDER

New Delhi, the 15th June, 1979

S.O. 2188.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Manphool Singh, Village and Post Sindhauli, District Shahjahanpur (Uttar Pradesh), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 62-Nigohi constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after the notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Manphool Singh to be disqualified for being chosen as and being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/62/77(24)]

आदेश

का० आ० 2189.—यतः, अब, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 63-तिलहर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री नौरंगी लाल, पो० मीरगंज, तहसील तिलहर, जिला शाहजहांपुर (उत्तर प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिए कोई कारण या स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री नौरंगी लाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं० उ० प्र० वि० स० 63/77 (23)]

ORDER

S.O. 2189.— Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Naurangi Lal, Mohalla Mirganj, Tahsil Tilhar, District Shahjahanpur (Uttar Pradesh), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 63-Tilhar constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Naurangi Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No UP-LA/63/77(23)]

आदेश

का० आ० 2190.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 68 हैदराबाद निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम दयाल, ग्राम वजीर नगर, पोस्ट जलाल पुर, जिला खीरी (उत्तर प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री राम दयाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं० उ० प्र० वि० स०/68/77(22)]

आर० डी० शर्मा, अवर सचिव

ORDER

S.O. 2190.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Dayal, Village Vazir Nagar, Post Jalalpur, District Kheri (Uttar Pradesh) a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 68-Haidrabad constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Dayal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order,

[No. UP-LA/68/77(22)]

R. D. SHARMA, Under Secy.

विधि न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(न्याय विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 12 जून, 1979

का० आ० 2191.—का० आ० 1432 भारत राजपत्र के भाग 2 खंड 3 उप खंड (2) में प्रकाशित इस विभाग के नोटिस में "ओकी पोस्ट आफिस स्ट्रीट" शब्दों के स्थान पर "ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट" पढ़ा जाए।

[संख्या 22/64/78 न्यायिक]

लक्ष्मण दास हिन्दी, उप सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(Department of Justice)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 12th June, 1979

S.O. 2191.—In this Department's Notice published as S.O. 1432 in the Gazette of India, Part II Section III Sub-Section (ii) for the words "Oki Post Office Street" read "Old Post Office Street".

[No. 22/64/78-Jus.]

L. D. HINDI, Dy. Secy.

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 जून, 1979

का०आ० 2192.—जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969 (1969 का 18) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार गृह मंत्रालय की अधिसूचना सा०का०नि० 1718 तारीख 22 सितम्बर, 1970 में आंशिक उपान्तरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा जुलाई, 1979 के प्रथम दिन को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिस तारीख को, उक्त अधिनियम जम्मू-कश्मीर राज्य में, निम्नलिखित क्षेत्रों को छोड़कर जिसमें यह पहले ही प्रवृत्त हो चुका है, प्रवृत्त होगा :

1. उधमपुर जिले में राम नगर के पुलिस थाना की अधिकारिता के अन्तर्गत समाविष्ट क्षेत्र ।

2. बारामुल्ला जिले में कुपवाड़ा के पुलिस थाना की अधिकारिता के अन्तर्गत समाविष्ट क्षेत्र ।

3. जम्मू और श्रीनगर की नगरपालिकाओं की सीमाओं के अंतर्गत समाविष्ट क्षेत्र।

4. अनन्तनाग, कठुआ और लेह् की नगर क्षेत्र समिति की सीमाओं के अन्तर्गत समाविष्ट क्षेत्र।

[सं० 1-1(इ०एन०एफ०)/(72-ज०म०सां०)]

पी० पद्मनाभ, भारत के महापंजीकार और जनगणना आयुक्त

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Office of the Registrar General and Census Commission)

New Delhi, the 12th June, 1979

S.O. 2192.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Registration of Births and Deaths Act, 1969 (18 of 1969) and in partial modification of the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. G.S.R. 1718 dated the 22nd September, 1970, the Central Government hereby appoint the first day of July, 1979 as the date on which the said Act shall come into force in the State of Jammu & Kashmir except the following areas in the State in which it has already come into force :

1. The area comprised within the jurisdiction of the police station of Ram Nagar in Udhampur district.
2. The area comprised within the jurisdiction of the police station of Kupwara in Baramulla district.
3. The area comprised within the limits of the Municipalities of Jammu and Srinagar.
4. The area comprised within the limits of Town Area Committee of Anantnag, Kathua and Leh.

[No. 1-1/(Enf)/72-VS]

P. PADMANABHA, Registrar General and Census Commissioner, India

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1979

आय-कर

का०आ० 2193.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर नियम, 1962 के नियम 6(ii) के साथ पठित, आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में "वैज्ञानिक अनुसंधान संस्था" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

(i) यह कि संस्था, चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का पृथक हिसाब रखेगी।

(ii) यह कि संस्था, अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणी परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।

संस्था

कनोरिया सेवा केन्द्र, कलकत्ता

यह अधिसूचना 27-1-1979 से 26-1-1981 तक की दो वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी होगी।

[सं० 2736 (फ०सं० 203/25/79-आईटीए II)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 28th February, 1979

INCOME-TAX

S.O. 2193.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(ii) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of "scientific research association" in the field of Medical Research, subject to the following conditions :—

(i) That the association will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of medical research.

(ii) That the association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.

INSTITUTION

Kanoria Seva Kendra, Calcutta.

This notification is effective for a period of 2 years from 27-1-1979 to 26-1-1981.

[No. 2736/F. No. 203/25/79-ITA. II]

नई दिल्ली, 19 मई, 1979

आय-कर

का०आ० 2194.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को, आय-कर नियम, 1962 के नियम 6 (ii) के साथ पठित, आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में "वैज्ञानिक अनुसंधान संस्था" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

(i) यह कि संस्था, चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का पृथक हिसाब रखेगी।

(ii) यह कि संस्था, प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणी परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।

संस्था

कैंसर हास्पिटल एण्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ दि जन विकास न्यास पब्लिक ट्रस्ट ग्वालियर

यह अधिसूचना 20-4-1979 से 19-4-1981 तक की 2 वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी होगी।

[सं० 2822 (फा० सं० 203/72A 79-आई०टी०ए० (2)]

New Delhi, the 19th May, 1979

INCOME-TAX

S.O. 2194.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub section (I) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 (ii) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of "scien-

tific Research association" in the field of Medical Research, subject to the following conditions :—

(i) That the institution will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of medical research.

(ii) That the institution will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council for each financial year by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.

INSTITUTION

Cancer Hospital & Research Institute of the Jan Vikas Nyas Public Trust, Gwalior.

This notification is effective for aperiod of 2 years from 20-4-1979 to 19-4-1981.

[No. 2822 (F. No. 203/72/79-ITA. II]

का०आ० 2195.—इस विभाग की अधिसूचना सं० 1649 (फा० सं० 203/16/77-आई०टी०ए० 11) तारीख 27-2-1977 के क्रम में, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को, आय-कर नियम, 1962 के नियम 6(ii) के साथ पठित, आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (2) के प्रयोजनों के लिए चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में "वैज्ञानिक अनुसंधान संस्था" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

(1) यह कि संस्था, चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का पृथक हिसाब रखेगी ।

(2) यह कि संस्था, प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणी परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं ।

संस्था

दि टाटा मेमोरियल सेन्टर, मुम्बई

यह अधिसूचना 7-2 1979 से 6-2-1981 तक की 2 वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी होगी ।

[सं० 2823 (फा० सं० 203/67/79-आई०टी०ए०2)]

S.O. 2195.—In continuation of this Department's Notification No. 1649 (F. No. 203/16/77-ITA. II) dated 27-2-1977, it is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of Sub-section (I) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(ii) of the Income-tax Rules 1962 under the category of "Scientific Research association" in the field of Medical Research, subject to the following conditions :—

(i) That the institution will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of medical research.

(ii) That the institution will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council for each such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.

INSTITUTION

The Tata Memorial Centre, Bombay.

This notification is effective for a period of 2 years from 7-2-1979 to 6-2-1981.

[No. 2823 (F. No. 203/67/79-ITA. II]

का०आ० 2196—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को, आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए अनुमोदित किया है ।

संस्था

बिरला वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान, कलकत्ता

यह अधिसूचना 1-4-1979 से 31-3-1981 तक की दो वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी होगी ।

[सं० 2824 (फा०सं० 203/6/78/आई०टी०ए० II)]

जे० पी० शर्मा, निदेशक

S.O. 2196.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Agricultural Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (I) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961.

INSTITUTION

Birla Institute of Scientific Research, Calcutta.

This notification is effective for a period of two years from 1-4-1979 to 31-3-1981.

[2824 (F. No. 203/6/78-ITA. II]

J. P. SHARMA, Director

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1979

आय-कर

का०आ० 2197.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा भारत सरकार के राजस्व और बीमा विभाग की दिनांक 13-8-1975 की अधिसूचना सं० 1032 (फा० सं० 404/77/75-आ० क० सं० क०) में निम्नलिखित संशोधन करती है; अर्थात् उक्त अधिसूचना में "श्री अनिल कुमार राय, श्री पी० के० देब मल्लिक और श्री नीमा दौरजे लावा को, जो भारत सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, कर वसूली अधिकारियों की शक्तियों का प्रयोग करने के लिये" शब्दों और अक्षरों के स्थान पर "श्री पी०के० देब मल्लिक को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिये" शब्द और अक्षर प्रतिस्थापित किये जाएं ।

[सं० 2780 (फा०सं० 404/22 (क०व०अ०-प०सं०)/79-आ०क०स०क०)]

New Delhi, the 26th April, 1979

INCOME-TAX

S.O. 2197.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Insurance No. 1032 (F. No. 404/77/75-ITCC) dt. 13-8-75 namely : In the said Notification for the words and letters "S/Shri Anil Kumar Roy, P. K. Deb Mallick and Nima Dorjay Lawa, who are gazetted Officers of the Central Government to exercise the powers of Tax Recovery Officers" the words and letters "Shri P. K. Deb Mallick" who is a gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of Tax Recovery Officer" be substituted.

[No. 2780 (F. No. 404/22(TRO-WB)/79-ITCC)]

का०आ० 2198.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा भारत सरकार के राजस्व और बीमा विभाग की दिनांक 4-7-1975 की अधिसूचना सं० 952 (फा० सं० 404/77/75-आ०क० स०क०) में निम्नलिखित संशोधन करती है; अर्थात्, उक्त अधिसूचना में "श्री यू०एस०साहा, श्री एस०सी० पारिया, श्री जी०डी०दत्त, श्री जे० बी० बिस्वास, श्री ए० के० भट्टाचार्य, श्री पी०चे मण्डल, श्री ए० देब बिस्वास, श्री ए० मजूमदार, श्री एस० के० दत्त, श्री बिमन चौधरी, श्री एस० के० पोद्दार, श्री एन० सी० नाथ, श्री एम० के० मुखर्जी, श्री बी०बी० पाल, श्री ए०बी० नाग, श्री एम० एल० साहा और श्री एस० बिस्वास" शब्दों के स्थान पर, "श्री जी०डी० दत्त, श्री ए० के० भट्टाचार्य, श्री एस० के० दत्त, श्री ए० बी० नाग, श्री एम० एस० साहा और श्री एस० बिस्वास" शब्द और अक्षर प्रतिस्थापित किये जाएं।

[सं० 2776 (फा० सं० 404/22-(क०ब०अ०-प० बं०)/79-आ०क० स० क०)]

S.O. .—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Insurance No. 952 (F. No. 404/77/75-ITCC) dt. 4-7-75 namely : In the said Notification for the words "S/Shri U. S. Saha, S. C. Parla, G. D. Dutta, J. B. Biswas, A. K. Bhattacharyya, P. K. Mondal, A. Deb Biswas, A. Majumdar, S. K. Dutta, Biman Chaudhury, S. K. Poddar, N. C. Nath,, S. K. Mukherjee, B. B. Pal, A. B. Nag, M. L. Saha and S. Biswas", the words and letters "G. D. Dutta, A. K. Bhattacharyya, S. K. Dutta, A. B. Nag, M. L. Saha and S. Biswas" shall be substituted.

[No. 2776 (F. No. 404/22-(TRO-WB)/79-ITCC]

का०आ० 2199.— आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा भारत सरकार के राजस्व और बीमा विभाग की दिनांक 29-7-1975 की अधिसूचना सं० 991 (फा० सं० 404/77/75-आ०क० स० क०) में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् उक्त अधिसूचना में "श्री शंकर कुमार डि० नृपेन्द्र एन० साहा, श्री सुबोध कुमार गुप्त, श्री पवित्र कुमार बनर्जी, श्री चारु शेखर मण्डल, इन्दु भूषन दास, श्री अशोक कुमार राय, श्री भूपति पी० मुखर्जी, श्री प्रोमोथा रंजन बोस, श्री अमल कुमार सरकार, श्री मिहिरलाल गइन, श्री विनय कृष्ण राय, श्री खगेन्द्र एन० हालदर, श्री रमेश चन्द्र साहा, श्री सुखमय हालदर, श्री सुधीर कुमार दास, श्री अबनि रंजन सरकार तथा श्री विश्वनाथ मुरारी" शब्दों के स्थान पर "श्री पवित्र कुमार बनर्जी, श्री भूपति पी०मुखर्जी, श्री प्रोमोथा रंजन बोस, श्री अमल कुमार सरकार, श्री विनय कृष्ण राय, श्री खगेन्द्र एन० हालदर, श्री सुखमय हालदर, श्री सुधीर कुमार दास, श्री विश्वनाथ मुरारी" शब्द और अक्षर प्रतिस्थापित किये जाएं।

[सं० 2778 (फा० सं० 404/22-(क०ब०अ०-प०ब०)/79-आ० क० स० क०)]

S.O. 2199.—In pursuance of sub-clause (iii) of **clause (44)** of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of1961), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Insurance No. 991 (F.No.404/77/75-ITCC) dt. 29-7-75 namely : In said notification for the words "S/Shri Shankar Kumar D. Nripandra N. Saha, Subodh Kumar Gupta, Pabitra Kumar Banerjee, Charu Sekhar Mandal, Indu Bh. Das, Ashoke Kumar Roy, Bhupati P. Mukherjee Promotha Ranjan Bose, Amal Kumar Sarkar, Mihirlal Gain, Benoy Krishna Roy, Khagendra N. Haldar Ramesh Ch. Saha, Sukhamoy Haldar, Sudhir Kumar Das, Abani Ranjan Sarkar and Biswanath Murari" in words and letters "Pabitra Kumar Banerjee, Bhupati P. Mukherjee, Promotha Ranjan Bose, Amal Kumar Sarkar, Benoy Krishna Roy, Khagendra N. Haldar, Sukhamoy Haldar, Sudhir Kumar Das, Biswanath Murari" shall be substituted.

[No. 2778 (F. No. 404/22-(TRO-WB)/79-ITCC)]

का०आ० 2200.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) के अनुसरण में और भारत सरकार के राजस्व और बीमा विभाग की दिनांक 29-8-1978 की अधिसूचना सं० 1062 (फा० सं० 404/77/75/आ०क०स०क०) के अधिलंघन में, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, श्री जयदेव बनर्जी को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अंतर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना, श्री जयदेव बनर्जी के कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 2782 (फा. सं० 404/22 (क० ब०अ०-प० बं०)/79-आ० क०स० क०]

S.O. 2200.—In pursuance of Sub-clause (iii) if **clause (44)** of Section 2 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of the Notification of Government of India in the Department of Revenue and Insurance No. 1062 (F. No. 404/77/75-ITCC) dt. 28-8-78 the Central Government hereby authorises Shri Joydeb Banerjee being a gaxetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Joydeb Benerjee takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2782 (F. No. 404/22-(TRO-WB)/79-ITCC)]

का०आ० 2201.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप खण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा, निम्नलिखित अधिकारियों को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारी के शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करती है :—

1. श्री राजनारायण घोष
2. श्री ए० एल० दत्त
3. श्री विभूतिकुमार भट्टाचारजी
4. श्री अशोक कुमार राय
5. श्री परिमल चन्द्र बिस्वास
6. श्री सरत कुमार घोष
7. श्री तुलसी दास मुखर्जी
8. श्री सी० डी० शुक्ल
9. श्री बी० पी० त्यागी
10. श्री हृषिकेश पाल
11. श्री एन० डी० मुखर्जी
12. श्री शंकर नारायण गुहु
13. श्री रणजीत मंडल
14. श्री विभूति भूषण सरकार
15. श्री सुरेश चन्द्र राय
16. श्री सतीश चन्द्र राय
17. श्री सुव्रत डे
18. श्री वेलुथक्कल केशवन नैयर
19. श्री जैनेन्द्र कुमार राय
20. श्री रवीन्द्र नारायण
21. श्री कालीदास चटर्जी
22. श्री प्रवीर सेनगुप्त

2. यह अधिसूचना, निम्नलिखित अधिकारियों के कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने के तारीख से लागू होगी।

1. श्री राजनारायण घोष
2. श्री ए० एल० दत्त
3. श्री विद्युत कुमार भट्टाचारजी
4. श्री अशोक कुमार राय
5. श्री परिमल चन्द्र बिस्वास
6. श्री सरत कुमार घोष
7. श्री तुलसीदास मुखर्जी
8. श्री सी०डी०शुक्ल
9. श्री वी० पी० त्यागी
10. श्री हरेकृष्ण पाल
11. श्री एन० डी० मुखर्जी
12. श्री शंकर नारायण गुह
13. श्री रणजीत मंडल
14. श्री विभूति भूषण सरकार
15. श्री सुरेशचन्द्र राय
16. श्री सतीश चन्द्र राय
17. श्री सुब्रत डे
18. श्री वेलुथक्कल केसावन नैयर
19. श्री जैनेन्द्र कुमार राय
20. श्री रवीन्द्र नारायण
21. श्री कालिदास चटर्जी
22. श्री प्रबीर सेनगुप्त

[सं० 2784 (फा०सं० 404/22 (क०व०अ०—प० ब०)/79—आ क स क]

S.O. 2201.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises S|Shri

1. Raj Narain Ghosh.
2. A. L. Dutta.
3. Bidyut Kr. Bhattarcharjee
4. Ashoke Kr. Roy.
5. Parimal Chander Biswas.
6. Sarat Kr. Ghosh.
7. Tulsidas Mukherjee.
8. C. D. Shukla.
9. V. P. Tyagi.
10. Harekrishna Paul.
11. N. D. Mukherjee.
12. Sankar Narayan Guha.
13. Ranajit Mondal.
14. Bibhuti Bhushan Sarkar.
15. Suresh Ch. Roy.
16. Satish Ch. Roy.
17. Subrata Dey.
18. Veluthakkal Kesavan Nair.
19. Janendra Kumar Roy.
20. Rabindra Narayan.
21. Kalidas Chatterjee.
22. Prabir Sengupta.

being gazetted Officers of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officers under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date S/Shri

1. Raj Narain Ghosh.
2. A. L. Dutta.
3. Bidyut Kr. Bhattacharjee.
4. Ashok Kr. Roy.
5. Parimal Chandra Biswas.
6. Sarat Kr. Ghosh.
7. Tulsidas Mukherjee.
8. C. D. Shukla.
9. V. P. Tyagi.
10. Harekrishna Paul.
11. N. D. Mukherjee.
12. Sankar Narayan Guha.
13. Ranajit Mondal.
14. Bibhuti Bhushan Sarkar.
15. Suresh Ch. Roy.
16. Satish Chander Roy.
17. Subrata Dey.
18. Veluthakkal Kesavan Nair.
19. Janendra Kumar Roy.
20. Rabindra Narayan.
21. Kalidas Chatterjee.
22. Prabir Sengupta.

take over charge as Tax Recovery Officers.

[No. 2784 (F. No. 404/22(TRO-WB)/79-ITCC]

नई दिल्ली, 31 मई, 1979

का० आ० 2202.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप खण्ड (iii) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा, भारत सरकार के राजस्व विभाग की विनांक 18 अप्रैल, 1978 की अधिसूचना सं० 2272 (फा०सं० 404/90/77—आ०क०स०क०) में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् : उक्त अधिसूचना में, "श्री सी० श्रीनिवासुलु, श्री वी०वी० रामनाराव और श्री सी० वेणुगोपाल" शब्दों के स्थान पर, "श्री एस० श्रीनिवासुलु" शब्द और अक्षर प्रतिस्थापित किया जाएं।

[फा०सं० 2836 (फा०सं० 404/118/(क०व०अ०आं०प्र०)/79—आ० क०स०क०]

New Delhi, the 31st May, 1979

S.O. 2202.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following amendment in the Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 2272 (F. No. 404|90|77-ITCC) dated 18-4-78 namely; In the said Notification for the words S/Shri C. Srinivasulu, V. V. Ramana Rao and C. Venugopal" the words and letters "Shri S. Srinivasulu" shall be substituted.

[No. 2836 (F. No. 404/118(TRO-AP)/79-ITCC]

का० आ० 2203.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा (2) के खण्ड (44) के उप खण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के राजस्व विभाग की विनांक 17 अप्रैल, 1978 की अधिसूचना सं० 2273 (फा०सं० 404/90/177 आ०क०स०क०) में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् उक्त अधिसूचना में "श्री वाई० चक्रवाणी" शब्दों के स्थान पर, "श्री वी० चिन्नाराव" शब्द और अक्षर प्रतिस्थापित किए जाएं ।

[सं० 2838 (फा०सं० 404/118 (क०व०अ०—आं०प्र०)/79—आ०क०स०क०)]

S.O. 2203.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 2273 (F. No. 404/90/77-ITCC) dated 18-4-79 namely; In the said notification for the words "Shri Y. Chakrapani" the words and letters "Shri V. Chinna Rao" shall be substituted.

[No. 2838 (F. No. 404/118 (TRO-AP)/79-ITCC]

का० आ० 2204.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा श्री वी० वेंकटस्वरुलु और श्री एम० कृष्णमूर्ति को जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारियों की शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना, श्री वी० वेंकटस्वरुलु और श्री एम० कृष्णमूर्ति द्वारा कर वसूली अधिकारियों के रूप में कार्यभार संभाले जाने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 2834 (फा०सं० 404/118 (क०व०अ०—आं०प्र०)/79 आ० क०स०के०)]

एच० वेंकटरामन, उपसचिव

S.O. 2204.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises S/Shri V. Venkateswarlu and M. Krishnamurthy being gazetted officers of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officers under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date S/shri V. Venkateswarlu and M. Krishnamurthy take over charge as Tax Recovery Officers.

[No. 2834 (F. No. 404/118(TRO-AP)/79-ITCC]

H. VENKATARAMAN, Dy. Secy.

(भारतीय पूर्त अक्षय निधि के कोषपाल का कार्यालय)

नई दिल्ली, 11 जून, 1979

का०आ० 2205.—भारतीय पूर्त अक्षय निधि के कोषपाल या उसके अभिकर्ताओं के द्वारा पूर्त अक्षय निधि अधिनियम 1890 (1890 का 6) के अधीन 31 मार्च, 1979 को धारित पूर्त अक्षय निधि (केन्द्रीय) से संबंधित सम्पत्तियों और प्रतिभूतियों की सूची तथा 1978-79 के लेखों का सारांश सामान्य जानकारी के लिए नीचे प्रकाशित किया जा रहा है :

भाग I—प्रतिभूतियों से भिन्न सम्पत्तियों की सूची

क्रम संख्या	अधिकार में देने के आदेश का ब्योरा: संख्या	अधिकार में देने के आदेश का ब्योरा: दिनांक	अक्षय निधि का नाम	सम्पत्ति के प्रशासक	धारित सम्पत्ति: विवरण	धारित सम्पत्ति: मूल्य	धारित सम्पत्ति: वार्षिक आय, यदि मालूम हो	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
भारत :						रुपए	रुपए	
1.	स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या फ़ा० 14-26/61—इंस्टीट्यूट जो स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की अधिसूचना संख्या एम० 22020/11/76 एम० सी० (एम० एस०) द्वारा यथा संशोधित	31 अगस्त, 1962 31 अगस्त 1977	पास्चर इंस्टीट्यूट आफ इंडिया	पास्चर इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया का प्रशासक	(1) एन्टीरेबीज रिसर्च सेंटर कसौली की इमारत (2) लेडी लिनलिथगो सैनिटोरियम, कसौली की इमारत, (3) मील्टन लाज, कसौली	2,23,200.00 22,18,700.00 26,000.00	मालूम नहीं	
2.	रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना सं० एस०आर०ओ० 250	19 जुलाई 1960	कमोला तथा उदयपुरी स्थित कुमाऊं रेजीमेंटल फारम की फारम निधि	निधि का प्रशासन बोर्ड	कमोला तहसील कालाढूगी, जिला नैनीताल 1. औषधालय (30 फीट × 24 फ़ीट) 2. धर्मशाला ज (30 फ़ीट × 24फ़ीट) 3. अतिथि-गृह नं० 1 (30फीट × 35फीट) 4 अतिथि गृह नं० 2 (28 फीट × 26 फीट)	 4,000.00 4,000.00 5,000.00 3,500.00	तदैव	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
						रुपए	रुपए	
महाराष्ट्र :								
1.	जी० आई० एच० डी० शिक्षा, संख्या 433	27 मई, 1909	भारतीय विज्ञान संस्थान	बंबई का कलेक्टर, श्री नारायण वसालेय सिरूर और श्री नवल एच० टाटा	'विक्टोरिया बिल्डिंग'' —पूर्ण स्वामित्व (फ्री-होल्ड) की वह सारी भूमि जो फ़ोर्ट में पारसी बाजार स्ट्रीट के पूर्व में एल्फिन्स्टोन सर्किल पर या उसके बराबर में स्थित है। इसमें बाटिका गृह, वास-गृह और इमारतें शामिल हैं जिसे "विक्टोरिया बिल्डिंग" कहा जाता है। इसका क्षेत्रफल 482-3/4 वर्ग गज है।	मालूम नहीं	मालूम नहीं	
2 और 3		तदैव	तदैव	तदैव	"एल्बियन प्लेस और अलेग्जेंडरा टेरेस"— भूमि का वह सारा भाग जो परेल रोड के पूर्व में भायखला में स्थित है। इसमें बाटिका-गृह वास-गृह और इमारतें, अहाते में बने नौकर-चाकरों के मकान और अस्तबल शामिल है, जिन्हें एल्बियन प्लेस और अलेग्जेंडरा टेरेस कहा जाता है, इसका क्षेत्र-फल 11,104 वर्ग गज अथवा इसके करीब है।	तदैव	तदैव	
3-क	जी० आई० एच० डी० शिक्षा संख्या 433	27 मई, 1909	भारतीय विज्ञान संस्थान	बम्बई का कलेक्टर श्री नारायण वत-लेय सिरूर और श्री नवल एच० टाटा	भायखला के निकट परेल रोड जिसे अब डा० अम्बेडकर रोड के नाम से पुकारा जाता है के पूर्वी और 11,104 वर्ग गज भूमि पर 'होटल हैरिटेज/नामक एक नई इमारत का निर्माण।	19,00,000.00	1,89,120.00	
4 और 5		तदैव	तदैव	तदैव	'रेहाउस' और 'सेंडहर्स्ट हाउस' बम्बई द्वीप में, अपोलो रिक्लेमेशन पर स्थित भूमि का पट्टे पर मिला हुआ वह टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 2004-8/9 वर्ग गज है और जिस पर "रे हाउस" और "सेंडहर्स्ट हाउस" नामक दो इमारतें बनी हुई हैं।	मालूम नहीं	मालूम नहीं	

1 2		3	4	5	6	7	8	9
						रुपए	रुपए	
6 और 7	27 मई, 1909	भारतीय विज्ञान संस्थान	बंबई का कलेक्टर श्री नारायण दत्तात्रेय सिरूर और श्री नवल एच० टाटा	"रूजवल्ट या एजरा हाउस"–पट्टे पर मिली भूमि का वह सारा टुकड़ा जो अपोलो रिक्लेमेशन पर स्थित है जिसका क्षेत्रफल 533-3/9 वर्ग गज है और जिस पर "रूजवैल्ट हाउस या एजरा हाउस" नामक इमारतें बनी हुई हैं। इसके अतिरिक्त लगभग 573-3/5 वर्ग गज का पट्टे पर ली गई भूमि का वह टुकड़ा भी जो बम्बई द्वीप में अपोलो रिक्लेमेशन पर स्थित है।	मालूम नहीं	मालूम नहीं	
8 और 9	तदैव	तदैव	तदैव	"सारजेंट हाउस" और "जैन्किस हाउस"—बम्बई द्वीप में अपोलो रिक्लेमेशन पर स्थित 3487-2/9 वर्ग गज का भूमि का वह टुकड़ा जिस पर सारजेन्ट हाउस और जैन्किन्स हाउस नामक इमारतें स्थित है।	तदैव	तदैव	
10. जी०आई० एच० डी० शिक्षा संख्या 433	तदैव	तदैव	तदैव	"न्यू शामजी बिल्डिंग्स" जिसे अब स्टेशन टेरेसिस स्लीटर रोड" कहा जाता है फोरस टल्योर की लगभग 2,290 वर्ग गज की भूमि जिस पर कई वाटिका गृह, वास गृह या रिहायशी मकान बने हुए हैं, जिन्हें न्यू शामजी, बिल्डिंग्स कहा जाता था परन्तु वर्तमान नाम—स्टेशन टेरेस है तथा यह बंबई में स्लीटर रोड के दक्षिण में स्थित है।	तदैव	तदैव	
11. तदैव	तदैव	तदैव	तदैव	"कैम्बो हाउस" पट्टे पर मिली हुई भूमि का वह टुकड़ा, जो बम्बई, द्वीप में अपोलो रिक्लेमेशन पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल लगभग 529-6/9 वर्ग गज है और जिसे "केम्बी हाउस" कहा जाता है।	तदैव	तदैव	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
						रुपए	रुपए	
12 और 13		27 मई, 1909	भारतीय विज्ञान संस्थान]	बंबई का कलेक्टर श्री नारायण दत्तात्रय मिरूर और श्री नवल एच० टाटा	"एल्बियन प्लेस और अलेग्जेंड्रा टेरेस" के निकट भूमि का वही टुकड़ा, जिसका क्षेत्रफल लगभग 8,570 वर्ग गज है और जो बम्बई के कलेक्टर द्वारा बम्बई शहर में परेल रोड पर भायखला में स्थित भूमि खंड के साथ पंजीकृत है, इसमें वाटिका-गृह, वास गृह और रिहायशी मकान शामिल हैं इसे "एल्बियन प्लेस और अलेग्जेंड्रा टेरेस" के निकट की भूमि कहीं जाता है।	मालूम नहीं	मालूम नही	बम्बई शहर के लिए भूमि अधिग्रहण अधिकारी वर्ग गज भूमि को अभिगृहीत कर लिया है।
14. जी० आई० एच० डी० शिक्षा संख्या 433		सदेव	सदेव	सदेव	"परेल टैंक रोड पर स्थित भूमि" (1) लगभग 67,057 वर्ग गज भूमि का वह टुकड़ा जिसमें से 7021 वर्ग गज सरकारी टोका भूमि और 2189 वर्ग गज सरकारी भूमि जिसका हाल ही में निर्धारण किया गया है, शामिल है और शेष इनाम भूमि है जो परेल में परेल गवर्नमेंट टैंक को जाने वाली सार्वजनिक सड़क पर स्थित है जिसे परेल टैंक रोड स्थित भूमि (बागेश्री हिल) कहा जाता है । (2) परेल स्थित इनाम भूमि का खाली टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल लगभग 6005 वर्ग गज है। (3) गवर्नमेंट टोका भूमि का खाली टुकड़ा, जिसका क्षेत्रफल लगभग 1058 वर्ग गज है और जो बम्बई नगर में परेल	सदेव	सदेव	74,686 वर्ग गज भूमि में से 15,575.80 वर्ग गज भूमि टाटा हाइड्रोइलैक्ट्रिक पावर एण्ड सप्लाई कम्पनी लिमिटेड के लिए प्रेषण लाइनें बिछाने और अन्य निर्माण कार्य करने के लिए भूमि अर्जन अधिनियम के अन्तर्गत सरकार द्वारा अभिगृहीत कर ली गई तथा 37471.52 वर्ग गज भूमि बाद में 1922 में भूमि अभिग्रहण अधिकारी द्वारा अभिगृहीत कर ली गई।

1	2	3	4	5	6	7	8	9
					पर गोलांगी हिल रोड पर और उसके दक्षिण में स्थित है। (4) सरकारी टीका भूमी का खाली टुकड़ा जिसका क्षेत्र-फल लगभग 566 वर्ग गज है और जो बम्बई नगर में परेल पर गोलांगी हिल रोड पर और उसके दक्षिण में स्थित है।	रुपए मालूम नहीं	रुपए मालूम नहीं	परेल ट्रैक रोड भूमि स्थित का एक भाग सी० एस० संख्या 1/202 पार्ट जिसका क्षेत्र-फल 2043.88 वर्ग गज है और सी० एस० संख्या 203 पार्ट जिसका क्षेत्रफल 623.33 वर्ग गज है, बंबई नगर निगम ने भूमि अधि-ग्रहण अधिनियम (1894 का पहला) की धारा 12 (2) के अधीन एक जला-शय के निर्माण के लिए अभिगृहीत कर लिया था।
15. जी०आई०एच० डी० शिक्षा संख्या 433	27 मई, 1909	भारतीय विज्ञान संस्थान	बम्बई का कलेक्टर श्री नारायण दत्तात्रेय मिरूर और श्री नवल एच० टाटा	बम्बई नगर और रजिस्ट्रेशन उपजिले में कोलाबा रोड के पश्चिम में स्थित भूमि का वह सारा टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल लग-भग 2020 वर्ग गज है और जिसकी हदबंदी इस प्रकार है :— उत्तर में या उत्तर की ओर : सर करीम-भाई इब्राहिम बारो-नेतसी न्यास के न्या-सियों की संपत्ति, दक्षिण में या दक्षिण की ओर : पुलिस चौकी सड़क, पूर्व या पूर्व की ओर : कोलाबा रोड, पश्चिम में या पश्चिम की ओर : वोडहाउस रोड। यह भूमि बम्बई के कलेक्टर की किताबों में रेट रोल संख्या 8509 पर दर्ज है और इसकी कोलाबा प्रभाग की बन्दोबस्त सर्वेक्षण संख्या 48 है। इसमें उस भूमि पर बनी	18,44,108.28	199,675.08	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
						रुपए	रुपए	
					इमारतें और अन्य ढांचे शामिल हैं। इनका निर्धारण बम्बई नगरपालिका द्वारा अवार्ड संख्या 213 और 214 और क्रमशः कोलाबा रोड और लोइहाउस रोड की गली संख्या 158 और 125 तथा लोअर कोलाबा रोड की गली संख्या 154 के अन्तर्गत गिराया है।	मालूम नहीं	मालूम नहीं	
16. जी०आर० ई० डी० संख्या 452	7 मार्च, 1906	सर जमशेदजी जेजीभाई पारसी हितकारी संस्थान	सचिव, सर जमशेदजी जेजीभाई पारसी हितकारी संस्थान बम्बई	बम्बई मेंहार्नबी रोड फोर्ट पर स्थित 1688 वर्गगज भूमि का टुकड़ा और उस पर बने हुए रिहायशी मकान और इमारतें।	मालूम नहीं	मालूम नहीं		
17. जी० आर० ई० डी० संख्या 1778	10 जुलाई, 1912	नदैव	नदैव	गोलागली, फोर्ट, बम्बई में स्थित पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि का सारा टुकड़ा और उस पर बने हुए वाटिका गृह, वासगृह और अस्तबल, जिसका क्षेत्रफल लगभग 173 और 62 वर्ग गज है।	नदैव	नदैव		
तमिलनाडु :								
1. संख्या 46—शिक्षा तथा संख्या 389—शिक्षा	5 अप्रैल, 1904 25 जून, 1904	मद्रास सैनिक बालिका अनाथालय निधि स्कूल मद्रास	सचिव तथा कोरस-पोन्डेन्ट सेंट जार्ज तथा अनाथालय	मद्रास में स्थित भूमि जिसकी सर्वेक्षण संख्या 232 है और जिस का क्षेत्रफल 15 कानी, 18 ग्राउन्ड और 1678 वर्गफुट है और उस पर बनी इमारत जिसका नाम मद्रास सैनिक बालिका अनाथालय (मद्रास मिलिट्री फीमेल आरफन असाईलम) है।	नदैव	नदैव	इस संपत्ति पर सेंट जार्ज स्कूल तथा अनाथालय का कब्जा है। यह कब्जा इस शर्त पर दिया गया था कि वहां पर अनाथालय की लड़कियों के अलावा मद्रास सैनिक बालिका अनाथालय में पहले भर्ती की गयी 30 अन्य बालिकाओं के भरण-पोषण और शिक्षा की व्यवस्था की जायेगी।
उत्तर प्रदेश								
1. उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा विभाग अधिसूचना संख्या 602/15 301	क्रमशः 2 अप्रैल, 1918 और 29 नवम्बर, 1923	गिरौंडी कायस्थ पाठशाला अक्षय निधि, मिरजापुर	प्रबन्ध समिति जिसके पदेन अध्यक्ष मिरजापुर के कलक्टर होंगे	(क) जिला मिरजापुर के मुहल्ला बेलेजलीगंज में स्थित तीन मकान जिनकी हदबंदी इस				

1	2	3	4	5	6	7	8	9
						रुपए	रुपए	
और 808 जी/15 619/1923				और जिसमें स्व० मुंशी विन्देश्वरी प्रसाद वकील की संपत्ति के निष्पादक सदस्य होंगे।	प्रकार है:— (1) दक्षिण : श्री प्यारे लाल का मकान, उत्तर : मुसम्मात मुन्ना का मकान ; पश्चिम : गवर्नमेंट रोड ; पूर्व : श्री सुमेर सुनार का मकान।	600.00	36.00	
					(2) दक्षिण : मुंशी विन्देश्वरी प्रसाद वकील का मकान ; उत्तर : मस्जिद ; पश्चिम : श्री रामेश्वर तेली का मकान; पूर्व : सड़क।	600.00	36.00	
					(3) दक्षिण : श्री बुद्धू का मकान ; उत्तर : मुंशी विन्देश्वरी प्रसाद वकील का मकान ; पश्चिम : मुसम्मात उमराव का मकान ; पूर्व : सड़क	600.00	36.00	
					(ख) मिरजापुर जिले की चुनार तहसील के मौजा गिरौंडी में स्थित बाग।	600.00	15.00	
					(ग) मिरजापुर जिले की चुनार तहसील के मौजा गिरौंडी में उपर्युक्त (ख) में बताये गये बाग में स्थित पाठशाला।	50.00	मालूम नहीं	

पंजाब

चूंकि केन्द्रीय पूर्त अक्षय निधि से सम्बद्ध संपत्तियों का भारत और पाकिस्तान के बीच बंटवारा अभी नहीं हुआ है, इसलिए इन संपत्तियों की सूची अभी तैयार नहीं की जा सकी है।

भाग II—प्रतिभूतियों की सूची और लेखा सारांश

मामला संख्या	पूर्त अक्षय निधि का नाम	वे व्यक्ति जिनकी ओर से धारित है	प्रतिभूतियों का ब्यौरा	प्रतिभूतियों की कुल रकम	नकद	
						वसूल किया गया ब्याज या लाभांश
1	2	3	4	5		6
भारत				रुपए	रुपए	रुपए
1	खण्डपारा राज्य न्यास निधि	खण्डपारा राज्य न्यास निधि का न्यासी बोर्ड	5 वर्षीय डाकघर सावधि जमा	30,600.00	30,600.00	3060.00

प्राप्तियां			नकद व्यय		नकद शेष	टिप्पणी
अन्य नकद प्राप्तियां	नकद प्राप्तियों की कुल रकम		अदायगियां			
7	8		9		10	11
रुपए	रुपए			रुपए	रुपए	
..	3,060.00	किया गया ब्याज		3,029.40		
		सरकार को दी गई फीस		30.60	—	
				3,060.00		

1	2	3	4	5	6	
				रु०	रु०	रु०
2	सशस्त्र सेना हितकारी निधि	सशस्त्र सेना हितकारी निधि की सामान्य समिति	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण 1946	8,00,400 00	8,00,400.00	24,012.00
3	महिलाओं तथा बच्चों के लिये लेडी हार्डिंग अस्पताल (दिल्ली) की निधि	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	5 वर्षीय डाकघर सावधि जमा	4,94,300.00	4,94,300 00	73,078.27

7	8	9		10	11
रुपए	रुपए		रुपए	रुपए	
	24,012.00	दिया गया ब्याज	23,771.88	—	
		सरकार को दी गई फीस	240.12		
			24,012.00		
(क) 1,93,600.00	2,66,678,27	(ख) वेतन और लेखा अधिकारी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज तथा अस्पताल, नई दिल्ली को दी गई अदायगी	2,65,947.48		(क) यह रकम निम्नलिखित परिशोधन प्राप्तियों की द्योतक है :—
		सरकार को दी गई फीस	730.79		(i) दस वर्षीय रक्षा जमा पत्र II 500.00
			2,66,678.27		(ii) 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत पत्र (II) निर्गम) 30,000.00
					(iii) तमिलनाडु औद्योगिक निवेश निगम लिमिटेड के पास मियादी जमा 1,63,100.00
					1,93,600.00

(ख) लेडी हार्डिंग आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल (अर्जन और प्रकीर्ण उपबन्ध) अधिनियम 1977 की शर्तों के अनुसार सरकार ने लेडी हार्डिंग आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल को अभिगृहीत कर लिया था तदनुसार निधि की प्रतिभूतियों पर वसूल की गई ब्याज समेत परिशोधन प्राप्तियों की रकमों को वेतन और लेखा अधिकारी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, लेडी हार्डिंग आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल, नई दिल्ली को प्रेषित कर दी गई थी ।

7	8	9	10	11
			रु०	
				इसके अतिरिक्त मद (ख) के सामने दिखाई गई रकम में सितम्बर 1976 में निधि प्राधिकारियों को जो 151.47 रुपये का चैक संख्या 847088 जारी किया गया था और जिसे खातों को विभागीय तौर पर रखने की प्रणाली से पहले भुनाया नहीं जा सका था उस रकम को भी 1978-79 में उपर्युक्त बेतन और लेखा अधिकारी को दे दिया गया था ।

1	2	3	4	5	6	
				रु०	रु०	रु०
4	सेंट डन्सटन्स (इंडिया) फंड	सेंट डन्सटन्स (इंडिया) फंड का न्यासी बोर्ड	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	92,900.00		
			4½ प्रतिशत ऋण 1989	15,000.00	1,07,900.00	3,335.50
5	थामस रोड बैन स्मारक निधि	अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान और कालेज, देहरादून	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण 1946	3,100.00	3,100.00	93.00
6	भारतीय पाश्चर संस्थान	भारतीय पाश्चर संस्थान की संस्था के प्रशासक	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण 1946	66,900.00		
			4 प्रतिशत ऋण 1960	1,10,900.00		
			5 वर्षीय डाकघर सावधि जमा	30,750.00	2,08,550.00	9,518.00

7	8	9	10	11
रु०	रु०		रु०	रु०
—	3,335 50	दिया गया ब्याज	3,302.14	— कालम संख्या 6 के नीचे दी गयी रकम में स्रोत पर काटे गये आय-कर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है ।
		सरकार को दी गई फीस	33.36	
			3,335.50	
..	93.00	दिया गया ब्याज	92.06	
		सरकार को दी गई फीस	0.94	
			93.00	
..	9,518.00	दिया गया ब्याज	9,422.31	
		सरकार को दी गई फीस	95.19	
			9,518.00	

1	2	3	4	5		6
				रुपये	रुपये	
7	राष्ट्रीय शिक्षक कल्याण निधि	राष्ट्रीय शिक्षक कल्याण निधि की सामान्य समिति	तमिलनाडु औद्योगिक निवेश निगम लिमिटेड के पास मियादी जमा	23,00,000.00		
				4,61,29,800.00	4,84,29,800.00	38,93,634.12
			5 वर्षीय डाकघर सावधि जमा			
8	पुस्तकालय विज्ञान के लिए शारदा रंगनाथन पूर्त अक्षय निधि	निधि की प्रबन्ध समिति	तमिलनाडु औद्योगिक निवेश निगम लि० के पास, मियादी जमा	5,00,000.00	6,00,000.00	63,000.00
			5 वर्षीय डाकघर सावधि जमा	1,00,000.00		

7	8	9		10	11
रुपए	रुपए			रुपए	
(ग) 1,09,68,500.00	1,48,62,134.12	दिया गया ब्याज		38,54,697.78	
		सरकार को दी गई फीस		38,936.34	
		(घ) अन्य अदायगियां		1,09,68,500.00	
				1,48,62,134.12	
	63,000.00	दिया गया ब्याज		62,370.00	
		सरकार को दी गई फीस		630.00	
				63,000.00	

(ग) यह रकम निम्नलिखित की द्योतक है :—

5½ प्रतिशत बम्बई नगरपालिका ऋण पत्र 1978 की परिशोधन प्राप्तियां	25,68,500.00
निवेश के लिए निधि प्राधिकारियों से प्राप्त हुई रकम	84,00,000.00
	1,09,68,500.00

(घ) यह रकम 5 वर्षीय डाकघर सावधि जमा में किये गये निवेश की द्योतक है।

1	2	3	4	5	6	
				रुपए	रुपए	रुपए
9	देहरादून स्थित वयस्क अन्ध प्रशिक्षण केन्द्र की बानुबाई बीरमजी कांगा प्रशिक्षणार्थी कल्याण निधि	अधीक्षक, वयस्क अन्ध प्रशिक्षण केन्द्र, देहरादून	रक्षा जमा पत्र	100.00		
			5 वर्षीय डाकघर सावधि जमा	49,850.00		
			6 प्रतिशत पश्चिम बंगाल राज्य बिजली बोर्ड बांड 1982	4,400.00	54,350.00	5,269.12
10	झंडा दिवस निधि	झंडा दिवस निधि की प्रबंध समिति	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	4,20,000.00	4,20,000.00	12,600.00
11	युद्ध पीड़ितों और अपंग सैनिकों के लिए विशेष सहायता निधि	प्रबन्ध समिति, युद्ध पीड़ितों और अपंग सैनिकों के लिये विशेष सहायता निधि	5 वर्षीय डाकघर सावधि जमा	2,00,00,000.00	2,00,00,000.00	22,50,769.17

7	8	9		10	11
रुपए	रुपए		रुपए	रुपए	
(क) 10,250.00	15,519.12	दिया गया ब्याज	5,216.43		(क) यह रकम 10,250 रुपये के दस वर्षीय रक्षा जमा पत्रों की परिशोधन प्राप्तियों के द्योतक हैं। इस रकम को 5 वर्षीय डाक घर सावधि जमा में पुनः निवेश कर दिया गया है। कालम 6 में दिखाई गई ब्याज की रकम में स्रोत पर काटी गई आयकर और अधिभार की रकमें शामिल नहीं है।
		सरकार को दी गई फीस	52.69		
		(क) अन्य अदायगियां	10,250.00		
			15,519.12		
	12,600.00	दिया गया ब्याज	12,474.00		
		सरकार को दी गई फीस	126.00		
			12,600.00		
(ख) 3,00,00,000.00	3,22,50,769.17	दिया गया ब्याज	22,28,261.47		(ख) यह रकम निम्नलिखित की द्योतक है :—
		सरकार को दी गई फीस	22,507.70		
		(छ) अन्य अदायगियां	3,00,00,000.00		
			3,22,50,769.17		तमिलनाडु औद्योगिक निवेश निगम लि० में निवेशित मियादी जमा की परिशोधन प्राप्तियां 1,00,00,000.00 निवेश के लिए निधि प्राधिकारियों से प्राप्त रकम 2,00,00,000.00 3,00,00,000.00
					(छ) यह रकम निम्नलिखित की द्योतक है :—
					तमिलनाडु औद्योगिक निवेश निगम लि० में निवेशित मियादी जमा की परिशोधन

7	8	9	10	11
रु०	रु०	रु०		
			प्राप्तियां जिसे निधि प्राधिकारियों को वापस लौटा दिया गया है	1,00,00,000.00
			5 वर्षीय डाकघर सावधि जमा	2,00,00,000.00
				3,00,00,000.00
			स्तम्भ 6 में दिखाई गई ब्याज की रकम में स्रोत पर काटे गए आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।	

1	2	3	4	5	6	
				रु०	रु०	रु०
12	महिलाओं व बच्चों के लिए लेडी हार्डिंग अस्पताल, दिल्ली निधि [लेडी हार्डिंग आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल (अर्जन और प्रकीर्ण उपबन्ध) अधिनियम, 1977 की धारा 7 के अनुसरण में स्थापित की गई नई अक्षय निधि]	प्रशासन बोर्ड लेडी हार्डिंग आयुर्विज्ञान महाविद्यालय तथा श्रीमती एस० के० अस्पताल				
13	राष्ट्रीय बाल निधि	निधि के न्यासियों का बोर्ड	5 वर्षीय डाकघर सावधि जमा	1,00,000.00	1,00,000.00	

7	8	9	10	11
(अ) 1,02,667.00	1,02,667.00	(अ) 10,24,667.00		(अ) यह रकम लेडी हार्डिंग आयुर्विज्ञान महाविद्यालय तथा अस्पताल को सरकार द्वारा अपने हाथ में ले लिए जाने से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय से प्राप्त हुई रकम की द्योतक है।
				(आ) न्यासी प्रतिभूतियों में इस रकम का निवेश करने के बारे में आदेशों की प्रतीक्षा की जा रही है।
(इ) 1,00,000.00	1,00,000.00	(इ) अन्य अदायगियां	1,00,000.00	(इ) यह रकम समाज कल्याण विभाग से प्राप्त हुई रकम की द्योतक है जिसे 5 वर्षीय डाकघर सावधि जमा में निवेश कर दिया गया है।
			1,00,000.00	

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
महाराष्ट्र					
1. भारतीय विज्ञान संस्थान (बंगलौर की सम्पत्तियां)	भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर की परिषद्	5 वर्षीय डाकघर सावधि जमा	2,150.00	2,150.00	430.00
2. भारतीय विज्ञान संस्थान बंबई कि सम्पत्तियां	भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर की परिषद्	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण 1946	10,22,800.00	12,31,600.00	61,699.00
		5½ प्रतिशत ऋण 2,000	1,40,300.00		
		5½ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1982	57,800.00		
		5 वर्षीय डाकघर सावधि जमा	10,700.00		
3. करांची के फकीरजी कोवासजी की छात्रवृत्ति निधि	कप्तान-अधीक्षक प्रशिक्षण पोत, "राजेन्द्र" न्यू फेरी ह्वार्फ से परे, बम्बई–9	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण 1946	60,000.00	60,000.00	2,772.00
4. चैटफील्ड स्मारक पुरस्कार निधि	1. प्रिंसिपल पुरुष प्रशिक्षण महाविद्यालय, पूना				
	2. प्रिंसिपल पुरुष प्रशिक्षण महाविद्यालय, धारवाड़	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	200.00	200.00	12.00
	3. प्रिंसिपल पुरुष प्रशिक्षण महाविद्यालय, अहमदाबाद				

	7	8	9	10	11	
(ट)	17.00	447.00	—	—	447.00	(ट) यह रकम अध शोध की द्योतक है।
(ठ)	27.02	61,726.02	दिया गया ब्याज	61,073.14	27.02	(ठ) यह रकम अध शोध की द्योतक है। स्तम्भ 6 में दिखाई गई ब्याज की रकम में स्रोत पर काटे गये आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।
			सरकार को दी गई फीस	623.86		
				61,699.00		
		2,772.00	सरकार को दी गई फीस	36.00	2,736.00	—तदेव—
				36.00		
(ड)	32.66	44.66	सरकार को दी गई फीस	0.12	44.54	(ड) यह रकम अध शोध की द्योतक है।
				0.12		

1	2	3	4	5	6
5. गणेश बलवन्त लिमये छात्रवृत्ति निधि	शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र राज्य पूणे	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण 1946	56,000.00	56,000.00	3,360.00
6. सर विलियम मूरे स्मारक निधि	निदेशक, स्वास्थ्य सेवा महाराष्ट्र राज्य, बम्बई	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण 1946	1,100.00	1,100.00	66.00
7. बंबई प्रेसीडेंसी में मुसलमानों में शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिये काजी शाहबुद्दीन अक्षय निधि	शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र राज्य, पूणे	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण 1946	1,45,300.00		
		5½ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1981	5,100.00	1,50,400.00	9,304.48
8. अंग्रेजी में एस०एस०सी० परीक्षा संबंधी पुरस्कार निधि	शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र राज्य, पूणे	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण 1946	400.00	400.00	24.00
9. कृषि और शिक्षा संबंधी प्रयोजनों के लिए सर सेसून डेविड न्यास निधि	कृषि और सहकारिता विभाग, महाराष्ट्र सरकार, बम्बई के सचिव के मार्फत निधि का न्यासी बोर्ड	5½ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1983	7,51,100.00	7,51,100.00	86,376.48

7	8	9	10	11	
—	3,360.00	दिया गया ब्याज	3,326.40	—	
		सरकार को दी गई फीस	33.60		
			3,360.00		
—	66.00	दिया गया ब्याज	59.40	—	
		सरकार को दी गई फीस	6.60		
			66.00		
—	9,304.48	दिया गया ब्याज	9,211.44	—	
		सरकार को दी गई फीस	93.04		
			94,304.48		
(क) 3,000.00	3,024.00	दिया गया ब्याज	23.76	3,000.00	(क) यह रकम अंश शोध की द्योतक है।
		सरकार को दी गई फीस	0.24		
			24.00		
—	86,376.48	दिया गया ब्याज	85,512.72		
		सरकार को दी गई फीस	863.76		
			86,376.48		

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
10. बम्बई राज्य परिवीक्षा और अनुरक्षण संस्था निधि	अध्यक्ष, बम्बई राज्य परिवीक्षा और अनुरक्षण संस्था, बी० आई० टी० ब्लाक संख्या 33, किंग्स सर्किल मादुंगा, बम्बई-19	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	7,000.00	7,000.00	1,960.00
11. भारतीय इम्पीरियल सहायता (छात्रवृत्ति) निधि	शिक्षा-निदेशक, महाराष्ट्र राज्य, पूणे	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण 1946	25,200.00	25,200.00	1,512.00
12. सावित्री बाई कृष्णाराव उपलप छात्रवृत्ति निधि	—तदेव—	—तदेव—	12,800.00	12,800.00	768.00
13. बम्बई प्रदेश कृषि प्रदर्शनी निधि	कृषि निदेशक, महाराष्ट्र राज्य, पूणे	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण 1946	4,16,000.00		
		5½ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1979	2,000.00	4,18,000.00	25,190.00
14. डा० रामचन्द्र शिवाजी पोरेदी छात्रवृत्ति निधि	शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र राज्य, पूणे	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण 1946	11,100.00	11,100.00	666.00

7	8	9	10	11
(ण) 14,000.00	15,960.00	लिया गया ब्याज	1,940.40	14,000 (ण) यह रकम 14,000 रु० के 5½ प्रतिशत ऋण 1978 की परिशोधन प्राप्तियों को द्योतक है। पुनः निवेश के बारे में आदेशों की प्रतीक्षा है।
		सरकार को दी गई फीस	19.60	
			1,960.00	
—	1,512.00	लिया गया ब्याज	1,496.88	
		सरकार को दी गई फीस	15.12	
			1,512.00	
—	768.00	लिया गया ब्याज	760.32	
		सरकार को दी गई फीस	7.68	
			768.00	
—	25,190.00	लिया गया ब्याज	24,938.08	
		सरकार को दी गई फीस	251.92	
			25,190.00	
—	666.00	लिया गया ब्याज	659.32	
		सरकार को दी गई फीस	6.68	
			666.00	

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
15. सर कुसरो वाडियान्यास निधि	निधि के न्यासी निकाय के अध्यक्ष, द्वारा सचिव कृषि और सहकारिता विभाग, महाराष्ट्र सरकार बम्बई	6 प्रतिशत महाराष्ट्र राज्य विकास ऋण 1986	12,94,200.00	12,94,200.00	1,55,304.00
16. युद्धोपरान्त सैन्य पुनर्निर्माण निधि (राजस्थान अंश)	निधि सचिव, द्वारा महाराष्ट्र राज्य एस०एस०	5½ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1982	6,400.00		
	तथा ए० बोर्ड पूणे–1	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	1,200.00	11,100.00	1,228.00
		6 प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1984	3,500.00		
17. भारतीय वाणिज्य वाविकों के लिये युद्ध स्मारक निधि 1947	इण्डियन सेलर्स होम सोसाइटी के प्रबन्ध समिति, मस्जिद बन्दर साइडिंग रोड, बम्बई–9	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	21,32,900.00	21,32,900.00	1,27,974.00
18. होमी मेहता विजय धन्यवाद निधि (राजस्थान अंश)	निधि सचिव, द्वारा महाराष्ट्र राज्य एस० एस० तथा ए० बोर्ड पूणे–1	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	800.00	1,300.00	107.48
		5½ प्रतिशत ऋण 2003	100.00		
		6 प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1984	400.00		

	7	8	9	10		11
(त)	42.00	1,55,346.00	दिया गया ब्याज	1,53,750.96	42.00	(त) यह रकम अथ शेष की द्योतक है।
			सरकार को दी गई फीस	1,553.04		
				1,55,304.00		
(थ)	35.00	1,263.00	दिया गया ब्याज	1,215.72	35.00	(थ) यह रकम अथ शेष की द्योतक है।
			सरकार को दी गई फीस	12.28		
				1,228.00		
		1,27,974.00	दिया गया ब्याज	1,26,694.26		
			सरकार को दी गई फीस	1,279.74		
				1,27,974.00		
(द)	4.00	111.48	दिया गया ब्याज	106.40	4.00	(द) —तदैव—
			सरकार को दी गई फीस	1.08		
				107.48		

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
19. एल० बी० मंडके पुरस्कार निधि	शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र राज्य, पुणे	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण 1946	1,600.00	1,600.00	96.00
20. कुमारी मणिकबाई शिन्दे पुरस्कार निधि	शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र राज्य, पूना	3 प्रतिशत ऋण 1896-97	1,000.00	1,000.00	60.00
21. मराठा युद्ध स्मारक निधि	मराठा युद्ध स्मारक निधि के अवैतनिक सचिव, मराठा साइट इन्फैन्ट्री रेजिमेन्टल सेंटर, बेलगांव	5½ प्रतिशत ऋण 2000	9,100.00		
		3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	5,45,300.00	5,54,00 00	—
22. मेर एम०बी० जोशी श्याम निधि	प्रिंसिपल, कृषि कालेज, पुणे	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	12,800.00	13,300.00	825.48
		5½ प्रतिशत ऋण 2002	500.00		

7	8		9	10	11
रु०	रु०		रु०	रु०	
—	96 00	दिया गया ब्याज	95.04		
		सरकार को दी गई फीस	0.96	—	
			96.00		
—	60.00	दिया गया ब्याज	59.40	—	
		सरकार को दी गई फीस	0.60		
			60.00		
(ध) 3,26,225.72	3,55,967.97	दिया गया ब्याज	29,444.83	—	(ध) यह रकम 5,45,300.00 रुपए की 3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण 1946 की बिक्री प्राप्तियों की द्योतक है जिन्हें रक्षा मंत्रालय से प्राप्त हुए निर्देशों के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक बम्बई को सावधि जमा में निवेश कर दिया गया है।
		सरकार को दी गई फीस	297.42		
		(ध) अन्य अदायगियां	3,26,225.72		
			3,55,967.97		
—	825.44	दिया गया ब्याज	817.23	—	
		सरकार को दी गई फीस	8.25		
			825.48		

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
23. कुमारी क्लार्क स्मारक उपचर्या निधि	भारत की नारियों को स्त्री रोग चिकित्सा सहायता तथा शिक्षा प्रदान करने वाली राष्ट्रीय संस्था की बम्बई शाखा के अध्यक्ष द्वारा श्री आर० एन० भाव नगरी एस० बी० बिल्लीमोरिया एण्ड कम्पनी, चार्टर्ड एकाउन्टेंट, 113, महात्मा गांधी रोड, बम्बई–1	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	11,000.00	11,000.00	660.00
24. बरजोरजी मानेकजी सुतारिया पुरस्कार निधि	शिक्षा निदेशक महाराष्ट्र राज्य, पुणे	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	2,000.00	2,000.00	120.00
25. कैम्पबेल स्मारक पदक निधि	एशियाटिक सोसाइटी की बम्बई शाखा की प्रबन्ध समिति, टाउन हाल, बम्बई–1	5½ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1984	4,900.00	4,900.00	563.48

7	8	9	10	11
	रु०		रु०	रु०
—	660.00	दिया गया ब्याज	653.40	—
		सरकार को दी गई फीस	6.60	
			660.00	
—	120.00	दिया गया ब्याज	118.80	—
		सरकार को दी गई फीस	1.20	
			120.00	
—	563.48	दिया गया ब्याज	557.85	—
		सरकार को दी गई फीस	5.63	
			563.48	

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
26. सर जमशेदजी जेजी भाई पारसी हितकारी संस्था	सचिव, सर जे० जे० पी० बी० संस्था 209 डा० दादा भाई, नौरोजी रोड फोर्ट बम्बई-1	स्टेट बैंक के शेयर	1,300.00		
		3 प्रतिशत ऋण 1896-97	6,900.00		
		4 प्रतिशत ऋण 1981	500.00		
		4½ प्रतिशत ऋण 1989	500.00		
		6 प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1984	3000.00		
		5 वर्षीय डाकघर सावधि जमा	7,92,950.00		
		5½ प्रतिशत ऋण 2001	8,80,800.00		
		5½ प्रतिशत मद्रास ऋण 1979	2,500.00		
		5½ प्रतिशत मद्रास ऋण 1980	2,500.00		
		5½ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1982	11,400.00		
		5½ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1981	8,900.00		
		6 प्रतिशत महाराष्ट्र राज्य बिजली बोर्ड बाण्ड 1981	3,36,200.00		
		6 प्रतिशत बम्बई नगरपालिका के ऋण पत्र 1983	20,500.00		
		5½ प्रतिशत ऋण 1999	10,500.00		
		5½ प्रतिशत ऋण 2002	3,400.00		
		6 प्रतिशत ऋण 1998	11,300.00		
		5½ प्रतिशत ब्याज वाला ऋण 2003	15,200.00		
		5½ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1985	500.00	21,09,350.00	2,56,178.16
		6 प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1985	500.00		

7	8	9	10	11
रु०	रु०		रु०	
(क) 7,83,950.25	10,40,128.41	दिया गया ब्याज	2,53616.38	0.25 (क) यह रकम निम्नलिखित की द्योतक है :—
		सरकार को दी गई फीस	2,561.78	12,99,500 रुपये की 3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण 1946 की बिक्री प्राप्तियां 7,79,050.25
				5½ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1977 की परिशोधन प्राप्तियां 500.00
				5½ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1978 की परिशोधन प्राप्तियां 4,40,000.00
				7,83,950.25
		(ख) अन्य अदायगियां	7,83,950.00	(ख) यह रकम 5 वर्षीय डाकघर सावधि जमा निक्षेप की गई रकम की द्योतक है।
			10,40,128.16	

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
27. भारत की नारियों को स्त्री रोग चिकित्सा और सहायता तथा शिक्षा प्रदान करने की राष्ट्रीय संस्था की बम्बई शाखा	राष्ट्रीय संस्था की बम्बई शाखा के कोषाध्यक्ष द्वारा श्री आर० एन० भावनगरी, एस० बी० मिल्लीमोरिया एंड कम्पनी, 113, महात्मा गांधी रोड, बम्बई–1	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946 5½ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1981	2,18,100.00 30,000.00	2,48,.100.00	16,436.00
28. रुस्तमजी जमशेदजी अजी भाई गुजराती विद्यालय निधि	सचिव, सर जे०जे० पारसी हितकारी संस्था, 209, डा० दादाभाई नौरोजी रोड फोर्ट, बम्बई	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	72,000.00	72,000.00	4,320 00
29. भूतपूर्व सांगली राज्य द्वारा रखी गई किंग एडवर्ड स्मारक निधि	शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र राज्य, पुणे	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946 3 प्रतिशत ऋण 1896-97	49,100.00 1,200.00	50,300.00	3,018.00
तमिलनाडु					
1. लारेंस स्मारक विद्यालय (लक्लेड) निधि	सचिव, शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय, शिक्षा विभाग	—	—	—	—

7	8	9	10	11
रु०	रु०	रु०	रु०	
—	16,436.60	दिया गया ब्याज 16,271.64 सरकार को दी गई फीस 164.36 16,436.00	—	
—	4,320.00	दिया गया ब्याज 4,276.80 सरकार को दी गई फीस 43.20 4,320.00	—	
—	3,018.00	दिया गया ब्याज 2,987.82 सरकार को दी गई फीस 30.18 3,018.00	—	
(य) 13,764.20	13,764.20	अन्य अदायगियां 6,165 30 सरकार को दी गई फीस 62.00 6,227.30	7,536.90	(य) यह रकम निम्नलिखित की द्योतक है : अंश शेष 6,227.3 आयकर और अधिभार की वापसी की रकम 7,536.90 13,764.20

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
2. विक्टोरिया जयन्ती छात्र-वृत्ति अक्षय निधि, मंगलौर	एक समिति जिसके सदस्य हैं : 1. दक्षिण कनारा के जिला न्यायाधीश, (अध्यक्ष) 2. दक्षिण कनारा के जिला बोर्ड के अध्यक्ष 3. मंगलौर नगर परिषद के सभापति, और 4. दक्षिण कनारा के जिला शिक्षा अधिकारी	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण 1946	35,400.00	35,400.00	531.00
3. जोनागडला रंगैया चेट्टी कालेजिट छात्रवृत्ति निधि मदास	कालेज शिक्षा के निदेशक, मद्रास	6 प्रतिशत तमिलनाडु ऋण 1984	3,000.00		
		3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	32,400.00		
		5½ प्रतिशत मद्रास ऋण, 1980	3,200.00	41,700.00	902.24
		5½ प्रतिशत मद्रास ऋण, 1979	400.00		
		5½ प्रतिशत ऋण 2001	2,700.00		

	7	8	9		10	11
	रु०	रु०		रु०	रु०	
(र)	853.90	1,384.90	दिया गया ब्याज	600.00	778.90	(र) यह रकम निम्न-लिखित की द्योतक है :—
			सरकार को दी गई फीस	6.00		अथ शेष 818.90
				606.00		छात्रवृत्ति की रकम की वापसी 35.00
						853.90
(ल)	8,414.26	9,316.50		—	9,316.50	(ल) यह रकम निम्न-लिखित की द्योतक है :— अथ शेष आय- 8,163.16 कर और अधि- भार की वापसी की रकम 251.10
						8,414.26
						कालम 6 में दिखाई गई ब्याज की रकम में स्रोत पर काटी गई आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
4.	प्रिंग स्मारक अक्षय निधि, मद्रास	विद्यालयी शिक्षा निदेशक, मद्रास और कलक्टर, मद्रास	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	11,500.00	12,600.00	221.74
			5-3/4 प्रतिशत तमिलनाडु ऋण, 1981	1,100.00		
5.	जे० एम० बोर्न स्मारक अक्षय निधि, मद्रास	दक्षिण रेलवे के मुख्य अभियन्ता, मद्रास	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	300.00	1,600.00	63.24
			5-3/4 प्रतिशत तमिलनाडु ऋण, 1982	1,200.00		
			5-3/4 प्रतिशत तमिलनाडु ऋण, 1983	100.00		
पश्चिम बंगाल						
1.	भारतीय अकाल सहायता न्यास	प्रबन्धक बोर्ड, नई दिल्ली	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	32,78,400.00	32,78,400.00	1,96,704.00

	7	8		9	10	11
	रु०	रु०		रु०	रु०	
(ग)	2,506.77	2,728.51	..	..	2,728.51	(ग) यह रकम निम्नलिखित की द्योतक है :— अग्र शेष 2,478.77 आयकर और अधिभार की वापसी की रकम 28.00 2,506.77 कालम 6 में दी गई ब्याज की रकम में स्रोत पर काटी गई आय कर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है ।
(घ)	1,178.70	1,241.94	..	..	1,241.94	(घ) यह रकम निम्नलिखित की द्योतक है :— अग्र शेष 1,146.70 आयकर और अधिभार की वापसी की रकम 32.00 1,178.70 कालम 6 में दी गई रकम में स्रोत पर काटी गई आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है। चूंकि अक्षय निधि के प्रशासकों से क्रम-संख्या 3 से 5 तक के संबंध में कोई पत्र प्राप्त नहीं हुआ है इसलिए इन मामलों में ब्याज की रकम जमून नहीं की गई है ।
		1,96,704.00	दिया गया ब्याज	1,94,736.96	1,967.04	

1	2	3	4	5	6
2. महूदी पूर्त अक्षय निधि	मूसा बोर्ड, कलकत्ता	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	रु० 38,000.00	रु०	रु०
		5-3/4 प्रतिशत पश्चिम बंगाल ऋण, 1983	59,700.00	97,700.00	7,565.48
मध्य प्रदेश					
1. नवाब सुल्तान जहां बेगम शिक्षा अक्षय निधि, भोपाल	गवर्नर बोर्ड जिसमें निम्नलिखित सदस्य है:— (1) महामान्य सिकन्दर सौलत इफ्तिखार-उल मुल्क नवाब मुहम्मद हमीदुल्ला खां; (2) श्री महावीर प्रसाद वर्मा, भूतपूर्व न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, भोपाल; (3) श्री मुहम्मद अहमद अन्सारी, भूतपूर्व न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, भोपाल; (4) कर्नल यामीनुलमुल्क नवाबजादा रशीदु-उजफरखां बहादुर; और (5) मुतमिदुल इंशाअली कादिर, श्री सैयद माशूक अली महामान्य नवाब, भोपाल के सर्फेखास विभाग के सचिव।	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	9,24,400.00		
		5-3/4 प्रतिशत मध्य प्रदेश ऋण, 1982	4,24,500.00	13,48,900.00	40,148.74
2. सी० पी० और बरार किंग एडवर्ड स्मारक समिति निधि	सचिव, शासी निकाय किंग, एडवर्ड स्मारक समिति, नागपुर	3 प्रतिशत ऋण 1896-97	19,000.00		
		5½ प्रतिशत मध्य प्रदेश ऋण, 1983	1,85,900.00		
		3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	2,42,800.00	4,47,700.00	14,257.96

7	8	9		10	11
रु०	रु०		रु०	रु०	
..	7,565.48	दिया गया ब्याज	6,181.68	1,383.80	कालम 6 में दी गई रकम में स्रोत पर काटी गई आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है
(कक) 89.18	40,237.92	दिया गया ब्याज	29,089.00	10,766.18	(कक) यह रकम अग्र शेष की द्योतक है। कालम 6 में दिखाई गई ब्याज की रकम में स्रोत पर काटी गई आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।
		सरकार को दी गयी फीस	382.74		
			29,471.74		
2. ..	14,257.96	दिया गया ब्याज	11,304.58	2,804.36	कालम 6 में दिखाई गयी ब्याज की रकम में स्रोत पर काटी गयी आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।
		सरकार को दी गई फीस	149.02		
			11,453.60		

1	2	3	4	5		6
				रु०	रु०	रु०
3.	सी० पी० कृषि और उद्योग सुधार निधि	सचिव शासी निकाय कृषि और उद्योग नागपुर	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	1,24,000.00	1,29,900.00	3,889.62
			5-3/4 प्रतिशत मध्य प्रदेश ऋण, 1979	5,900.00		
4.	एन्सन गार्डिनर स्मारक छात्रवृत्ति निधि	नागपुर का बिशप	5½ प्रतिशत मध्य प्रदेश ऋण, 1983	3,800.00		
			3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	400.00	4,200.00	183.80
5.	सौभाग्यवती कृष्णाबाई बाल कृष्ण मूले पुरस्कार निधि	नागपुर परिमण्डल के विद्यालयों की निरीक्षिका, नागपुर	5-3/4 प्रतिशत मध्य प्रदेश ऋण, 1983	200.00	200.00	9.50
6.	राय बहादुर बन्धुजी जनार्दन चौबल पुरस्कार निधि	सचिव, विदर्भ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नागपुर	5-3/4 प्रतिशत मध्य प्रदेश ऋण, 1983	900.00	900.00	37.74
7.	रामचन्द्र ठाकुर पुरस्कार निधि	सचिव, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड मध्य प्रदेश, भोपाल	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	500.00	500.00	11.80

	7	8	9		10	11
	रु०	रु०		रु०	रु०	
3.	..	3,889.62	दिया गया ब्याज	2,009.32	1,860.00	
			सरकार को दी गई फीस	20.30		
				2,029.62		
4.	(ख) 13.17	196.97	दिया गया ब्याज	176.91	17.82	(ख) यह रकम अवशेष की द्योतक है। कालम 6 में दिखाई गई ब्याज की रकम में स्रोत पर काटी गयी आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।
			सरकार को दी गई फीस	2.24		
				179.15		
5.	(गग) 346.35	355.85	..	..	355.85	(गग) यह रकम अथ शेष की द्योतक है। कालम 6 में दिखाई गई ब्याज की रकम में स्रोत पर काटी गई आयकर और अधिभार की रकम शामिल है।
6.	(घघ) 617.93	655.67	..	..	655.67	(घघ) ——तदैव——
7.	..	11.80	दिया गया ब्याज	5.82	5.90	कालम 6 में दिखाई गई ब्याज की रकम में स्रोत पर काटी गई आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।
			सरकार को दी गई फीस	0.08		
				5.90		

1	2	3	4	5	6
				रु०	रु०
8.	आउनिंग छात्रवृत्ति और आउनिंग शिक्षक छात्रवृत्ति निधि	कलक्टर, नागपुर, शिक्षा निदेशक, मध्य प्रदेश भोपाल और विद्यालय निरीक्षक, नागपुर	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946 5-3/4 प्रतिशत मध्य प्रदेश ऋण, 1979	11,600.00 2,200.00	13,800.00	365.50
9.	हार्डिंग पदक निधि	शिक्षा निदेशक, मध्य प्रदेश, भोपाल	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	2,100.00	2,100.00	48.60
10.	मेहमू और स्पेंस रजत पदक निधि	जिला शिक्षा अधिकारी, बिलासपुर	5½ प्रतिशत मध्य प्रदेश ऋण, 1983	500.00	500.00	20.76
11.	पंडित प्रेमशंकर गंगाशंकर ठाकर छात्रवृत्ति निधि	मुख्य कार्यकारी अधिकारी जनपद, सभा, दमोह	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	7,100.00	7,100.00	164.08
12.	रेवाशंकर पंड्या हाई स्कूल छात्रवृत्ति निधि	मंडल शिक्षा अधीक्षक, जबलपुर	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	5,000.00	5,000.00	115.50

7		8	9	10	11	
	रु०	रु०		रु०	रु०	
8. (ङ)	79.44	444.94	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	228.50 3.00 231.50	213.44	(ङ) यह रकम अथशेष की द्योतक है। कालम 6 में दिखाई गयी ब्याज की रकम में स्रोत पर काटी गयी आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।
9.	..	48.60	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	23.98 0.32 24.30	24.30	कालम 6 में दिखाई गयी ब्याज की रकम में स्रोत पर काटी गयी आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।
10. (च)	95.72	116.48	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	20.48 0.28 20.76	95.70	(च) यह रकम अथशेष की द्योतक है। कालम 6 में दिखाई गयी ब्याज की रकम में स्रोत पर काटी गयी आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।
11.	..	164.08	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	80.97 1.07 82.04	82.07	कालम 6 में दिखाई गई ब्याज की रकम में स्रोत पर काटी गयी आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।
12.	..	115.50	दिया गया ब्याज सरकार को दी गयी फीस	57.00 0.75 57.75	57.75	कालम 6 में दिखाई गई ब्याज की रकम में स्रोत पर काटी गयी आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है।

1	2	3	4	5		6
13. लक्ष्मीबाई छात्रवृत्ति निधि		जिला शिक्षा अधिकारी, जबलपुर	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	रु० 2,600.00	रु० 2,600.00	रु० 60.20
14. मुडबर्न छात्रवृत्ति निधि		प्रिंसिपल, राजकुमार कालेज, रायपुर	5½ प्रतिशत मध्य प्रदेश ऋण, 1983	2,400.00		
			3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	8,300.00	10,700.00	297.80
बिहार						
1. वुडहाउस स्मारक निधि		कलक्टर, भागलपुर	5 वर्षीय डाकघर सावधि जमा	1,100.00	1,100.00	93.50
2. राजा रघुनंदन प्रसाद न्यास निधि		अवैतनिक कोषाध्यक्ष, बिहार एस० पी० सी० ए० सदाकत आश्रम, पटना	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	1,600.00	1,600.00	120.00
3. सर फखरुद्दीन स्मारक स्वर्ण पदक निधि		शिक्षा निदेशक, बिहार, पटना	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	1,100.00	1,100.00	82.50

	7	8	9		10	11
	रु०	रु०		रु०	रु०	
	..	60.20	दिया गया ब्याज	29.71	30.10	कालम 6 में दिखाई गई ब्याज की रकम में स्रोत पर काटी गयी आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है ।
			सरकार को दी गई फीस	0.39		
				30.10		
(छछ)	44.63	342.43	दिया गया ब्याज	199.27	140.53	(छछ) यह रकम अग्रशेष की द्योतक है । कालम 6 में दिखाई गई ब्याज की रकम में स्रोत पर काटी गयी आयकर और अधिभार की रकम शामिल नहीं है ।
			सरकार को दी गई फीस	2.63		
				201.90		
(जज)	1,100.00	1,193.50	दिया गया ब्याज	92.56	..	(जज) यह रकम 1,100 रुपए के रक्षा जमा पत्रों की परिशोधन प्राप्तियों की द्योतक है जिसे 5-2-1979 को 5 वर्षीय डाकघर सावधि जमा में निवेश कर दिया गया है ।
			सरकार को दी गई फीस	0.94		
			(जज) अन्य अदायगियां	1,100.00		
				1,193.50		
	..	120.00	दिया गया ब्याज	118.80	..	
			सरकार को दी गई फीस	1.20		
				120.00		
	..	82.50	दिया गया ब्याज	81.65	..	..
			सरकार को दी गई फीस	0.85		
				82.50		

1	2	3	4	5	6
उत्तर प्रदेश					
अलीगढ़					
1. तसद्दुक रसूल अरबी छात्रवृत्ति अक्षय निधि न्यास	कोषाध्यक्ष, मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	रु० 20,200.00	रु० 20,200.00	रु० ..
2. सर सैयद अहमद स्मारक न्यास निधि	रजिस्ट्रार, मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	1,16,000.00	1,16,000.00	..
3. सर विलियम मैरिस छात्रवृत्ति अक्षय निधि न्यास	कुलपति, मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	6,400.00	6,400.00	..
इलाहाबाद					
4. रीवा छात्रवृत्ति अक्षय निधि न्यास	प्रधानाचार्य, गवर्नमेंट इंटर कालेज, इलाहाबाद	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण 1946	4,100.00	4,100.00	..
5. पन्ना छात्रवृत्ति अक्षय निधि न्यास	शिक्षा निदेशक, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	5,200.00	5,200.00	..
6. विजयनगरम् छात्रवृत्ति अक्षय निधि न्यास	प्रधानाचार्य, गवर्नमेंट, इंटर कालेज, इलाहाबाद	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	14,800.00	14,800.00	..
7. विजयनगरम् छात्रवृत्ति अक्षय निधि न्यास	रजिस्ट्रार, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	26,000.00	26,000.00	..
वाराणसी					
8. साधोलाल छात्रवृत्ति अक्षय निधि न्यास	उपकुलपति, वाराणसी संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण 1946	45,000.00	45,000.00	..
9. काठियावाड़ संस्कृत छात्र वृत्ति अक्षय निधि न्यास	—तदैव—	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	9,100.00	9,100.00	..
10. रीवा छात्रवृत्ति अक्षय निधि न्यास	प्रधानाचार्य, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, वाराणसी	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	5,800.00	5,800.00	..
11. नागरी प्रचारिणी सभा अक्षय निधि न्यास	सचिव, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	1,63,100.00	1,63,100.00	..

7	8	9	10	11
रु०	रु०	रु०	रु०	
..	..	..	..	..	..
..	..	..	..	..	..
..	..	..	..	..	..
..	..	..	..	..	..
..	..	..	..	..	..
..	..	..	..	..	..
..	..	..	..	..	..
..	..	..	..	..	..
..	..	..	..	..	..
..	..	..	..	..	..
..	..	..	..	..	..

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
12. महाराज कुमार सुधांशु शेखर सिंह देव, सोनपुर संपदा के प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी उड़ीसा पदक अक्षय निधि न्यास	कुलपति, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	1,500.00	1,500.00	..
13. बस्ती की रानी भुवन राज लक्ष्मी देवी अक्षय निधि न्यास	रजिस्ट्रार, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	7,300.00	7,300.00	..
पौड़ी गढ़वाल					
14. गढ़वाल क्षेत्रीय शिक्षा न्यास निधि	सचिव, गढ़वाल क्षेत्रीय शिक्षा न्यास निधि, पौड़ी गढ़वाल	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	51,800.00	51,800.00	..
लखनऊ					
15. नगर शिक्षा अक्षय निधि न्यास, अपर इंडिया, लखनऊ	सचिव, नगर शिक्षा अक्षय निधि न्यास, अपर इंडिया, लखनऊ	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	16,600.00	36,000.00	..
		7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत पत्र (तीसरा निर्गम)	19,400.00		
16. कप्तान कु० इन्द्रजीत सिंह, एम० सी० आई० एम० एस०, स्मारक अनु संधान छात्रवृत्ति अक्षय निधि	प्रधानाचार्य, मेडिकल कालेज, लखनऊ	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	1,06,600.00	1,06,600.00	..
मिर्जापुर					
17. गिरौंडी कायस्थ पाठशाला अक्षय निधि न्यास	प्रबन्धक समिति, जिसके मिर्जापुर के कलक्टर पदेन सभापति हैं और स्व० मुन्शी विश्वेश्वरी प्रसाद प्लीडर की संपदा के निष्पादक जिसके सदस्य हैं।	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	1,600.00	9,150.00	..
		7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत पत्र (दूसरा निर्गम)	7,550.00		

7	8	9	10		11
रु०	रु०	रु०	रु०	रु०	
..	..	..	..	..	..
..	..	..	..	..	..
..	..	..	..	..	..
..	..	..	..	..	उत्तर प्रदेश में केन्द्रीय अक्षय निधियों के संबंध 17,907 रुपए की वार्षिक ब्याज की रकम खातों में नहीं दिखाया जा सका क्योंकि खातों को विभागीय तौर पर रखने की प्रणाली के अन्तर्गत स्टेट बैंक में पी० एच० खाता खोला नहीं जा सका।
..	..	..	..	..	
..	..	..	..	..	

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
पांडिचेरी					
1. भूतपूर्व सैनिकों के पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिये विशेष निधि	सचिव, राज्य और सैनिक बोर्ड	5½ प्रतिशत ब्याज वाले कृषि पुनर्वित्त बाण्ड	1,000.00	1,000.00	..
2 डाक्टर एम० के० रामनाथन स्मारक पुरस्कार निधि	प्रधानाचार्य, जवाहरलाल स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा संस्थान और अनुसंधान, पांडिचेरी	5 वर्षीय डाकघर सावधि जमा	1,000.00	1,000.00	..
3. श्रीमती सुशीला सलवाबाध जसू यादगार निधि		—तदैव—	..	..	..

7	8	9	10		11
..	..	..	..	..	
..	..	..	..	..	भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज की रकम अभी नहीं दी है और उससे इस संबंध में लिखा पढ़ी की जा रही है।
(टट) 1,000.00	1,000.00	..	..	(टट)	(टट) निधि प्राधिकारियों से निवेश के लिए जो रकम प्राप्त हुई है यह रकम उसकी द्योतक है। निवेश की कार्यवाही की जा रही है।

पंजाब

भारत और पाकिस्तान के बीच केन्द्रीय पूर्त अक्षय निधियों से संबंधित प्रतिभूतियों का विभाजन न हो सकने के कारण प्रतिभूतियों की सूची तैयार नहीं की जा सकी।

[सं० एफ० 1/1/79-टी० सी० ई०]
मंगलदास पाल,
कोषपाल, भारतीय पूर्त अक्षय निधि

OFFICE OF THE TREASURER OF CHARITABLE ENDOWMENTS FOR INDIA

New Delhi, the 11th June, 1979

S.O. 2205.—The following list of properties and of securities as on the 31st March, 1979 and abstract of accounts of interest for the year 1978-79 in respect of Cheritable Endowment (Central) held by the Treasurer of Charitable Endowments for India or his agents under the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890), are published for general Information.

Part I—List of properties other than securities

Sl. No.	Particulars of Vesting Order		Name of endowment	Administrators of Property	Property held			Remarks
	No.	Date			Description	Value	Annual Income, if known	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
						Rs.	Rs.	
INDIA								
1.	Ministry of Health Notification No. F. 14-26/61-Instt. as amended by the Ministry of Health & Family Welfare Notification No. S.22020/11/76—MC(MS).	31-8-1962 31-8-1977	Pasteur Institute of India	Administrator of the Pasteur Institute of India.	1. Anti-Rabies Research Centre Building Kasauli.	2,23,200.00	Not known	
					2. Lady Linlithgo Sanatorium Building, Kasauli.	22,18,700.00		
					3. Shelton Lodge, Kasauli.	26,000.00		

1	2	3	4	5	6	7	8	9
2.	Minist of Defence Notification No. S.R.O. 250	19th July, 1960	Farm Fund of the Kumaon Regimental Farm at Kamola and Udaipuri.	Board of Administration of the Fund.	Kamola Tehsil Kala-Dhungi District Nanital. 1. Dispensary (30ft. × 24 ft.) 2. Thimayya Lodge (30ft. × 24ft.) 3. Guest House No. 1 (30ft. × 35ft.) 4. Guest House No. 2 (28ft. × 26ft.)	Rs. 4,000.00 4,000.00 5,000.00 3,500.00	Rs. Not known	
MAHARASHTRA								
1.	G.I.H.D. Education No. 433.	27th May, 1909	The Indian Institute of Science.	The Collector of Bombay, Shri Narayan Datatraya Sirur and Shri Naval H. Tata.	"Victoria Buildings"—All that piece of freehold, situated in the Fort on the eastern side of Parsi Bazar Street, at or near the Elphinstone Circle with the messuage, tenements and buildings thereon known as "Victoria Buildings "containing by admeasurement 482-3/4 sq. yards or thereabouts.	Not known	Do.	
2 & 3.	Do.	Do.	Do.	Do.	'Albion Place and Alexandra Terrace" —All that piece of land, situated at Byculla on the eastern side of Parel Road with the messuage, tenements and buildings thereon, with their houses and stables known as"Albion Place and Alexandra Terrace" containing by admeasurement 11,104 sq. Yards of thereabouts.	Do.	Do.	
3A.	Do.	Do.	Do.	Do.	New Construction being a building now known as "Hotel Heritage" built on portion of land admeasuring 11,104 sq. yards or thereabouts situated at Byculla on the eastern side of Parel Road now known as Dr. Ambedkar Road.	19,00,000.00	1,89,120.00	
4 & 5.	Do.	Do.	Do.	Do.	"Reay House" and "Sandhurst House" —All that piece or parcel of leasehold land, situated on the Apollo Reclamation, in the Island of Bombay, containing by admeasurement 2,004-8/9 square yards with the two buildings thereon, known as "Reay House" and "Snadhurst House".	Not known	Not known	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
						Rs.	Rs.	
6 & 7.	G.I.H.D. Education No. 433.	27th May, 1909	The Indian Institute of Science.	The Collector of Bombay, Shri Narayan Dattatraya Sirur and Shri Naval H. Tata.	"Rosevelt or Ezra House"—All that piece or parcel of leasehold land, situated on the Apollo Reclamation, containing by admeasurement 533 square yards and 3/9 of another square yard, with the buildings thereon, known as the "Rosevelt House or Ezra House" and secondly all that piece of of leasehold land also situated on the Apollo Reclamation, in the Island of Bombay, containing by admeasurement 573 square yards and 3/5 of another square yard.	Not known	Not known	
8 & 9.	Do.	Do.	Do.	Do	"Sargent House" and "Jenkins House"—All that piece or parcel of land, situated on the Apollo Reclamation in the Island of Bombay containing by admeasurement 3487-2/9 square yards with the buildings thereon known as "Sargent House" and "Jenkins House".	Do.	Do.	
10.	Do.	Do.	Do.	Do.	"New Shamji Buildings" now known as "Station Terraces, Sleater Road" All that piece of land of Foras tenure admeasuring 2,290 square yards or thereabouts with the several messuages, tenements or dwelling houses, known as 'New Shamji Buildings Extension" now known as the "Station Terraces" situated on the South side of the Sleater Road, Bombay.	Do.	Do.	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
						Rs.	Rs.	
11.	G.I.H.D. Education No. 433	27th May, 1909	The Indian Institute of Science	The Collector of Bombay, Shri Narayan Dattatraya Sirur and Shri Naval H. Tata.	"Candy House"—All that piece of leasehold land, situated on the Apollo Reclamation, in the Island of Bombay, containing by ad measurement 529-6/9 square yards known as "Candy House".	Not known	Not known	
12&13.	Do.	Do.	Do.	Do.	"Land near Albion Place and Alexandra Terrace"—All that piece of land containing by admeasurement 8,570 square yards or thereabouts, registered by the Collector of Bombay with other land situated at Byculla on the eastern side of Parel Road in the City of Bombay, together with messuages, tenements and dwelling houses standing thereon known as "Land near Albion Place and Alexandra Terrace."	Do.	Do.	107-8/9 sq. yards acquired by the Land Acquisition Officer for the City of Bombay.
14.	Do.	Do.	Do.	Do.	"Land at Parel Tank Road" Firstly—All that piece of land admeasuring 67,057 square yards or thereabouts whereof 7,021 sq yards is Government Toka land and 2,189 sq yards is recently assessed Government Land and remaining is Inam land situated at Parel on the Public road leading to Parel Government Tank known as "Land at Parel Tank Road" Wageshri Hill. Secondly—All that piece of vacant Inam land admeasuring 6,005 square yards	Do.	Do.	Out of 74,686 square yards 15,575.80 square yards acquired by Government under Land Acquisition Act for the construction of the work of the Tata Hydro-Electric Power Supply Co. Ltd. in connection with its transmission lines and 37,471.52 square yards subsequently acquired in 1922 by the Land Acquisition Officer. A portion of the land at Parel Tank Road dameasuring

1	2	3	4	5	6	7	8	9
						Rs.	Rs.	
					or thereabouts situated at Parel. Thirdly—All that piece of vacant land of the Government Toka Tenure containing by admeasurement 1,058 square yards or thereabouts situated at and on the south side of Golangi Hill Road at Parel in the City of Bombay. Fourthly—All that piece of vacant Government Toka land containing by admeasurement 566 square yards or thereabouts situated at and on the south side of Golangi Hill Road at Parel in the City of Bombay.			2,043 88 square yards of C/S No 1/202 part and 623.33 square. yards of C.S No 203 part has been acquired by the Bombay Municipal Corporation for the purpose of construction of Water Reservoir under Section 12(2) of the Land Acquisition Act 1 of 1894.
15.	G.I.H.D. Education No. 433	27th May, 1909	The Indian Institute of Science.	The collector of Bombay, Shri Narayan Dattatraya Sirur and Shri Naval H. Tata.	All that piece of land situated on the West side of the Colaba Road at Colaba within the city and Registration Subdistrict of Bombay containing by admeasurement 2,020 sq. yards or thereabouts and bounded as follows : that is to say on or towards the North by the Property of the Trustees of Sir Currimbhoy Ebrahim Baronetcy Trust, on or towards the South by the Road of Police Chowkey, on or towards the East by Colaba Road and on or towards the West by Wodehouse Road, and which said piece of Land is registered in the books of the collector of Bombay under Rent Roll No. 8509	18,44,108.28	1,99,675.08	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
						Rs.	Rs.	
					and bears Cadestal Survey No. 48 of Colaba Division together with the buildings and erections standing thereon assessed by the Municipality of Bombay under Award Nos. 213, 214 and Street Nos. 158 and 125 of Colaba Road and Wodehouse Road and Street No. 154 of Lower Colaba Road respectively.			
16. G.R.E.D. No. 452		7th March, 1906	Sir Jamsetjee Jejeebhoy Parsee Benevolent Institution.	The Secretary, Sir Jamsetjee Jejeebhoy Parsee Benevolent Institution, Bombay	A piece of land with dwelling house and building situated at Hornby Road, Fort, Bombay, admeasuring 1,688 square yards.	Not known	Not known	
17. G.R.E.D. No. 1778		10th July, 1912	Sir Jamsetjee Jejeebhoy Parsee Benevolent Institution	The Secretary, Sir Jamsetjee Jejeebhoy Parsee Benevolent Institution, Bombay.	All that piece or parcel of freehold land with messuage, tenement or stables standing thereon situated at Gola Lane, Fort, Bombay admeasuring 173 and 62 square yards or thereabouts.	Do.	Do.	
TAMIL NADU								
1. No. 46-Education and No. 389-Education		5th April, 1904 25th June, 1904	Endowment of the Madras Military Female Orphan Asylum.	Secretary and Correspondent, St. George School and Orphanage, Madras.	Land in Madras bearing Survey No. 232 and measuring 15 cawnies 18 grounds and 1678 sq. ft. with the buildings thereon known as "Madras Military Female Orphan Asylum."	Not known	Not known	The Property is in the occupation of the St. George School and Orphanage in consideration of the maintaining and educating 30 additional girls in addition to the girls of the Asylum such as were formerly admitted to the Madras Military Female Orphan Asylum.

1	2	3	4	5	6	7	8	9
						Rs.	Rs.	
UTTAR PRADESH								
1	Government of U P Education Deptt. Notifications Nos. 602/XV-301 and 808-G/XV/619/1923	2nd April, 1918 and 29th November, 1923 respectively	Giraundi Kayastha Pathshala Endowment Trust, Mirzapur	A Committee of Management consisting of the Collector, Mirzapur as *Ex-officio* Chairman and Executors of the Estate of the late Munshi Bindeshwari Prasad, Pleader	(a) Three houses situated in Mohalla Welleslygunj, Distt. Mirzapur bounded as follows:—			
					(1) South—House of Sri Piyare Lal, North—House of Musammat Jhunna, West—Government Road, East—House of Sri Sumer Sonar	600.00	36.00	
					(2) South—House of Munshi Bindeshwari Prasad, Vakil, North—Mosque , West—House of Shri Rameshwar Teli, East—Road	600.00	36.00	
					(3) South—House of Shri Budhu, North—House of Munshi Bindeshwari Prasad Vakil, West—House of musammat Umrao, East—Road	600.00	36.00	
					(b) A grove situated in Mauza Giraundi, Tehsil Chunar, District Mirzapur	600.00	15.00	
					(c) Pathshala in Mauza Giraundi, Tehsil Chunar, District Mirzapur situated in the grove mentioned in (b) above	50.00	Not known.	

PUNJAB

Pending apportionment of properties relating to Central Charitable Endowments between India and Pakistan the list of properties could not be prepared

PART II—*List and abstract* **Account of Securities**

Case No	Name of endowment	Persons in whose behalf held	Particulars of Securities		Total of Securities	Cash Interest or dividend realised
1	2	3	4		5	6
				Rs	Rs	Rs
INDIA						
1	Khandpara State Trust Fund	Board of Trustees, Khandpara State Trust Fund	5-Year Post Office Time Deposit	30,600.00	30,600.00	3,060.00

1	2	3	4	5	6
				Rs.	Rs.
2	Armed Forces Benevolent Fund	Armed Forces Benevolent Fund General Committee	3% Conversion Loan 1946	8,00,400.00	8,00,400.00	24,012.00
3	Lady Hardinge Hospital for Women and Children, Delhi, Fund	Ministry of Health and Family Welfare	5-Year Post Office Time Deposit	4,94,300 00	4,94,300 00	73,078.27

Receipts		Cash Expenditure	Balance in cash	Remarks
Other Cash receipts	Total Cash receipts	Payments		
7	8	9	10	11
Rs.	Rs.		Rs.	
..	3,060.00	Interest remitted 3,029.40 Fee paid to Govt. 30.60 3,060.00	..	
..	24,012.00	Interest remitted 23,771.88 Fee paid to Govt. 240.12 24,012.00	..	
(a) 1,93,600.00	2,66,678.27	(b) Payment to the Pay and Accounts Officer, Ministry of Health & Family Welfare, Lady Hardinge Medical College and Hospital, New Delhi 2,65,947.48 Fee paid to Govt. 730.79 2,66,678.27	..	(a) Represents redemption proceeds of (i) Ten Year Defence Deposit Certificate 500 (ii) 7 Year National Savings Certificates (II issue) 30,000 (iii) Fixed Deposit with the Tamilnadu Industrial Investment Corp. Ltd. 1,63,100 (b) The Lady Hardinge Medical College & Hospital, New Delhi has been acquired by Government in terms of the Lady Hardinge Medical College and Hospital (Acquisition) and Miscellaneous Provisions Act, 1977. Accordingly the payments of the redemption proceeds along with interest realised on the securities of the Fund, were remitted to the Pay and Accounts Officer, Ministry of Health & Family Welfare, Lady Hardinge Medical College and Hospital, New Delhi. 1,93,600 In addition to the amount shown against (b), a sum of Rs.151.47 in respect of cheque No. 847088 issued to the Fund authorities in September 1976 but not encashed by them before the departmentalisation of accounts in the Ministry of Finance, was also paid to the above Pay and Accounts Officer during 1978-79.

1	2	3	4	5	6
4.	St. Dunstan's (India) Fund.	Board of Trustees, St. Dunstan's (India) Fund.	3% Convention Loan 1946 92,900.00 4¾% Loan 1989. 15,000.00	1,07,900.00	3,335.50
5	Thomas Reed Bell Memorial Fund.	The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun	3% Convention Loan 1946. 3,100.00	3,100.00	93.00
6.	Pasteur Institute of India.	Administrator of the Pasteur Institute of India.	3% Conversion Loan 1946 66,900.00 4% Loan 1980. 1,10,900.00 5 Year Post Office Time Deposit 30,750.00	2,08,550.00	9,518.00
7.	National Foundation for Teachers' Welfare.	General Committee, National Foundation for Teachers' Welfare.	Fixed Deposit with the T.I.I. Corpn. Ltd. 23,00,000.00 5 Year Post Office Time Deposit. 4,61,29 800.00	4,84,29,800.00	38,93,634.12
8.	Sarada Ranganathan Endowment for Library Science.	Committee of Management of the Fund.	Fixed Deposit with the Tamil Nadu Industrial Investment Corpn. Ltd. 5,00,000.00 5 Year Post Office Time Deposit. 1,00,000.00	6,00,000.00	63,000.00

7	8	9	10	11
Rs.	Rs.		Rs.	
..	3,335.50	Interest remitted 3,302.14 Fee paid to Govt. 33.36 3,335.50	..	The interest shown (under column 6) is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
..	93.00	Interest remitted 92.06 Fee paid to Govt. 0.94 93.00	..	
..	9,518.00	Interest remitted 9,422.81 Fee paid to Govt. 95.19 9,518.00	..	
(c)1,09,68,500.00	1,48,62,134 12	Interest remitted 38,54,697.78 Fee paid to Govt. 38,936.34 (c) Other payments. 1,09,68,500.00 1,48,62,134.12	..	(c) Represents 25,68,500 Redemption proceeds of 5¼% Bombay Municipal Debentures 1978 84,00,000 Amount received from the Fund authorities for investment. 1,09,68,500 (d) Represents investment made in 5-Year Post Office Time Deposit.
..	63,000.00	Interest remitted 62,370.00 Fee paid to Govt. 630.00 63,000.00	..	

1	2	3	4	5	6
				Rs.	Rs.
9.	Banubai Byramji Kanga Trainees' Welfare Fund of the Training Centre for the Adult Blind, Dehra Dun.	The Superintendent Training Centre for the Adult Blind, Dehra Dun.	Defence Deposit Certificates. 5-Year Post Office Time Deposit. 6% West Bengal State Electricty Board Bonds 1982.	100.00 49,850.00 4,400.00	54,350.00 5,269.12
10	Flag Day Fund	Managing Committee, Flag Day Fund	3% Conversion Loan 1946.	4,20,000.00	4,20,000.00 12,600.00
11.	War Bereaved and Disabled Servicemen Special Relief Fund.	Managing Committee, War Bereaved and Disabled Servicemen Special Relief Fund.	5-Year Post Office Time Deposit	2,00,00,000.00	2,00,00,000.00 22,50,769.17

7	8	9	10		11
Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	Rs
(e) 10,250.00	15,519.12	Interest remitted Fee paid to Govt. (e) Other payments	5,216.43 52.69 10,250.00 15,519.12	..	(e) Represents redemption proceeds of Ten Year Defence Deposit Certificate for Rs.10,250 since reinvested in 5-Year Post Office Time Deposit.
	12,600.00	Interest remitted Fee paid to Govt.	12,474.00 126.00 12,600.00	..	The interest shown (under column 6) is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
(f) 3,00,00,000.00	3,22,50,769.17	Interest remitted Fee paid to Govt. (g) Other payments	22,28,261.47 22,507.70 3,00,00,000.00 3,22,50,769.17	..	(f) Represents 1,00,00,000 Redemption proceeds of Fixed Deposit Investment with the T. I. Corp. Ltd. 2,00,00,000 Amount received from the Fund authorities for investment 3,00,00,000 (g) Represents - 1,00,00,000 Redemption proceeds of Fixed Deposit Investment with the T.I.I Corp. Ltd. since remitted back to the Fund authorities 2,00,00,000 Investent in 5-Year Post Office Time Deposit 3,00,00,000 The interest shown (under column 6) is exclusive of income-tax and surcharge deductded at source.

1	2	3	4	5	6
				Rs.	Rs.	Rs.
12.	Lady Hardinge Hospital for Women and Children, Delhi, Fund (New endowment set up in pursuance of Section 7 of the Lady Hardinge Medical College and Hospital (Acquisition) and Miscellaneous Provisions Act, 1977)	Board of Administration, Lady Hardinge Medical College & Smt. S.K. Hospital.	..	..	..	..
13.	National Children's Fund.	Board of Trustees of the Fund	5-Year Post Office Time Deposit.	1,00,000.00	1,00,000.00	

7	8	9	10		11
Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	
(h) 1,02,667.00	1,02,667.00				(i)1,02,667.00 (h) Represents amount received from the Ministry of Health and Family Welfare in consideration for taking over the Lady Hardinge Medical College and Hospital. (i) Orders about investment of the amount in trustee securities is still awaited.
(j) 1,00,000.00	1,00,000.00				(j) Other payments 1,00,000.00
					1,00,000.00

1	2	3	4	5	6
				Rs.	Rs.	Rs.
MAHARASHTRA						
1.	Indian Institute of Science (Bangalore Properties).	The Council of the Indian Institute of Science Bangalore.	5 Year Post Office Time Deposit.	2,150.00	2,150.00	430.00
2.	Indian Institute of Science (Bombay Properties).	The Council of the Indian Institute of Sicence, Bangalore.	3% Conversion Loan 1946 5½% Loan 2000. 5¾% Maharashtra Loan 1982. 5 Year Post Office Time Deposit.	10,22,800.00 1,40,300.00 57,800.00 10,700.00	12,31,600.00	61,699.00
3.	Fakirjee Cowasjee of Karachi Scholarship Fund.	Captain Superintendent, Trainingship "Rajendra" off New Ferry Wharf, Bombay-9.	3%Conversion Loan 1946.	60,000.00	60,000.00	2,772.00

7		8	9	10		11
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	
(k)	17.00	447.00	..		447.00	(k) Represents opening balance.
(l)	27.02	61,726.02	Interest remitted	61,073.14	27.02	(l) Represents opening balance.
			Fee paid to Govt.	625.86		The interest shown (under column 6) is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
				61,699.00		
		2,772.00	Fee paid to Govt.	36.00	2,736.00	The interest shown (under colum 6) is exclusive of income-tax and Surcharge deducted at source.
				36.00		

1	2	3	4	5	6
4.	Chatfield Memorial Prize Fund.	1. Principal, Training College for Men, Poona. 2. Principal, Training College for Men, Dharwar. 3. Principal, Training College for Men, Ahmedabad.	3% Conversion Loan 1946	Rs. 200.00	Rs. 200.00	Rs. 12.00
5.	Ganesh Balwant Limaye Scholarship Fund.	Director of Education, Maharashtra State, Pune.	3% Conversion Loan 1946.	56,000.00	56,000.00	3,360.00
6.	Sir William Moore Memorial Fund.	Director of Health Services, Maharashtra, State, Bombay.	3% Conversion Loan 1946.	1,100.00	1,100.00	66.00
7.	Kazi Shahbuddin Endowment for the encouragement of Education among Mohamedans in the Bombay Presidency.	Director of Education, Maharashtra State Pune	3% Conversion Loan 1946 5¼% Maharashtra Loan 1981.	1,45,300.00 5,100.00	1,50,400.00	9,304.48
8.	Fund for Prizes in English in connection with the S.S.C. Examination.	Director of Education, Maharashtra State, Pune.	3% Conversion Loan 1946.	400.00	400.00	24.00
9.	Sir Sassoon David Trust Fund for Agriculture and Educational purposes.	Board of Trustees of the Fund C/o Secy. to Govt. of Maharashtra, Agriculture and Co-operation Deptt. Bombay.	5¾% Maharashtra Loan 1983	7,51,100.00	7,51,100.00	86,376.48

7	8	9	10	11	
(m) 32.66	44.66	Fee paid to Govt.	0.12	44.54	(m) Represents opening balance.
			0.12		
..	3,360.00	Interest remitted	3,326.40	..	
		Fee paid to Govt.	33.60		
			3,360.00		
..	66.00	Interest remitted	65.32	..	
		Fee paid to Govt.	0.68		
			66.00		
..	9,304.48	Interest remitted	9,211.44	..	
		Fee paid to Govt.	93.04		
			9,304.48		
(n)3,000.00	3,024.00	Interest remitted	23.76	3,000.00	(n) Represents opening balance.
		Fee paid to Govt.	0.24		
			24.00		
..	86,376.48	Interest remitted	85,512.72	..	
		Fee paid to Govt.	863.76		
			86,376.48		

1	2	3	4	5	6	7
				Rs.	Rs.	Rs.
10.	After-care Fund in connection with the Bombay State Probation and After-care Association.	President, Maharashtra State Probation and After-care Association, B.I.T. Block No. 33, Kings' Circle, Matunga, Bombay-19.	3% Conversion Loan 1946.	7,000.00	7,000.00	1,960.00
11.	Imperial Indian Relief (Scholarship) Fund.	Director of Education, Maharashtra State, Pune.	3% Conversion Loan 1946.	25,200.00	25,200.00	1,512.00
12.	Savitribai Krishnarao Uplap Scholarship Fund.	Do.	3% Conversion Loan 1946.	12,800.00	12,800.00	768.00
13.	Bombay Province Agricultural Show Fund.	Director of Agriculture, Maharashtra State, Pune.	3% Conversion Loan 1946.	4,16,000.00		
			5½% Maharashtra Loan 1979.	2,000.00	4,18,000.00	25,190.00
14.	Dr. Ramachandra Shivaji Poredi Scholarship Fund.	Director of Education, Maharashtra State, Pune.	3% Conversion Loan 1946.	11,100.00	11,100.00	666.00
15.	Sir Cusrow Wadia Trust Fund.	Chairman of the Governing Body of the Fund C/o Secy. to Govt. of Maharashtra, Agriculture & Co-operation Deptt. Bombay.	6% Maharashtra State Development Loan 1986.	12,94,200.00	12,94,200.00	1,55,304.00

7	8	9	10		11
Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	
(o)14,000.00	15,960.00	Interest remitted	1,940.40	14,000.00	(0) Represents redemption proceeds of 5½% Maharashtra Loan 1978 for Rs. 14,000/-. Orders for reinvestment are awaited.
		Fee paid to Govt.	19.60		
			1,960.00		
..	1,512.00	Interestmitted	1,496.88	..	
		Fee paid to Govt.	15.12		
			1,512.00		
..	768.00	Interest remitted	760.32	..	
		Fee paid to Govt.	7.68		
			768.00		
..	25,190.00	Interest remitted	24,938.08	..	
		Fee paid to Govt.	251.92		
			25,190.00		
..	666.00	Interest remitted	659.32	..	
		Fee paid to Govt.	6.68		
			666.00		
(p) 42.00	1,55,346.00	Interest remitted	1,53,750.96	42.00	(p) Represents opening balance.
		Fee paid to Govt.	1,553.04		
			1,55,304.00		

1	2	3	4	5	6	
				Rs.	Rs.	Rs.
16.	Post-War Services Reconstruction Fund (Rajasthan Share).	Secretary of the Fund C/o Maharashtra State S.S. & A. Board, Pune-1.	5¾% Maharashtra Loan 1982.	6,400.00		
			3% Conversion Loan 1946.	1,200.00	11,100.00	1,228.00
			6% Maharashtra Loan 1984.	3,500.00		
17.	War Memorial Fund for Indian Merchant Seamen 1947.	Committee of Management of the Indian Sailors' Home Society, Masjid Bunder, Siding Road, Bombay-9.	3% Conversion Loan 1946.	21,32,900.00	21,32,900.00	1,27,974.00
18.	Homi Mehta Victory Thanks giving Fund (Rajasthan Share).	Secretary of the Fund C/o Maharashtra State S.S & A. Board, Pune-1.	3% Conversion Loan 1946.	800.00	1,300.00	107.48
			5½% Loan 2003.	100.00		
			6% Maharashtra Loan 1984.	400.00		
19.	L.V. Mandke Prize Fund.	Director of Education, Maharashtra State, Pune.	3% Conversion Loan 1946.	1,600.00	1,600.00	96.00
20.	Miss Manikbai Shinde Prize Fund.	Do.	3% Loan 1896-97	1,000.00	1,000.00	60.00
21.	Maratha War Memorial Fund.	Hony. Secretary, Maratha War Memorial Fund, The Maratha Light Infantry Regimental Centre, Belgaum.	5½% Loan 2000.	9,100.00	3,35,325.72	29,742.25
			Fixed Deposit with State Bank of India, Bombay.	3,26,225.72		
22.	Sir M.V. Joshi Trust Fund.	Principal, Agricultural College, Pune.	3% Conversion Loan 1946.	12,800.00		
			5¾% Loan 2002.	500.00	13,300.00	825.48

7	8	9		10	11
Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	
(q)35.00	1,263.00	Interest remitted	1,215.72	35.00	(q) Represents opening balance.
		Fee paid to Govt.	12.28		
			1228.00		
..	1,27,974.00	Interest remitted	1,26,694.26	..	
		Fee paid to Govt.	1,297.74		
			1,27,974.00		
(r) 44.0	111.48	Interest remitted	106.40	400	(r) Represents opening balance.
		Fee paid to Govt.	1.08		
			107.48		
..	96.00	Interest remitted	95.04	..	
		Fee paid to Govt.	0.96		
			96.00		
	60.00	Interest remitted	59.40	..	
		Fee paid to Govt.	0.60		
			60.00		
(s)3,26,225 72	3,55,967.97	Interest remitted	29,444.83	..	(s) Represents sale proceeds of 3% Conversion Loan 1946 for Rs. 5,45,300/-Since invested in Fixed Deposit with State Bank of India Bombay as perdirectives received from the Ministry of Defence.
		Fee paid to Govt.	297.42		
		(s) Other payments	3,26,225.72		
			3,55,967.97		
..	825.48	Interest remitted	817.23	..	
		Fee paid to Govt.	8.25		
			825.48		

1	2	3	4	5	6	
				Rs.	Rs.	Rs.
23.	Miss Clarke Memorial Nursing Fund.	Chairman, Bombay Branch of the National Association for supplying Female Medical Aid and Instruction to the Women of India, C/o. Shri R. N. Bhavnagri, S. B. Billimoria & Co., Chartered Accountants, 113, Mahatama Gandhi Road, Bombay-1.	3% Conversion Loan 1946	11,000.00	11,000.00	660.00
24.	Barjorji Maneckji Sutaria Prize Fund.	Director of Education, Maharashtra State, Pune.	3% Conversion Loan 1946.	2,000.00	2,000.00	120.00
25.	Campbell Memorial Medal Fund.	Committee of Management of the Asiatic Society of Bombay, Town Hall, Bombay-1.	5¾% Maharashtra Loan 1984.	4,900.00	4,900.00	563.48

7	8	9	10	11
Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	
	660.00	Interest remitted 653.40 Fee paid to Govt. 6.60 660.00		
..	120.00	Interest remitted 118.80 Fee paid to Govt. 1.20 120.00	..	
..	563.48	Interest remitted 557.85 Fee paid to Govt. 5.63 563.48	..	

1	2	3	4	5	6	
				Rs.		
26.	Sir Jamsetjee Jejeebhoy Parsee Benevolent Institution.	Secretary, Sir J.J.P.B. Institution, 209 Dr. Dadabhoy Naoroji Road, Fort, Bombay.	State Bank Shares.	1,300 00		
			3% Loan 1896-97.	6,900.00		
			4% Loan 1981	500.00		
			4¾% Loan 1989.	500.00		
			6% Maharashtra Loan 1984.	3,000 00		
			5 Year Post Office Time Deposit.	7,92,950.00		
				8,80,800 00		
			5¾% Loan 2001			
			5¾% Madras Loan 1979.	2,500 00		
			5¾% Madras Loan 1980.	2,500.00		
			5¾% Maharashtra Loan 1982.	11,400.00		
			5¾% Maharashtra Loan 1981.	8,900.00		
			6% Maharashtra State Electricity Board Bonds 1981.	3,36,200.00		
			6% Bombay Municipal Debentures 1983.	20,500.00		
			5½% Loan 1999	10,500.00		
			5½% Loan 2002.	3,400.00		
			6% Loan 1998.	11,300.00		
			5¾% Loan 2003.	15,200.00		
			5¾% Maharashtra Loan 1985.	500.00		
			6% Maharashtra Loan 1985	500.00	21,09,350.00	2,56,178.16

7	8	9	10	11	
(t)7,83,950.25	10,40,128.41	Interest remitted	2,53,616.38	0.25	(t) Represents:
		Fee paid to Govt.	2,561.78		7,79,050.25 Sale proceeds of 3% Conversion Loan 1946 for Rs. 12,99,500/.
		(v) Other payments	7,83,950.00		500.00 Redemption proceeds of 5½% Maharashtra 1977.
			10,40,128.16		4,400.00 Redemption proceeds of 5½% Maharashtra Loan 1978.
					7,83,950.25
					(v) Represents investment in 5-Year Post Office Time Deposit.

1	2	3	4	5	6	
				Rs.	Rs.	Rs.
27.	Bombay Branch of the National Association for Supplying Female Medical Aid and Instruction to the women of India.	Treasurer of the Bombay Branch of the National Association C/o. Shri R. N. Bhavnagri S. B. Billimoria and Co., 113 M. G. Road, Bombay-1.	3% Conversion Loan 1946. ¾% Maharashtra Loan 1981.	2,18,100.00 30,00.00	2,48,100.00	16,436.00
28.	Rustomji Jamsetjee Jejeebhoy Gujarati School Fund.	Secretary, Sir J.J. Parsee Benevolent Institution, 209, Dr. D.N. Road, Fort, Bombay.	3% Conversion Loan 1946.	72,000.00	72,000.00	4,320.00
29.	King Edward Memorial Fund maintained by Ex-Sangli State.	Director of Education, Maharashtra State, Pune.	3% Conversion Loan 1946. 3% Loan 1896-97.	49,100.00 1,200.00	50,300.00	3,018.00
TAMIL NADU						
1.	Lawrence Memorial School (Lovedale) Fund.	Secretary, Ministry of Education and Social Welfare (Deptt. of Education).	..	..	..	

7	8	9		10	11
Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	
..	16,436.00	Interest remitted	16,271.64		
		Fee paid to Govt.	164.36		
			16,436.00		
..	4,320.00	Interest remitted	4,276.80		
		Fee paid to Govt.	43.20		
			4,320.00		
..	3,018.00	Interest remitted	2,987.82	..	
		Fee paid to Govt.	30.18		
			3,018.00		
(v)13,764.20	13,764.20	Other payments	6,165.30	7,536.90	(v) Represents:—
		Fee paid to Govt.	62.00		6,227.30 Opening balance.
			6,227.30		7,536.90 Refund of Income Tax Surcharge
					13,764.20

1	2	3	4	5		6
				Rs.	Rs.	Rs.
2.	Victoria Jubilee Scholarship Endowment Fund at Mangalore.	A Committee consisting of (1) Dt. Judge, South Kanara (2) President, District Board, S. Kanara(3) The Chairman, Municipal Council, Mangalore and (4) District Educational Officer, South Kanara with the District Judge, South Kanara as President.	3% Conversion Loan 1946.	35,400 00	35,400 00	531.00
3.	Jonnagadla Rangiah Chetty Collegiate Scholarship Endowment Fund at Madras.	The Director of Collegiate Education, Madras.	6% Tamilnadu loan 1984 3% Conversion Loan 1946 5¾% Madras Loan 1980. 5¾% Madras Loan 1979 5¾% Loan 2001	3,000.00 32,400.00 3,200.00 400.00 2,700.00	41,700.00	902.24
4.	Grigg Memorial Endowment Fund at Madras.	The Director of School Education, Madras & Collector, Madras.	3% Conversion Loan 1946 5¾% T.N. Loan 1981	11,500.00 1,100.00	12,600.00	221.74
5.	J.M. Bourne Memorial Endowment Fund at Madras.	The Chief Engineer of the Southern Railway, Madras.	3% Conversion Loan 1946 5¾% T.N. Loan 1982 5¾% T.N. Loan 1983	300.00 1,200.00 100.00	1,600.00	63.24

7	8	9	10		11
Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	
(w)853.90	1,384.90	Interest remitted Fee paid to Govt.	600.00 6.00 606.00	778.90	(w) Represents:— 818.90 Opening balance. 35.00 Refund of Scholarship Amount 853.90
(x) 8,414.26	9,316.50	..	..	9,316.50	(x) Represents— 8,163.16 Opening balance. 251.10 Refund of Income Tax and Surcharge. 8,414.26 The interest shown (under Column 6) is exclusive of Income Tax and Surcharge deducted at source.
(y) 2,506.77	2,728 51	..	..	2,728.51	(y) Represents— 2,478.77 Opening balance. 28.00 Refund of Income Tax and Surcharge. 2,506.77 The interest shown (under Column 6) is exclusive of Income Tax and Surcharge deducted at source.
(z) 1,178.70	1,241 94	—	..	1,241.94	(z) Represents— 1,146.70 Opening balance. 32.00 Refund of Income Tax and Surcharges 2,178.70 The Interest shown (under Column 6) exclusive of Income Tax and Surcharge deducted at source. As the requisitions were not received from the Administrators of the Endowment Funds at S. Nos. 3 to 5 no interest was released in those cases.

1	2	3	4	5	6
WEST BENGAL					
1. The Indian People's Famine Trust.		Board of Mangement, New Delhi.	3% Conversion Loan 1946	32,78,400.00	32,78,400.00	1,96,704.00
2. The Jewish Charitable Endowment Fund.		Mussa Board, Calcutta.	3% Conversion Loan 1946	38,000.00		
			5¾% West Bengal Loan 1983.	59,700.00	97,700.00	7,565.48

7	8	9	10		11
..	1,96,704.00	Interest remitted.	1,94,736.96	1,967.04	
..	7,565.48	Interest remitted.	6,181.68	1,383.80	The interest shown (under Column 6) is exclusive of income-tax and Surcharge deducted at Source.

1	2	3	4	5	6
MADHYA PRADESH				Rs.	Rs.	Rs.
1. Nawab Sultan Jahan Begum Education Endownment, Bhopal.		Board of Governors consisting of the following:— (1) His Highness Sikander Saulat Iftikhar-ul-Mulk Nawab Mohammad Hamidullah Khan. (2) Shri Mahabir Prasad Verma formerly Judge of the Bhopal High Court. (3) Shri Mohammed Ahmed Ansari formerly Judge of the Bhopal High Court. (4) Colonel Yameenul Mulk Nawabzada Rashiduz-Zafar Khan Bahadur, and (5) Mutamidul-Insha Aali Quadar Shri Syed Mashuq Ali, Secretary, Sarf-e-Khas of His Highness the Nawab of Bhopal.	3% Conversion Loan 1946.	9,24,400.00		
			5¾% M.P. Loan 1982	4,24, 500.00	13,48,900.00	40,148.74
2. C.P. & Berar King Edward Memorial Society Fund.		Secretary to the Governing Body of the King Edward Memorial Society, Nagpur	3% Loan 1896-97	19,000.00		
			5¾% M.P. Loan 1983	1,85,900.00		
			3% Conversion Loan 1946	2,42,800.00	4,47,700.00	14,257.96
3. C.P. Agriculture and Industries improvement Fund.		Secretary to the Governing Body of the Society of Agriculture and Industries, Nagpur.	3% Conversion Loan 1946	1,24,000.00	1,29,900.00	3,889.62
			5¾% M.P. Loan 1979	5,900.00		

7	8	9	10		11
Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	
(aa) 89.18	40,237.92	Interest remitted .	29,089.00	10,766.18	(aa) Represents Opening Balance.
		Fee paid to Govt.	382.74		The interest shown (under column 6) is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
			29,471.74		
..	14,257.96	Interest remitted.	11,304.58	2,804.36	The interest shown (under column 6) is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
		Fee paid to Govt.	149.02		
			11,453.60		
..	3,889.62	Interest remitted.	2,029.32	1,860.00	
		Fee paid to Govt.	20.30		
			2,029.62		

1	2	3	4	5		6
				Rs.	Rs.	Rs.
4.	Anson Gardiner Memorial Scholarship Fund.	Bishop of Nagpur.	5¼% M.P. Loan 1983. 3% Conversion Loan 1946	3,800.00 400.00	4,200.00	183.80
5.	Saubhagyawati Krishnabai Bal Krishna Sule Prize Fund.	Inspector of Schools, Nagpur Circle, Nagpur.	5¼% M.P. Loan 1983.	200.00	200.00	9.50
6.	R.B. Bhanduji Janardhan Chaubal Prize Fund.	Secretary, Vidarbha Board of Secondary Education, Nagpur.	5¼% M.P. Loan 1983	900.00	900.00	37.74
7.	Ram Chandra Thakur Prize Fund.	Secretary, Board of Secondary Education, M.P. Bhopal.	3% Conversion Loan 1946	500.00	500.00	11.80
8.	Browning Scholarship and Browning Teachers' Scholarship Fund.	Collector, Nagpur, Director of Public Instructions, M.P. Bhopal & Inspector of Schools, Nagpur.	3% Conversion Loan 1946 5¼% M.P. Loan 1979	11,600.00 2,200.00	13,800.00	365.50
9.	Hardinge Medal Fund.	Director of Public Instructions, M.P. Bhopal.	3% Conversion Loan 1946	2,100.00	2,100.00	48.60
10.	Meyhew and Spence Silver Medal Fund.	District Eucational Officer, Bilaspur.	5¼% M.P. Loan 1983	500.00	500.00	20.76
11.	Pandit Prem Shankar Ganga Shankar Thaker Scholarship Fund.	Chief Executive Officer, Janapada Sabha, Damoh.	3% Conversion Loan 1946	7,100.00	7,100.00	164.08
12.	Rewa Shankar Pandya High School Scholarship Fund.	Divisional Superintendent of Education, Jabalpur.	3% Conversion Loan 1946	5,000.00	5,000.00	115.50

7	8	9	10	11	
Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	
(dd) 617.93	655.67	..	..	655.67	(dd) Represents opening balance. The interest shown (under column 6) is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
..	11.80	Interest remitted. Fee paid to Govt.	5.82 0.08	5.90	The interest shown (under column 6) is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
			5.90		
(ee) 79.44	444.94	Interest remitted. Fee paid to Govt.	228.50 3.00	213.44	(ee) Represents opening balance. The interest shown (under column 6) is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
			231.50		
..	48.60	Interest remitted. Fee paid to Govt.	23.98 0.32	24.30	The interest shown (under column 6) is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
			24.30		
(ff) 95.72	116.48	Interest remitted. Fee paid to Govt.	20.48 0.28	95.72	(ff) Represents opening balance. The interest shown (under column 6) is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
			20.76		
..	164.08	Interest remitted. Fee paid to Govt.	80.97 1.07	82.04	The interest shown (under Column 6) is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.
			82.04		
..	115.50	Interest remitted. Fee paid to Govt.	57.00 0.75	57.75	Do.
			57.75		
(bb) 13.17	196.97	Interest remitted. Fee paid to Govt.	176.91 2.24	17.82	(bb) Represents Opening balance. The interest shown (under Column 6) is exclusive of income-tax and Surcharge deducted at source.
			179 15		
(cc) 346.35	355.85		..	355.85	(cc) Represents Opening balance.

The interest shown (under column 6) is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source.

1	2	3	4	5	6
			Rs.	Rs.	Rs.
13. Laxmibai Scholarship Fund.		District Educational Officer, Jabalpur.	3% Conversion Loan 1946	2,600.00	2,600 00	60.20
14. Woddburn Scholarship Fund.		Principal, Rajkumar College, Raipur	5-3/4% M.P. Laon 1983	2,400.00		
			3% Conversion Loan 1946	8,300.00	10,700.00	297.80
BIHAR						
1. The Woodhouse Memorial Fund.		The Collector, Bhagalpur	5-Year Post Office Time Deposit.	1,100.00	1,100.00	93.50
2. The Raja Raghunandan Prasad Trust Fund.		The Honorary Treasuerer, Bhiar SPCA Sadaquat Ashram, Patna.	3% Conversion Loan 1946	1,600.00	1,600.00	120.00
3. The Sir Fakhruddin Memorial Gold Medal Fund.		The Director of Education Secondary Education, Bihar, Patna.	3% Conversion Loan 1946	1,100.00	1,100.00	82.50
UTTAR PRADESH						
Aligarh						
1. Tasadduque Rasul Arabic Scholarship Endowment Trust.		Treasurer, Muslim University, Aligarh.	3% Conversion Loan 1946	20,200.00	20,200.00	
2. Sir Syed Ahmed Memorial Trust Fund.		Registrar, Muslim University, Aligarh.	3% Conversion Loan 1946	1,16,000.00	1,16,000 00	
3. Sir Waliam Marris Scholarship Endowment Trust.		Vice-Chancellor, Muslim University, Aligarh.	3% Conversion Loan 1946	6,400.00	6,400.00	
Allahabad						
4. Rewa Scholarship Endowment Trust.		Principal Government Inter College, Allahabad.	3% Conversion Loan 1946	4,100.00	4,100.00	
5. Panna Scholarship Endowment Trust.		Director of Education, U.P. Allahabad.	3% Conversion Loan 1946	5,200.00	5,200.00	

7	8	9	10	11
	Rs	Rs	Rs	
..	60.20	Interest remitted 29.71 Fee paid to Govt. 0.39 30.10	30.10	Interest shown (under column 6) is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source
(gg) 44.63	342.43	Interest remitted 199.27 Fee paid to Govt. 2.63 201.90	140 .53	(gg) Represents opening balance.
(hh) 1,100.00	1,193.50	Interest remitted 92.56 Fee paid to Govt. 0.94 (m) Other payments 1,100.00 1,193.50	..	The interest shown (under Column 6) is exclusive of income-tax and surcharge deducted at source (hh) Represents redemption proceeds of Defence Deposit Certificate for Rs 1,100/ Since invested in 5-Years Post Office Time Deposit on 5-2-1979
..	120.00	Interest remitted 118.80 Fee paid to Govt. 1.20 120.00	..	
..	82.50	Interest remitted 81.65 Fee Paid to Govt. 0.85 82.50	..	
..	..	.. ..	..	
..	..	.. ..	..	
..	..	.. ..	..	
..	..	.. ..	..	
..	..	.. ..	..	

1	2	3	4	5		
				Rs.	Rs.	Rs.
6.	Vizianagram Scholarship Endowment Trust.	Principal, Government Inter College, Allahabad.	3% Conversion Loan 1946	14,800.00	14,800.00	..
7.	Vizianagram Scholarship Endowment Trust.	Registrar, Allahabad University, Allahabad.	3% Conversion Loan 1946	26,000.00	26,000.00	..
Varanasi						
8.	Sadholal Scholarship Endowment Trust.	Up-Kulpati, Varanaseya Sanskrit Vishwavidyalaya, Varanasi.	3% Conversion Loan 1946	45,000.00	45,000.00	..
9.	Kathiawad Sanskrit Scholarship Endowment Trust.	Do.	3% Conversion Loan 1946	9,100.00	9,100.00	..
10.	Rewa Scholarship Endowment Trust.	Principal Government Higher, Secnodary Schools, Varanasi.	3% Conversion Loan 1946	5,800.00	5,800.00	..
11.	Nagri Pracharni Sabha Endowment Trust.	Secretary, Nagri Pracharni Sabha, Varanasi.	3% Conversion Loan, 1946	1,63,100.00	1,63,100.00	..
12.	Maharaj Kumar Sri Sudhansu Sekhar Singh Deo heir apparent of Sonepur Estate Orissa Medal Endowment Trust.	Vice-Chancellor, Banaras Hindu University, Varanasi.	3% Conversion Loan, 1946	1,500.00	1,500.00	..
13.	Rani Bhuwan Raj Lakshmi Devi of Basti Endowment Trust.	Registrar, Banaras Hindu University, Varanasi.	3% Conversion Loan, 1946	7,300.00	7,300.00	..
Pauri Garhwal						
14.	Garhwal Kshatriya Education Trust Fund.	Secretary, Garhwal Kshatriya Education Trust Fund, Pauri Garhwal.	3% Conversion Loan, 1946	51,800.00	51,800.00	.
Lucknow						
15.	Nagar Education Endowment Trust, Upper India, Lucknow.	Secretary, Nagar Education Endowment Trust, Upper India, Lucknow.	3% Conversion Loan, 1946	16,600.00		
			7-Year National Savings Certificates (III Issue)	19,400.00	36,000.00	..
16.	Captain Kr. Indrajit Singh M.C.I.M.S. Memorial Research Scholarship Endowment Fund.	Principal, Medical College, Lucknow.	3% Conversion Loan, 1946	1,06,600.00	1,06,600.00	..

7	8	9	10	11
Rs	Rs	Rs	Rs	
..	..	..	..	..
..	..	..	..	..
..	..	..	..	..
..	..	..	..	..
..	..	..	..	..
..	..	..	..	..
..	..	..	..	..
..	..	..	..	..
..	..	..	..	..
..	..	..	..	..
..	..	..	..	..

1	2	3	4	5	6
				Rs.	Rs.
Mirzapur					
17. Giraundi Kayastha Pathshala Endowment Trust.	A Committee of Management consisting of the Collector, Mirzapur, as Ex-officio Chairman and Executors of the Estate of the late Munshi Bindeshwari Prasad Pleader.	3% Conversion Loan, 1946 7-Year National Savings Certificates (II Issue)	1,600 00 7,550.00	9,150.00	..
PONDICHERRY					
1. Special Fund for Reconstruction & Rehabilitation of Ex-Servicemen.	Secretary, Rajya Sainik, Board.	5½% Agricultural Refinance Bonds.	1,000.00	1,000.00	..
2. Dr. M.K. Ramanathan Memorial Prize Fund.	Principal, Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry.	5-Year Post Office Time Deposit.	1,000.00	1,000.00	..
3. Smt. Suseela Selvaradjalou Memorial Prize Fund.	Do.	..	..	..	..
PUNJAB					

Pending apportionment of Securities relating to Central Charitable Endowments between India and Pakistan the list of securities could not be prepared.

7	8	9	10	11
Rs	Rs		Rs	Rs	
..	..	..	..	..	Annual interest of about Rs 17,907/- in respect of Central endowments in Uttar-Pradesh could not be brought to account due to non-opening of P. L. Account with the State Bank on departmentalisation of accounts.
..	..	..	..	..	The interest is awaited from the Reserve Bank of India with whom the matter is under Correspondence.
..	..	..	..	..	
(kk) 1,000.00	1,000.00	..	..	1,000.00	(kk) Represents amount received from the Fund authorities for investment. Action for investment is in hand.

[No. F. 1/1/79 TCE]
M. D. PAL, Treasurer of Charitable Endowments for India.

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय

मद्रास, 14 जून, 1979

सीमा शुल्क

का० आ० 2206.—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के उप खण्ड (अ) खण्ड 152 के अन्तर्गत, भारत सरकार वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा) नई दिल्ली से जारी की गई सूचना संख्या 79 सीमा शुल्क VII तारीख 18 जुलाई, 1975 के अधिकारों का प्रयोग करते हुए उत्पाद शुल्क समाहर्ता, मद्रास, जो वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) से अधिसूचना संख्या 37 सीमाशुल्क दिनांक 1 फरवरी, 1963 के अनुसार केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता को कार्यालय के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत 'सीमा शुल्क समाहर्ता' भी नियुक्त है। तमिलनाडु राज्य के दक्षिण आर्काट जिले में 'नेयवेली' को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के अन्तर्गत (1962 का 52) भाण्डागार स्टेशन घोषित करते हैं।

[सी० सं० VIII/40/6/79-सीमा शुल्क नीति]
माधव वैद्या, समाहर्ता

THE MADRAS CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Madras, the 14th June, 1979

CUSTOMS

S.O. 2206.—In exercise of the powers conferred by Notification 79/Customs, VII dated 18th July, 1975 issued by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), New Delhi under clause (a) of Section 152 of the Customs Act, 1962, the Collector of Central Excise, Madras also appointed as "Collector of Customs" within the jurisdiction of the Madras Central Excise Collectorate by Government of India, Ministry of Finance, (Department of Revenue) Notification No. 37 Customs dated the 1st February, 1963 hereby declares "NEYVELI" in South Arcot District, Tamil Nadu State to be a warehousing station under Section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962).

[C. No. VIII/40/6/ CUS. Pol.]
M. G. VAIDYA, Collector

वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 6 जून, 1979

(रबड़ नियंत्रण)

का० आ० 2207.—रबड़ नियम, 1955 के नियम 3 के उप-नियम (2) के साथ पठित रबड़ अधिनियम, 1947 (1947 का 24) की धारा 4 की उप-धारा (3) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय की दिनांक 11 फरवरी, 1978 की अधिसूचना संख्या का०आ० 13(अ) में निम्नोक्त और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की सारणी में, क्रमांक (3) के सामने दूसरे स्तम्भ में दी गई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नोक्त प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

"श्री आर० पशुपति,
मुख्य वन संरक्षक (सामान्य),
तमिलनाडु सरकार,
मद्रास।"

[फाइल सं० 15(2)/77-प्लांट(बी)]
एस० महादेव अय्यर, उप-निदेशक

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(Department of Commerce)

New Delhi, the 6th June, 1979

(RUBBER CONTROL)

S.O. 2207.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (3) of section 4 of the Rubber Act, 1947 (24 of 1947), read with sub-rule (2) of rule 3 of the Rubber Rules, 1955, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce, No. S.O. 13(E), dated the 11th January, 1978, namely :—

In the Table under the said Notification, for the entry in the second column; against Serial No. (3); the following entry shall be substituted, namely :—

"Shri R. Pasupathi,
Chief Conservator of Forests
(General),
Government of Tamil Nadu,
Madras."

[File No. 15(2)/77-Plant(B)]
S. MAHADEVA IYER, Dy. Director

का० आ० 2208—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उड़ीसा सरकार विश्लेषण प्रयोगशाला, जाजपुर रोड (जिला कटक) तथा जोडा (जिला कियोनझर) को भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० 3150 दिनांक 30 सितम्बर, 1965 से उपाबद्ध अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट खनिज और अयस्क ग्रुप 2 के निरीक्षण के लिए अभिकरण के रूप में एक वर्ष की और अवधि के लिए एतद्द्वारा मान्यता देती है।

[सं० 5(4)/74-ई०आई० एण्ड ई०पी०]

S.O. 2208.—In exercise of the powers conferred by Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government hereby recognises for a further period of one year the Government of Orissa Analytical Laboratories at Jajpur Road (District : Cuttack) and Joda (District : Keonjhar) as the agency for the inspection of the Minerals and Ores—Group II, specified in Schedule II annexed to the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 3150 dated the 30th September, 1965.

[No. 5(4)/74-EI&EP]

का० आ० 2209.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उड़ीसा विश्लेषण प्रयोगशाला, जाजपुर रोड (जिला कटक) तथा जोडा (जिला कियोनझर) को भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 3152 तारीख 30 सितम्बर, 1965 से उपाबद्ध अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट खनिज और अयस्क ग्रुप 1 के निरीक्षण के लिए अभिकरण के रूप में एक और वर्ष के लिए एतद्द्वारा मान्यता देती है।

[सं० 5(4)/74-ई०आई० एण्ड ई०पी०]

S.O. 2209.—In exercise of the powers conferred by Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a further period of one year the Government of Orissa Analytical Laboratories at Jajpur Road (District : Cuttack) and Joda (District : Keonjhar), as the agency for the inspection of the Minerals and Ores—Group I, specified in Schedule II annexed to the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 3152 dated the 30th September, 1965.

[No. 5(4)/74-EI&EP]

नई दिल्ली, 23 जून, 1979

का० आ० 2210.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए रोज़िन निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1978 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम निर्यात (निरीक्षण) संशोधन नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. रोज़िन निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1978 में नियम 3 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"3. निरीक्षण का आधार :—रोज़िन का निरीक्षण यह सुनिश्चित करने के विचार से किया जाएगा कि यह, अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त तथा भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय सं० का० आ० 575 तारीख 25, फरवरी, 1978 के आदेश के अधीन प्रकाशित विनिर्देशों के अनुरूप है।

[सं० 6(17)/74 नि०नि० तथा नि०उ०]

New Delhi, the 23rd June, 1979

S.O. 2210.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) tht Central Government hercy makes the following rules to amend the Export of Rosin (Inspection) Rules, 1978 namely :—

1. (1) These Rules may be called the Export of Rosin (Inspection) Amendment Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Export of Rosin (Inspection) Rules, 1978, for rule 3, the following rule shall be substituted, namely :—

"3. Basis of inspection :—Inspection of rosin shall be carried out with a view to ensuring that the quality of the same conforms to the specifications as recognised by the Central Government under section 6 of the Act, and published with the order of

the Government of India in the Ministry of Commerce No. S. O. 575 dated the 25th February, 1978"

[No. 6(17)/74-EI&EP]

का० आ० 2211.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का०आ० 2865, तारीख, 30 सितम्बर 1978 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की प्रस्तावना में, "निम्नलिखित नियम बनाती है"; शब्दों के स्थान पर "नियंत्रक महा-लेखा परीक्षक के परामर्श से निम्नलिखित नियम बनाती है", शब्द रखे जाएंगे।

[सं० 3(56)/76 नि०नि० तथा नि०उ०]

S.O. 2211.—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce number S.O. 2865 dated the 30th September, 1978, namely :—

In the preamble to the said notification for the words—"the Central Government hereby makes the following rules", the words "the Central Government hereby makes the following rules, in consultation with Comptroller and Auditor General", shall be substituted.

[No. 3/56/76-EI&EP]

शुद्धि-पत्र

का० आ० 2212.—भारत के राजपत्र, भाग-II, खण्ड-3, उप-खण्ड (ii) तारीख 17 जून, 1978 के पृष्ठ 1615 पर प्रकाशित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं का० आ० 1737, तारीख 17 जून, 1978 में, अभिकरण कोचीन से संबंधित सारणी के स्तम्भ 2 के अन्तर्गत प्रविष्टियों में—

(i) क्रम संख्या क 6 में "चेमीन्स एक्सपोर्ट (प्रा०) लि०" के स्थान पर "चेमीन्स (रजि०)" पढ़ें।

[सं० 6(21)/76-नि०नि० तथा नि०उ०]
सी०बी० कुकरेती, संयुक्त निदेशक

CORRIGENDUM

S.O. 2212.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 1737, dated the 17th June, 1978, published at page 1617 of the Gazette of India Part II, Section 3, Sub Section (ii) dated 17th June, 1978 in the entries under column 2 of the Table relating to the Agency-Cochin.

(i) against serial number 4, for "The President or Vice-President, the Seafood Exporters' Association of India Cochin" read "The President or Vice-President, Seafood Exporters' Association of India, Cochin".

(ii) against serial number 6 "Chemmeens Exporters (P) Ltd.," read "Chemmeens (Regd)."

[No. 6(21)/76-EI&EP]
C. B. KUKREJA, Joint Director

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 11 जून, 1979

आदेश

का० आ० 2213.—/15/आई०डी०आर०ए०/79 केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का०आ० 55(अ) आई०डी०आर०ए० 79, तारीख 27 जनवरी, 1979 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

(i) "4. गुजरात सरकार का नाम निर्देशिती" प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"4. श्री अनिल सी० शाह, सदस्य
प्रबन्ध निदेशक,
गुजरात स्टेट टेक्सटाइल कारपोरेशन लिमिटेड, अहमदाबाद"।

(ii) अंतिम पैरा के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात् :—
"उपर्युक्त निकाय, अपनी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को 31 जुलाई, 1979 के पूर्व दे देगा।"

[फा० सं० 3(1)/79-सी०यू०सी०]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 11th June, 1979

ORDER

S.O. 2213/15/IDRA/79.—In exercise of the powers conferred by Section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendments in the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 55(E)/15/IDRA/79, dated the 27th January, 1979, namely :—

In the said Order —

(i) for the entry "4. Nominee of Government of Gujarat", the following shall be substituted, namely :—

"4. Shri Anil C. Shah, Member
Managing Director,
Gujarat State Textile Corporation Ltd.,
Ahmedabad".

(ii) for the last paragraph, the following paragraph shall be substituted, namely :—

"The above body shall submit its report to the Central Government before the 31st July, 1979".

[F. No. 3(1)/79-CUC]

आदेश

का० आ० 2214.—15/आई०डी०आर०ए०/79—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का०आ० 635(अ)/15/आई०डी०आर०ए०/78, तारीख 6 नवम्बर, 1978 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त आदेश में, क्रम सं० 5 के सामने निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"श्री सी०के० फड़के, निदेशक, सदस्य सचिव
वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, मुम्बई।"

उक्त आदेश में, अंतिम पैरा के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात् :—

"उपर्युक्त निकाय, अपनी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को 31 जुलाई, 1979 से पूर्व दे देगा।"

[सं० फा० 3(5)/78-सी०यू०सी०]
पी०के० अहूजा, उप सचिव

ORDER

S.O. 2214/15/IDRA/79.—In exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulaion) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendments in the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 635(E)/15/IDRA/78 dated the 6th November, 1978, namely :—

In the said order, against S. No. 5, the following shall be substituted, namely :—

"Shri C. K. Phadke, Director, Office of the Textile Commissioner, Bombay". Member Secretary

In the said Order, for the last paragraph, the following paragraph shall be substituted, namely :—

"The above body shall submit its report to the Central Government before the 31st July, 1979".

[F. No. 3(5)/78-CUC]
P. K. AHUJA, Dy. Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 4 जून, 1979

का० आ० 2215.—श्री जी०एम० देशपाण्डे ने, जिन्हें दिनांक 14-1-1978 के पूर्वाह्न से सा०आ० सं० 538 दिनांक 14-1-1978 के द्वारा सहायक भुगतान आयुक्त के पद पर नियुक्त किया गया था, 1 जून 1979 के पूर्वाह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है और वे अपने मूल कार्यालय आयकर आयुक्त, विदर्भ और मराठवाड़ा नागपुर, वापस चले गए हैं।

[फा० सं० 38014/9/78-सी०ए०]
जी०वी०जी० रामन, उप-सचिव

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 4th June, 1979

S.O. 2215.—Shri G. M. Deshpande, who was appointed as Assistant Commissioner of Payments w.e.f. the fore noon of 14-1-1978 vide S.O. No. 538 dated the 31st January, 1978 relinguished charge of the post with effect from the forenoon of the 1st June, 1979 on reversion to his parent office under the Commissioner's of Income Tax, Vidharba and Mahrathwada, Nagpur.

[File No. 38014/9/78-CA]
G. V. G. RAMAN, Dy. Secy

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 15 मई, 1979

का० आ० 2216.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सलाया पोर्ट से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन इण्डियन ऑयल कारपोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और, यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद् उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकारी अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड सलाया-मथुरा पाइपलाइन प्रोजेक्ट, (कोम्यूनिटी हाल हरीहर सोसाईटी कालवाद रोड) राजकोट को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

तालुका : पद्धारी जिला : राजकोट गुजरात : राज्य

गांव	सर्वे संख्या	क्षेत्र सीमा		
		हेक्टेयर	स्केवेयर मि०	
हडमतिया	590	0	07	40
	193	0	57	80
मोटी चनोल	47	0	01	10
	177-पी	0	07	30
	177-पी	0	21	95
	177-पी	0	27	45
	177-पी	0	06	75
बनपारी	151	0	13	25
बागी	65	0	16	20
	76-पी-1	0	18	35

[सं० 12020/9/79-प्रो०-II]

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 15th May, 1979

S.O. 2216.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the Purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority. Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyali/Mathura Pipeline Project, Community Hall, Harihar Society, Kalavad Road, Rajkot.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Taluka : Paddhari	District : Rajkot	Gujarat State		
Village	Survey Number	Extent		
		H.	A.	Sq. M
Hadmatia	590	0	07	40
	193	0	57	80

1	2	3	4	5
Motichanol	47	0	01	10
	177-P	0	07	30
	,,	0	21	95
	,,	0	27	45
	,,	0	06	75
Vanpari	151	0	13	25
Baghi	65	0	16	20
	76-P-1	0	18	35

[No.12020/9/79-Prod. II]

का० आ० 2217.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सलाया पोर्ट से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यत: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, इण्डियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड, सलाया-मथुरा पाइपलाइन प्रोजेक्ट (कोम्यूनिटी हाल, हरीहर सोसाइटी कालावाद रोड) राजकोट को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता कि उसकी सुनवाई व्यक्तिश: हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

तालुका : वधवान जिला : सुरेन्द्रनगर गुजरात : राज्य

गांव	सर्वे संख्या	क्षेत्र सीमा		
		हेक्टेयर	क्षेत्र	वर्ग०मी०
दुधराज	867	0	00	25
बकरथाली	293	0	21	75
राजपार	377	0	01	05
अनिंद्र	677	0	01	00
	700	0	00	20

[सं० 12020/6/79-प्रो०]

S.O. 2217.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyali/Mathura Pipeline Project, Community Hall, Harihar Society, Kalavad Road, Rajkot.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Taluka : Wadhwan District : Surendranagar Gujarat State

Village	Survey Number	Extent		
		H.	A.	Sq. M.
Dudhrej	867	0	00	25
Bakar Thali . . .	293	0	21	75
Rajpar	377	0	01	05
Anindra	677	0	01	00
	700	0	00	20

[No. 12020/6/79-Prod.]

का०आ० 2218.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सलाया पोर्ट से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यत: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड, सलाया-मथुरा पाइपलाइन प्रोजेक्ट (कोम्यूनिटी हाल, हरीहर सोसाइटी, कालावाद रोड) राजकोट को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिश: हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

तालुका : मूली जिला : सुरेन्द्रनगर गुजरात : राज्य

गांव	सर्वे संख्या	क्षेत्र सीमा		
		हेक्टेयर	क्षेत्र	वर्ग०मी०
मूली	832	0	03	20
गौतमगढ़	279	0	01	05
	277	0	01	01
दलवदा	554	0	00	05

[सं० 12020/6/79-प्रो०-II]

S.O. 2218.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyali/ Mathura Pipeline Project, Community Hall, Harihar Society, Kalavad Road, Rajkot.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Taluka : Muli District : Surendranagar Gujarat State

Village	Survey Number	Extent H.	A.	Sq. M.
Muli	832	0	03	20
Gautamgadh	279	0	01	05
	277	0	01	01
Danavada	554	0	00	05

[No. 12020/6/79-Prod. II]

का० आ० 2219.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सलाया पोर्ट से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड, सलाया-मथुरा पाइपलाइन प्रोजेक्ट, (कोम्यूनिटी हाल, हरीहर सोसाइटी कालावाद रोड) राजकोट को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट : यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

तालुका : मोरवी जिला : राजकोट गुजरात : राज्य

गांव	सर्वे संख्या	क्षेत्र सीमा हेक्टेयर	क्षेत्र	वर्ग मी०
	48/1	0	15	0
आमध्यपार	155	0	15	00

[सं० 12020/9/79-प्रो०]

S.O. 2219.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the Purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Patroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyali/ Mathura Pipeline Project, Community Hall, Harihar Society, Kalavad Road, Rajkot.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Taluka : Morvi District : Rajkot Gujarat State

Village	Survey Number	Extent H.	A.	Sq. M.
Anandpar	48/1	0	15	00
	155	0	15	00

[No. 12020/9/79-Prod]

का० आ० 2220.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सलाया पोर्ट से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाईन इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद् उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते की उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड, सलाया-मथुरा पाइपलाइन प्रोजेक्ट, (कोम्यूनिटी हाल हरीहर सोसाइटी, कालावाद रोड) राजकोट को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट : यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

तालुका : लखतर   जिला : सुरेन्द्रा नगर   गुजरात राज्य

ग्राम	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एरीया	स्क्वेयर मिटर
लखतर	988/4	0	11	13
नगदा कापती	54-7	0	00	30
	54-5	0	00	98
सदाद	205	0	08	09
कसारिया	282	0	08	05
ओलेक	326	0	01	01
	298	0	00	35
	352	0	01	90
ज्योतिपुरा	118/पी	0	15	00

[सं० 12020/5/79-प्रो०]

S.O. 2220.—Whereas it appears to the Central Government that it necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the Purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in execise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya- Koyali/ Mathura Pipeline Project, Community Hall, Harihar Society. Kalavad Road, Rajkot.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Taluka : Lakhtar   District : Surendranagar   Gujarat State

Village	Survey Number	Extent		
		H.	A.	Sq M.
Lakhtar	988/4	0	11	13
Nagdakatti	54/7	0	00	30
	54/5	0	00	98
Sadad.	205	0	08	09
Kesaria	282	0·	04	05
Olak	326	0	01	01
	298	0	00	35
	352	0	01	90
Jyotirura	118/P	0	15	00

[No. 12020/5/79-Prod.]

का० आ० 2221.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सलया पोर्ट से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन इण्डियन आयल कार्पोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिये ।

और यत: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अत:, अब, पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन), अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकारी अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते की उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, इण्डियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड, सलाया-मथुरा पाइपलाइन प्रोजेक्ट, कोम्यूनिटी हाल हरीहर सोसाइटी, कालावाद रोड, राजकोट को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिश: हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

तालुका. राजकोट   जिला : राजकोट   गुजरात राज्य

गाव	सर्वे० नं०	क्षेत्र सीमा		
		है० स्क्व०	ए०	स्क० मी०
गौरीदाद	512-पी०	0	30	00
खीजेदिया	78	0	11	27

[सं० 12020/10/79-प्रो०]

S.O. 2221.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the Purpose of laying such Pipelinees, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Patroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby deeclare its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyali/ Mathura Pipeline Project, Community Hall, Harihar Society Kalavad Road, Rajkot.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Taluka : Rajkot   District : Rajkot Gujarat State

Village	Survey Number	Extent		
		H.	A.	Sq. M.
Gauridad	512-P	0	30	00
Khijadia	70	0	11	27

[No. 12020/10/79-Prod.]

नई दिल्ली, 29 मई, 1979

का० आ० 2222.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सलाया पोर्ट से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन इण्डियन आयल कार्पोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब, पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकारी अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते की उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, इण्डियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड, सलाया-मथुरा पाइपलाइन प्रोजेक्ट, कम्युनिटी हाल, हरीहर सोसाईटी, कालावाद रोड, राजकोट को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

तालुका लालपुर	जिला जामनगर	गुजरात राज्य		
		विस्तार		
गांव	सर्वेनम्बर	एच	एरीया	वर्गमील
सिंगच	312-पी	0	02	00
	146	0	02	00
जानखार	174	0	35	00
	77-पी	0	24	00
	178	0	00	50

[सं० 12020/8/79-प्रो०]

New Delhi, the 29th May, 1979

S.O. 2222.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of port of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the Purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user thereln:

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyali/ Mathura Pipeline Project, Community Hall, Harihar Society Kalavad Road, Rajkot.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or bv a legal practitloner.

SCHEDULE

Taluka : Lalpar	District : Jamnagar	Gujarat State		
Village	Survey Number	Extent		
		H.	A.	Sq. M.
Singach	312-P	0	02	00
	146	0	02	00
Zankhar	174	0	35	00
	77-P	0	24	00
	178	0	00	50

[No. 12020/8/79-Prod.]

नई दिल्ली, 30 मई, 1979

का० आ० 2223.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सलाया पोर्ट से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन इण्डियन आयल कार्पोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः, अब, पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकारी अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते की उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी इण्डियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड, सलाया-मथुरा पाइपलाइन प्रोजेक्ट, कोम्यूनिटी हाल, हरीहर सोसाईटी, कालावाद रोड, राजकोट को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

तालुका—जामनगर	जिला : जामनगर	गुजरात राज्य		
		क्षेत्र सीमा		
गांव	सर्वे० सं०	हे०	ए०	स्क्व० मी०
1	2	3	4	5
सपर	29	0	09	15
	30			
	89	0	07	92
	100	0	18	36
	112	0	12	60
	111	0	07	75
	107	0	16	60
	85	0	30	10
	122	0	02	78
	123	0	11	00

अमरा	64/2	0	01	00
खलसर	65	0	20	27
	67	0	20	00
लाख वावल	241	0	44	52
नघेडी	3	0	06	00
जामनगर	1302	0	30	94
	1211	0	04	11
मोटा थवारिया	90	0	00	10
मोडा	400	0	21	50

[सं० 12020/7/79-प्रो०-II]

New Delhi, the 30th May, 1979

S.O. 2223.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the Purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyali/Mathura Pipeline Project, Community Hall Harihar Society, Kalavad Road, Rajkot.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Taluka : Jamnagar District : Jamnagar Gujarat State

Village	Survey Number	Extent H.	A.	Sq. M.
Saparx	29	0	09	15
	30			
	89	0	07	92
	108	0	18	36
	112	0	12	60
	111	0	07	75
	107	0	16	60
	85	0	30	10
	122	0	02	78
	123	0	11	00
Amra	64/2	0	01	00
Ravalsar	65	0	20	27
	67	0	20	00
Lakhabaval	241	0	44	52
Naghedi	3	0	06	00
Jamnagar	1302	0	30	94
	1211	0	04	11
Mota-Thavaria	90	0	00	10
Moda	400	0	21	50

[No. 12020/7/79-Prod.II]

का० आ० 2224.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 391 तारीख 3-2-1979 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और, आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय इंडियन आयल कारपोरेशन लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

तहसील : मथुरा जिला : मथुरा राज्य : उत्तर प्रदेश

ग्राम	खसरा नम्बर	क्षेत्रफल हेक्टर	ऐयर	वर्ग-मीटर
भैसा	446/1	0	40	47

[सं० 12020/1/79-प्रो० 'ए']

S.O. 2224.—Whereas by a notification of Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer (Department of Petroleum) S.O. 391 dated 3-2-1979 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquired the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines.

And further in exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shal instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil : Mathura District : Mathura State : Uttar Pradesh

Village	Khasra No.	Area		
		H.	A.	Sq. M.
Bhainsa	446/1	0	40	47

[No. 12020/1/79-Prod.A]

का० आ० 2225.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सलाया पोर्ट से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन इण्डियन आयल कार्पोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिये ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकारी अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते की उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, इण्डियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड सलाया-मथुरा पाइपलाइन प्रोजेक्ट कोम्यूनिटी हाल, हरीहर सोसाईटी कालवाद रोड़ राजकोट को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

तालुका : ध्रोल जिला : जामनगर गुजरात : राज्य

गांव	सर्वे संख्या	क्षेत्र सीमा		
		एच०	ए०	एसपी०
खोनगरका	166	0	00	60

[सं० 12020/7/79-प्रो०-I]

S.O. 2225.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the Purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyali/Mathura Pipeline Project, Community Hall, Harihar Society, Kalavad Road, Rajkot.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Taluka : Dhrol District : Jamnagar Gujarat State

Village	Survey Number	Extent		
		H.	A.	Sq. M.
Khengarka	160	0	00	60

[No. 12020/7/79-Prod.-I]

का० आ० 2226.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सलाया पोर्ट से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईप लाइन इंडियन आयल कारपोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिये ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदउपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, सलाया-मथुरा पाईप लाइन प्रोजेक्ट, बी-18, शिव-मार्ग, बनी पार्क जयपुर-6 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिशः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

तहसील : आबूरोड़ जिला : सिरोही राज्य : राजस्थान

ग्राम	खसरा नं०	क्षेत्रफल		
		हेक्टर	ऐयर	वर्ग मीटर
आबूरोड़	231	0	16	44
सलात	146	0	06	32

[सं० 12020/13/79-प्रो०]

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, राजस्थान स्टेट

S.O. 2226.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, objeect to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyali-Mathura Pipeline Project, B-18, Shiv Marg, Bani Park, Jaipur-6.

And every person making such an ogjection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Tehsil : Abu Road District : Sirohi State : Rajasthan

Village	Khasra No.	Area		
		H.	A.	Sq. M.
Abu Road	231	0	16	44
Khadat	146	0	06	32

[No. 12020/13/79-Prod.]

NARENDRA SINGH, Competent Authority,
Rajasthan Esate

का० आ० 2227.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सलाया पोर्ट से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईप लाइन इंडियन आयल कारपोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिये ।

और यत: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतउपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अत: अब, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते, कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, सलाया मथुरा पाईप लाइन प्राजेक्ट, बी 18, शिवमार्ग, बनीपार्क जयपुर-6 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिश: हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

तहसील : पिण्डवाड़ा जिला सिरोही राज्य : राजस्थान

ग्राम	खसरा नम्बर	क्षेत्रफल		
		हेक्टर	ऐयर	वर्गमीटर
1	2	3	4	5
भारजा	520	0	22	76
वाटेरा	55	0	11	38
	67	0	68	29
भावरी	1298	0	17	70
	1297	0	16	44
	1303	0	11	38
	1363	0	07	59
धनारी	2033	0	08	85
	2014	0	03	79
	2013	0	08	85
	2015	0	10	12
	2016	0	12	65
	2017	0	07	59
	267	0	08	85
कोवरला	596	0	01	26
	595	0	08	85
	588	0	05	06
	587	0	02	53
	585	0	05	06
	464	0	01	26
	469	0	17	70
	296	0	01	26
	294	0	08	85
रामपुरा	136	0	11	38
	135	0	05	06
वासस	82	0	17	70
बेवरली	105	0	49	32
	120	0	08	85
पिण्डवाड़ा	259	0	13	91
	130	0	07	59
	14	0	03	79

[सं० 12020/11/79-प्रो०]

S.O. 2227.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyali-Mathura Pipeline Project, B-18, Shiv Marg, Bani Park, Jaipur-6.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Tehsil : Pindwara District : Sirohi State : Rajasthan

Village	Khasra No.	Area		
		H.	A.	Sq. M.
1	2	3	4	5
Bharja	520	0	22	76
Vatera	55	0	11	38
	67	0	68	29

1	2	3	4	5
Bhawri	1298	0	17	70
	1297	0	16	44
	1303	0	11	[illegible]8
	1363	0	07	59
Dhanari	2033	0	08	85
	2014	0	03	79
	201[illegible]	0	08	85
	2015	0	10	12
	201	0	12	65
	2017	0	07	59
	267	0	08	85
Kodarla	596	0	01	26
	595	0	08	85
	588	0	05	06
	587	0	02	53
	585	0	05	06
	464	0	01	26
	469	0	17	70
	296	0	01	26
	294	0	08	85
Rampura	136	0	11	28
	135	0	05	06
Banas	82	0	17	70
Sawarli	105	0	49	32
	120	0	08	85
Pindwara	259	0	13	91
	130	0	07	59
	14	0	03	79

[No. 12020/11/79-Prod.]

नई दिल्ली, 30 मई, 1979

का० आ० 2228.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० एस० डी० डी० से जी० जी० एस० कम सी० टी० एफ सोभासण तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम , 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बदोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

कूप नं० एस० डी० डी० से जी० जी०एस० कम सी० टी० एफ सोभासण

राज्य : गुजरात जिला और तालुका: मेहसाणा

गांव	सर्वेक्षण	हेक्टेयर	एआरइ	सेन्टीयर
		क्षेत्र		
पुनासण	440	0	16	44
	83	0	07	00
	ट्रेक	0	00	60
	85	0	00	84
	132	0	03	12
	133	0	07	20
	94	0	06	00
	126	0	05	16
	368	0	05	04
	375	0	07	80
	384	0	04	32
	385	0	04	68
	388	0	03	48
	391	0	05	64
	390	0	05	76
	429	0	21	36

[सं० 12016/28/79-प्रो०]

New Delhi, the 30th May, 1979

S.O. 2228.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of [illegible] SDD to GGS Cum CTF Sobhasan in [illegible] should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority. Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

ROU From Well No. SDD to GGS-CUM-CTF Sobhasan

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Area		
		Hectare	Are.	Centiare
Punasan	440	0	16	44
	83	0	07	00
	Track	0	00	60
	85	0	00	84
	132	0	03	12
	133	0	07	20
	94	0	06	00
	126	0	05	16
	368	0	05	04

1	2	3	4	5	6
		375	0	07	80
		384	0	04	32
		385	0	04	68
		388	0	03	48
		391	0	05	64
		390	0	05	76
		429	0	21	36

[No. 12016/28/79-Prod.]

नई दिल्ली, 2 जून, 1979

का० आ० 2229.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार अधिसूचना द्वारा इण्डियन आयल कोरपोरेशन लिमिटेड के लिये गुजरात राज्य के सलाया से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक और गुजरात राज्य में विरमगाम से गुजरात शोधनशाला कोयली तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया गया है ।

और यतः इण्डियन आयल कोर्पोरेशन लिमिटेड ने उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को अनुसूची में निर्दिष्ट गांव के नाम के सामने दिखायी गयी तिथि से पर्यवसित कर दिया है ।

अब अतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली, 1963 के नियम 4 के अधीन, सक्षम प्राधिकारी उक्त तिथि को ऊपर निर्दिष्ट संक्रिया पर्यवसान के रूप में एतद्द्वारा अधिसूचित करते हैं ।

अनुसूची

व्यधन क्षेत्र सलाया से मथुरा तक पाईपलाइन संक्रिया पर्यवसान

मंत्रालय का नाम	गांव	का०आ० सं०	भारत के राज्यपत्र में प्रकाशन की तिथि	संक्रिया पर्यवसान की तिथि
पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग)	(1) जामनगर	1925	21-6-75	30-5-78
	(2) मोदा	1924	21-6-75	5-10-78

[सं० 12020/3/79 प्रोड I]

New Delhi, the 2nd June, 1979

S.O. 2229:—whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right to User in Land) Act, 1962, the Right of User has been acquired in the lands specified in the Schedule appended thereto for the Indian Oil Corporation Limited for the transport of petroleum from Salaya in Gujarat State to Mathura in Uttar Pradesh and from Viramgam to Gujarat Refinery, Koyali, in Gujarat State.

And Whereas the Indian Oil Corporation Limited has terminated the operation referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on the date shown against the nam of village in the schedule.

Now, therefore, under rule 4 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of the said operation

SCHEDULE

Termination Of Operation Of Pipeline From Salaya To Mathura

Name of Ministry	Name of village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of Termination
Petroleum, Chemicals & Fertilisers (Petroleum Department)	(1) Jamnagar	1925	21-6-75	30-5-78
	(2) Moda	1924	21-6-75	5-10-78

[No 12020/3/79 Prod. I]

का० आ० 2230.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा इण्डियन आयल कोर्पोरेशन लिमिटेड के लिये गुजरात राज्य के सलाया से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक और गुजरात राज्य में विरमगाम से गुजरात शोधनशाला कोयली तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया गया है ।

और यतः इण्डियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड ने उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को अनुसूची में निर्दिष्ट गांव के नाम के सामने दिखायी गयी तिथि से पर्यवसित कर दिया है।

अब अतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली, 1963 के नियम 4 के अधीन, सक्षम प्राधिकारी उक्त तिथि को ऊपर निर्दिष्ट संक्रिया पर्यवसान के रूप में एतद्द्वारा अधिसूचित करते हैं।

अनुसूची

व्यधन क्षेत्र सलाया से मथुरा व पाईपलाइन संक्रिया पर्यवसान

मंत्रालय का नाम	गांव	का०आ० सं०	भारत के राज्यपत्र में प्रकाशन की तिथि	संक्रिया पर्यवसान की तिथि
पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग)	(1) जालिया देवानी	964	29-3-75	5-7-78
	(2) बीरपर	1924	21-6-75	30-6-78
	(3) तामचन	,,	,,	,,
	(4) आम वन्थली	,,	,,	12-7-78
	(5) चावडा	,,	,,	,,

[सं० 12020/3/79-प्रोड-II]

S.O. 2230.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962, the Right of User has been acquired in

the lands specified in the schedule appended thereto for the Indian Oil Corporation Limited for the transport of petroleum from Salaya in Gujarat State to Mathura in Uttar Pradesh and from Viramgam to Gujarat Refinery, Koyali in Gujarat State.

And Whereas the Indian Oil Corporation Limited has terminated the operation referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on the date shown against the name of village in the schedule.

Now, therefore, under rule 4 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of the said operation.

SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from Salaya to Mathura

Name of Ministry	Name of village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination
Petroleum, Chemicals & Fertilisers (Petroleum Department	1. Jalia Devani	964	29-3-75	5-7-78
	2. Virpar	1924	21-6-75	30-6-78
	3. Tamachan	1924	21-6-75	30-6-78
	4. Jamvanthali	1924	21-6-75	12-7-78
	5. Chavda	1924	21-6-75	12-7-78

[No. 12020/3/79 Prod. II]

का० आ० 2231.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार अधिसूचना द्वारा इण्डियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड के लिये गुजरात राज्य के सलाया से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक और गुजरात राज्य में विरमगाम से गुजरात शोधनशाला कोयली तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया गया है ।

और यतः इण्डियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड ने उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को अनुसूची में निर्दिष्ट गांव के नाम के सामने दिखायी गयी तिथि से पर्यवसित कर दिया है ।

अब अतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली, 1963 के नियम 4 के अधीन, सक्षम प्राधिकारी उक्त तिथि को ऊपर निर्दिष्ट संक्रिया पर्यवसान के रूप में एतद्द्वारा अधिसूचित करते है ।

अनुसूची

व्यधन क्षेत्र सलाया से मथुरा तक पाइपलाइन संक्रिया पर्यवसान

मंत्रालय का नाम	गांव	का०आ० सं०	भारत के राज्यपत्र में प्रकाशन की तिथि	संक्रिया पर्यवसान की तिथि
पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग)	(1) थेबा	1924	21-6-75	17-5-78
	(2) मोर कन्दा	,,	,,	17-5-78
	(3) कानसू मरा	1925	,,	30-5-78
	(4) लेखाबावल	,,	,,	5-7-78
	(5) खलसर	,,	,,	28-8-78
	(6) वसाई	,,	,,	28-8-78
	(7) अमरा	,,	,,	29-6-78

[सं० 12020/3/79-प्रोड० III]

S.O. 2231.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962, the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the Indian Oil Corporation Limited for the transport of petroleum from Salaya in Gujarat State to Mathura in Uttar Pradesh and from Viramgam to Gujarat Refinery, Koyali, in Gujarat State.

And Whereas the Indian Oil Corporation Limited has terminated the operation referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on the date shown against the name of village in the schedule.

Now therefore, under rule 4 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of the said operation.

SCHEDULE

Termination of Operation of Pipeline from Salaya to Mathura

Name of Ministry	Name of village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination
Petroleum, Chemicals & Fertilisers (Petroleum Department)	(1) Theba	1924	21-6-75	17-5-78
	(2) Morkanda	1924	,,	17-5-78
	(3) Kansumra	1925	,,	30-5-78
	(4) Lakhabaval	,,	,,	5-7-78
	(5) Ravalsar	,,	,,	28-8-78
	(6) Vasai	,,	,,	28-6-78
	(7) Amra	,,	,,	29-6-78

[No. 12020/3/79-Prod. III]

का०आ० 2232.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा इण्डियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड के लिये गुजरात राज्य के सलाया से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक और गुजरात राज्य में विरमगाम से गुजरात शोधनशाला कोयली तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया गया है ।

और यतः इण्डियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड ने उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निर्दिष्ट प्रक्रिया की अनुसूची में निर्दिष्ट गांव के नाम के सामने दिखायी गयी तिथि से पर्यवसित कर दिया है ।

अब अतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली, 1963 के नियम 4 के अधीन, सक्षम प्राधिकारी उक्त तिथि को ऊपर निर्दिष्ट संक्रिया पर्यवसान के रूप में एतद्द्वारा अधिसूचित करते हैं ।

अनुसूची

व्यधन क्षेत्र सलाया से मथुरा : पाइपलाइन संक्रिया पर्यवसान

मंत्रालय का नाम	गांव	का०आ० सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	संक्रिया पर्यवसान की तिथि
पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग)	वादीनार	681	1-3-75	11-7-78

[सं० 12020/3/79-प्रोड० IV]

S.O. 2232.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962, the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the Indian Oil Corporation Limited for the transport of petroleum from Salaya in Gujarat State to Mathura in Uttar Pradesh and from Viramgam to Gujarat Refinery, Koyali, in Gujarat State.

And whereas the Indian Oil Corporation Limited terminated the operation referred to in clause(i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on the date shown against the name of village in the schedule.

Now, therefore under rule 4 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of the said operation.

SCHEDULE

Termination of Operation of Pipeline from Salaya to Mathura

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination
Petroleum, Chemicals & Fertilisers (Petroleum Department)	Vadinar	681	1-3-75	11-7-78

[No. 12020/3/79 Prod IV]

का० आ० 2233.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा इण्डियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड के लिये गुजरात राज्य के सलाया से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक और गुजरात राज्य में विरमगाम से गुजरात शोधनशाला कायली तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया गया है।

और यतः इण्डियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड ने उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (i) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को अनुसूची में निर्दिष्ट गांव के नाम के सामने दिखायी गयी तिथि से पर्यवसित कर दिया है ।

अब अतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन, सक्षम प्राधिकारी उक्त तिथि को उपर निर्दिष्ट संक्रिया पर्यवसान के रूप में एतद्द्वारा अधिसूचित करते हैं ।

अनुसूची

व्यधन क्षेत्र सलाया से मथुरा व पाइपलाईन संक्रिया पर्यवसान

मंत्रालय का नाम	गांव	का०आ० सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	संक्रिया पर्यवसान की तिथि
पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग)	(1) कटाडा	964	29-3-75	22-6-78
		4084	20-9-75	
	(2) खेनगारका	964	29-3-75	6-6-78
	(3) पीपरलोडा	,,	,,	,,
	(4) खीजादिया	,,	,,	27-6-78

[सं० 12020/3/79—प्रोड-V]

S.O. 2233.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962, the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the Indian Oil Corporation Limited for the transport of petroleum from Salaya in Gujarat State to Mathura in Uttar Pradesh and from Viramgam to Gujarat Refinery, Koyali, in Gujarat State.

And whereas the Indian Oil Corporation Limited has terminated the operation referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on the date shown against the name of village in the schedule.

Now therefore under rule 4 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of the said operation.

SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from Salaya to Mathura

Name of Ministry	Name of village	S.O.No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination
Petroleum, Chemicals & Fertilisers (Petroleum Department)	1. Katda	964	29-3-75	22-6-78
		4084	20-9-75	
	2. Khengarka	964	29-3-75	6-6-78
	3. Piparloda	964	29-3-75	6-6-78
	4. Khijadia	964	29-3-75	27-6-78

[No. 12020/3/79-Prod V]

का० आ० 2234.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का

अर्जन) अधिनियम 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा इण्डियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड के लिये गुजरात राज्य के सलाया से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक और गुजरात राज्य में विश्वामित्र से गुजरात शोधनशाला कोयली तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये उन संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया गया है ।

और अब इण्डियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड ने उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (i) में निर्दिष्ट प्रक्रिया की अनुसूची में निर्दिष्ट गांव के नाम के सामने दिखायी गयी तिथि से पर्यवसित कर दिया है ।

अब अतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन, सक्षम प्राधिकारी उक्त तिथि को ऊपर निर्दिष्ट संक्रिया पर्यवसान के रूप में एतद्द्वारा अधिसूचित करते हैं ।

अनुसूची

सलाया क्षेत्र सलाया से मथुरा पाइपलाइन संक्रिया पर्यवसान

मंत्रालय का नाम	गांव	का०आ० सं०	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि	संक्रिया पर्यवसान की तिथि
पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग)	जोगवद	961	29-3-75	14-8-78

[सं० 12020/3/79-प्रोड० VI]
एस०एम० वाई० नदीम, अवर सचिव

S.O. 2234.—whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962, the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the Indian Oil Corporation Limited for the transport of petroleum from Salaya in Gujarat State of Madhura in Uttar Pradesh and from Vinangam to Gujarat Refinery, Koyali, in Gujarat State.

And whereas the Indian Oil Corporation Limited has terminated the operation referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on the date shown against the name of village in the schedule.

Now, therefore under rule 4 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of the said operation.

SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from Salaya to Mathura

Name of Ministry	Village	S. O. No.	Date of publication the Gazette of India	Date of termination
Petroleum, Chemicals & Fertilisers (Petroleum Department)	Jogvad	961	29-3-75	14-8-78

[No. 12020/3/79- Prod- VI]
S.M.Y. NADEEM, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 जून, 1979

का०आ० 2235.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 तथा भारत सरकार पेट्रोलियम, रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय के दिनांक, 28 फरवरी, 1978 की अधिसूचना संख्या 726 का अतिक्रमण करते हुए, निम्नलिखित तालिका के कालम (2) में उल्लिखित अधिकारियों को केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा नियुक्त करती है, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी के पद के समतुल्य अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है, जो उक्त तालिका के कालम (3) में तद्नुसार सरकारी स्थान संबंधी उनके क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमाओं में उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन सम्पदा अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग तथा उन पर अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा ।

तालिका

क्रम सं०	अधिकारी का पद	सरकारी स्थान की श्रेणियां क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमाएं
1	2	3
1.	प्रबंधक, कार्मिक संपर्क, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लि० की विशाखा मार्केटिंग यूनिट, बम्बई	बम्बई स्थित हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लि० की विशाखा मार्केटिंग यूनिट के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।
2.	सहायक प्रबंधक, कार्मिक, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लि० की विशाखा शोधनशाला, विशाखापत्तनम	विशाखापत्तनम स्थित हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लि० की विशाखा शोधनशाला के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन स्थान ।

[सं० आर० 43024/2/78-एम०सी०]
प्रबीर सेन गुप्ता, उप सचिव

New Delhi, 8 June, 1979

S.O. 2235.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) No. 726 dated 28th February, 1978, the Central Government hereby appoints the Officers mentioned in Column (2) of the Table below being officers equivalent to the rank of gazetted officers of Government to be estate officers for the purpose of the said Act, who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on estate officers by or under the said Act within the local limits of their respective jurisdictions in respect of the public premises specified in the corresponding entry in Column (3) of the said Table.

TABLE

S.No.	Designation of the Officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
(1)	(2)	(3)
1.	Manager, Personnel Relations Visakh Marketing Unit, Bombay of Hindustan Petroleum Corporation Limited.	Premises under the administrative control of Visakh Marketing Unit of Hindustan Petroleum Corporation Limited at Bombay.
2.	Assistant Manager, Personnel Visakh Refinery, Visakhapatnam, of Hindustan Petroleum Corpn.Ltd.	Premises under the administrative control of Visakh Refinery of Hindustan petroleum Corporation Ltd. at Visakhapatnam.

[No. R-43024/2/78-MC]
PRABIR SENGUPTA Dy. Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 15 जून, 1979

शुद्धि पत्र

का०आ० 2236.—कार्मिक और प्रशासन सुधार विभाग ने इस मंत्रालय को सूचित किया है कि दि सैक्रेटरी आफ स्टेट सर्विस (मेडिकल अटेण्डेंट) रूल, 1938 को एक अक्तूबर, 1972 से रद्द कर दिया गया है, अतः इस मंत्रालय की तारीख 31 अक्तूबर, 1963 की अधिसूचना संख्या एफ 5(1) 2/63-अस्पताल-केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (बम्बई) नियमावली, 1963 के पैरा 2 में आए शब्दों "दि सैक्रेटरी आफ स्टेटस सर्विसेज (मेडिकल अटेण्डेंट) रूल्स, 1938" को हटा दिया गया माना जाय।

[सं० एफ० 5 (1)-2/63-एच०]

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 15th June, 1979

CORRIGENDA

S.O. 2236.—The Department of Personnel and Administrative Reforms have informed this Ministry that the Secretary of State Service (Medical Attendance) Rules, 1938, have been repealed from the 1st October, 1972, therefore, the words "the Secretary of States' Services (Medical Attendance) Rules, 1938" appearing in para 2 of this Ministry's Notification No. F. 5(I)-2/63-H dated the 31st October, 1963 Central Government Health Scheme (Bombay) Rules, 1963 may be treated as deleted.

[No. F. 5(I)-2/63-H]

का०आ० 2237.—कार्मिक और प्रशासन सुधार विभाग ने इस मंत्रालय को सूचित किया है कि दि सकेटरी आफ स्टेट सर्विस (मेडिकल अटेण्डेंट) रूल, 1938 को एक अक्तूबर, 1972 से रद्द कर दिया गया है, अतः इस मंत्रालय की तारीख 12 मार्च, 1969 की अधिसूचना संख्या एफ० 24-4-67 अस्पताल केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना इलाहाबाद नियमावली, 1969 के पैरा 2 में आए शब्दों "दि सेक्रेटरी आफ स्टेट्स सर्विसेज (मेडिकल अटेंडेंट) रूल्स, 1938" को हटा दिया गया माना जाय।

[सं० एफ० 24-4/67 अस्पताल (के०स०स्वा०यो०) (नीति)]

S.O. 2237.—The Department of Personnel and Administrative Reforms have informed this Ministry that the Secretary of State Service (Medical Attendance) Rules, 1938, have been repealed from the 1st October, 1972, therefore, the words "the Secretary of States' Services (Medical Attendance) Rules, 1938" appearing in para 2 of this Ministry's Notification No. F. 24-4/67-H dated the 12th March, 1969 Central Government Health Scheme (Allahabad) Rules, 1969 may be treated as deleted.

[No. 24-4/67-H]

का०आ० 2238:—कार्मिक और प्रशासन सुधार विभाग ने इस मंत्रालय को सूचित किया है कि दि सेक्रेटरी आफ स्टेट सर्विस (मेडिकल अटेण्डेंट) रूल, 1938 को एक अक्तूबर, 1972 से रद्द कर दिया गया है, अतः इस मंत्रालय की तारीख 14 जून, 1971 की अधिसूचना संख्या एफ० 24-12/69-अस्पताल-केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (मेरठ) नियमावली, 1971 के पैरा-2 में आए शब्दों "दि सेक्रेटरी आफ स्टेट्स सर्विसेज (मेडिकल अटेंडेंट) रूल्स, 1938" को हटा दिया गया माना जाए।

[संख्या एफ० 24-12/69-अस्पताल (के०स०स्वा०यो०)]

S.O. 2238.—The Department of Personnel and Administrative Reforms have informed this Ministry that the Secretary of State Service (Medical Attendance) Rules, 1938, have been repealed from the 1st October, 1972, therefore, the words "the Secretary of States' Services (Medical Attendance) Rules, 1938" appearing in para 2 of this Ministry's Notification No. F. 24-12/69-H dated the 14th June, 1971. Central Government Health Scheme (Meerut) Rules, 1971 may be treated as deleted.

[No. F. 24-12/69-H]

का०आ० 2239:—कार्मिक और प्रशासन सुधार विभाग ने इस मंत्रालय को सूचित किया है कि दि सेक्रेटरी आफ स्टेट सर्विस (मेडिकल अटैण्डेंट) रूल, 1938 को एक अक्तूबर, 1972 से रद्द कर दिया गया है, अतः इस मंत्रालय की तारीख 15 जुलाई, 1972 की अधिसूचना संख्या एफ० 24-5/70-अस्पताल-केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (कलकत्ता) नियमावली, 1972 के पैरा-2 में आए शब्दों "दि सेक्रेटरी आफ स्टेट्स सर्विसेज (मेडिकल अटैण्डेंट) रूल्स, 1938" को हटा दिया गया माना जाये।

[सं० एफ० 24-5/70-अस्पताल (के०स०स्वा०यो०) (नीति)]

श्रीमती आशा शर्मा, अवर सचिव

S.O. 2239.—The Department of Personnel and Administrative Reforms have informed this Ministry that the Secretary of State Service (Medical Attendance) Rules, 1938, have been repealed from the 1st October, 1972, therefore, the words "the Secretary of States' Services (Medical Attendance) Rules, 1938", appearing in para 2 of this Ministry's Notification No. F. 24-5/70-H dated the 15th July, 1972 Central Government Health Scheme (Calcutta) Rules, 1972 may be treated as deleted.

[No. F. 24-5/70-H]

MRS. ASHA SHARMA, Under Secy.

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(भारीरण विकास विभाग)

नई दिल्ली, 11 जून, 1979

का०आ० 2240:—केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कपास श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1971 में कतिपय और संशोधन करना चाहती है। जैसा कि उक्त धारा में अपेक्षित है, प्रस्तावित संशोधनों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालिस दिन के पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऊपर विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व नियमों के उक्त प्रारूप की बाबत जो भी आपत्ति या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

(1) इन नियमों का नाम कपास श्रेणीकरण और चिह्नांकन (संशोधन) नियम, 1979 है।

(2) कपास श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1971 की अनुसूची 1 में—

(1) प्रविष्टि 71 के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टियां अंतःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

"72. एस आर टी-1
73. डी एच आई-286
74. ए के एच-4
75. मैसूर विजय
76. भाग्य
77. एम सी यू-6
78. के-7
79. के-8
80. सूचिम

81. सी बी एस 156
82. एच 655
83. एच 777
84. प्रमुख
85. एस एच 131
86. लोहित
87. श्यामली"

[सं० 10-1/79-ए० एम०]

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(Department of Rural Development)

New Delhi, the 11th June, 1979

S.O. 2240.—The following draft of rules further to amend the Cotton Grading and Marking Rules, 1971, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is hereby published as required by the said section for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of forty-five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified will be considered by thee Central Government.

DRAFT RULES

(1) These rulese may be called the Cotton Grading and Marking (Amendment) Rules, 1979.

(2) In Schedule I to the Cotton Grading and Marking Rules, 1971 :—

(i) after entry 71, the following entries shall be inserted, namely :—

"72. SRT-1
73. DHY-286.
74. AKH-4
75. Mysore Vijaya
76. Bhagya
77. MCU-6
78. K-7
79. K-8
80. Suvin
81. CBS-156
82. H-655
83. H-777
84. Pramukh
85. SH-131
86. Lohit
87. Shyamlee".

[No. 10-1/79 AM]

का० आ० 2241.—केला श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1979 का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए बनाने का प्रस्ताव करती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार उन सभी व्यक्तियों की सूचना के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनका उससे प्रभावित होना संभावित है तथा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालिस दिन के पश्चात् विचार किया जावेगा ।

उक्त प्रारूप के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति से उक्त अवधि से पूर्व प्राप्त होने वाली किसी भी आक्षेप अथवा सुझाव पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा ।

केला श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1979

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रयोग—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केला श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1979 है ।

(2) ये भारत में उत्पादित केलों को लागू होंगे ।

2. परिभाषाएं :—इन नियमों में :—(1) कृषि विपणन सलाहकार से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है ।

(2) अनुसूची से इन नियमों के साथ संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है ।

3. श्रेणी नाम :—केले की क्वालिटी दर्शाने हेतु श्रेणी नाम वे होंगे जो अनुसूची 2 के स्तम्भ 1 में उल्लिखित है ।

4. क्वालिटी की परिभाषा :—विभिन्न श्रेणी-नामों द्वारा उपदर्शित क्वालिटी वह होगी जो अनुसूची 2 के स्तम्भ 2 से 4 तक में प्रत्येक श्रेणी नाम के सामने उल्लिखित की गई है ।

5. श्रेणी नाम चिह्न—श्रेणी-नाम चिह्न एक ऐसा लेबल होगा जिसमें श्रेणी-नाम विनिर्दिष्ट होगा तथा उस पर एक डिजाइन होगा जिसमें एगमार्क शब्द के साथ भारत के मान चिह्न की रेखाकृति तथा "Produce of India" और "भारतीय उत्पाद" सहित निकलते हुए सूर्य का चित्र जैसा अनुसूची में दिखाया गया है उसके अनुरूप होगा ।

6. चिह्नांकन की पद्धति:—(1) प्रत्येक आधान पर श्रेणी नाम चिह्न, कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से अच्छी तरह लगाया जाएगा तथा उसमें निम्नलिखित विशिष्टियां स्पष्टत: दर्शित की जाएगी, अर्थात् :—

(क) श्रेणी-नाम ।

(ख) किस्म या व्यापार नाम ।

(ग) शुद्ध भार ।

(घ) पैक किए जाने की तारीख ।

(ङ) प्राधिकृत पैकर का नाम और पता ।

(2) कृषि विपणन सलाहकार का पूर्व अनुमोदन से, प्राधिकृत पैकर, आधानों पर उक्त अधिकारी द्वारा अनुमोदित रीति से अपना निजी व्यापार चिह्न, चिह्नांकित कर सकेगा परन्तु यह तब जब उसका निजी व्यापार, इन नियमों के अनुसार उपदर्शित केलों के श्रेणीकरण या क्वालिटी से भिन्न श्रेणियां क्वालिटी को दर्शित न करता हो ।

7. पैक करने की पद्धति:— (i) कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित पदार्थ माप या आकृति के केवल मजबूत, स्वच्छ तथा शुष्क आधान ही पैक करने के उपयोग में लाए जाएंगे। वे जन्तु-बाधा या फफूंदी संदूषण से तथा किसी भी अवांछनीय गंध से भी मुक्त होंगे।

(ii) आधान कृषि विपणन सलाहकार द्वारा यथाविहित रीति से भली प्रकार से सीलबन्द किए जाएंगे।

(iii) प्रत्येक पैकेज में केवल एक ही श्रेणी नाम के केले पैक किए जाएंगे।

8. प्राधिकार प्रमाण-पत्र की विशेष शर्तें—

साधारण श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1937 के नियम 4 में विनिर्दिष्ट शर्तों के अतिरिक्त पैकर को कृषि विपणन सलाहकार को समाधानप्रद रूप में निम्नलिखित विशेष शर्तों का पालन करना होगा अर्थात् :—

(1) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार द्वारा इस निमित्त सम्यक्तः प्राधिकृत निरीक्षण अधिकारियों का नमूना लेने, परीक्षण करने तथा ऐसे अन्य मामलों में जो आवश्यक हो सभी सुविधाएं देगा।

अनुसूची 1

(नियम 5 देखिये)

श्रेणी नाम चिह्न के लिए डिजाइन

टिप्पणी:— निर्यात के प्रयोजनार्थ श्रेणीकृत वस्तुओं की दशा में लेबल पर तमिल तथा तेलगू शब्द नहीं दिए जाएंगे।

अनुसूची

(नियम 3 और 4 देखिए)

वाणिज्य क्षेत्र में बसराई (बोना केवेन्डिस) और हरीछाल (बड़ा केवेन्डिश या रोबस्टा) के नाम से विख्यात, केले की फली के श्रेणी नाम तथा क्वालिटी की परिभाषा

विशेष लक्षण	क्वालिटी की परिभाषा	सामान्य लक्षण

से०मी० में फल की न्यूनतम लम्बाई

श्रेणी नाम	बसराई	हरी छाल	
1	2	3	4
चुना हुआ	20	20	फली में केले—
विशेष	15	15	1. लाक्षणिक दृष्टि से समान आकार, साइज तथा रंग के होंगे जैसा कि उस प्रकार/किस्म में होता है।
			2. पूर्णतः साफ सुथरे तथा सुविकसित होंगे।
मानक	12.7	12.7	3. रोग मुक्त तथा स्वस्थ डण्ठल में लगे होंगे।
			4. निचले ग्रीवा वाले जुड़े हुए, विकृति छितरे हुए गंदे छिलकों वाले धूल भरे या दागी झुलसे हुए, सड़े हुए या रोगयुक्त नहीं होंगे। जन्तु द्वारा खाए जाने से होने वाली क्षति से मुक्त होंगे, कटे फटे नहीं होंगे, विकास से होने वाली खरोंच, तथा किसी भी अन्य मशीनगत अथवा अन्य किसी प्रकार होने वाली क्षति से रहित होंगे।
			5. निर्यात के लिए अलग से किए जाने के लिए किए गए उपयोग बैनिसाइड पेप्स जैसे रासायन की बूंदों से मुक्त होंगे।
			6. प्रत्येक फली में कोई विशेष खाली जगह नहीं होगी एवं प्रत्येक फली के साथ कम से कम 5 से० मी० तने का भाग होगा।

छूट :—

लम्बाई में छूट :—

विनिर्दिष्ट साइज से भिन्नता अनुज्ञात की जा सकती है। फल, गिनती में 5 प्रतिशत तक ऐसे हो सकते हैं जो संबंधित श्रेणी की अपेक्षाओं के अनुरूप न हों किन्तु यह आवश्यक है कि वे उससे ठीक निचली श्रेणी के अनुरूप हों।

[सं० 13-3/77—ए० एम०]

S.O. 2241.—The following draft of the Banana Grading and Marking Rules, 1979 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) is published as required by the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the draft will be taken into consideration after 45 days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the said period will be considered by the Central Government.

BANANA GRADING AND MARKING RULES, 1979

1. Short title and application.—(i) These rules may be called the Banana Grading and Marking Rules, 1979.

(ii) They shall apply to bananas produced in India.

2. Definition.—In these rules :—

(i) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India.

(ii) "Schedule" means a Schedule appended to these rules.

3. Grade designation.—Grade designations to indicate the quality of bananas shall be as set out in column 1 of Schedule II.

4. Definition of quality.—The quality indicated by the respective grade designations shall be as set out against each grade designation in columns 2 to 4 of Schedule II.

5. Grade designation mark.—The grade designation mark shall consist of a label specifying the grade designation and bearing a design (consisting of an outline map of India with the word 'AGMARK' and the figure of the rising sun with the words "produce of India" and "भारतीय उत्पाद" resembling the one as set out in Schedule-I.

6. Method of marking.—1. The grade designation mark shall be securely affixed to each container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser and shall clearly show the following particulars :—

(a) Grade designation
(b) Variety or trade name
(c) Net Weight
(d) Date of packing
(e) Name and address of authorised packer.

2. An authorised packer may after obtaining the prior approval of the Agricultural Marketing Adviser, mark his private trade mark on a container in a manner approved by the said officer, provided that the private trade mark does not represent quality or grade of bananas different from that indicated in accordance with these rules.

7. Method of packing.—(i) Only sound, clean and dry containers made of different materials and dimensions or designs as appproved by the Agricultural Marketing Adviser shall be used for packing. They shall be free from any insect infestation or fungus contamination and also free from any undesirable smell.

(ii) The containers shall be securely closed and sealed in such a manner as may be prescribed by the Agricultural Marketing Adviser.

(iii) Each package shall contain bananas of one grade designation only.

8. Special conditions of Certificate of Authorisation—In addition to the conditions specified in rule 4 of the General Grading and Marking Rules, 1937, the following special conditions shall be observed by packers to the satisfaction of the Agricultural Marketing Adviser :—

(i) An authorised packer shall provide all facilities to the Inspecting Officers duly authorised by the Agricultural Marketing Adviser in this behalf for sampling, testing and such other matters as may be necessary.

SCHEDULE II

(See rule 5)

Design for the grade designation mark.

NOTE :—The Tamil and Telugu words will not occur in the labels in case where commodities are graded for the purpose of export.

SCHEDULE II

(See rules 3 and 4)

Designations and definition of the quality of hands of banana fruits, commercially known as Basrai (Dwarf Cavendish) and Harichal (Giant Cavendish or Robusta)

Special characteristics	Definition of quality		General characteristics
	Minimum length of the fruits in cm.		
Grade designation	Basrai	Harichal	
1	2	3	4
Choice	20	20	The banana fruits in a hand shall :—
Special	15	15	1. have characteristic uniform shape, size and colour normal to the variety/type;
Standard	12.7	12.7	2. be absolutely clean and well developed;
			3. have disease free and healthy unbroken stalks;
			4. be free from weakened necks, doubles and deforms, shattered fingers, shabby-peels, direct or stain, sunburn decay and disease, free from damages caused by insect bites, cuts, growth cracks, bruises, scratches, and any other injury, mechanical or other means;
			5. be free from fallen drops of chemicals like "Vancide Peps" when applied to cut ends of stems for export purposes;
			6. be complete without any odd gaps and shall have at least 5 cm. of stem portion alongwith each hand.
Tolerances :—Tolerances for length :			To allow for variation incident to proper sizing specified, not more than 5% by count of the fruits may fail to meet the requirements of the grade but shall satisfy the requirements of the next lower grade.

[No. 13-3/77-A.M.]

का०आ० 2242.—कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिन्हांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 की अपेक्षानुसार, केसर श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1973 में संशोधन करने के लिए नियमों का एक प्रारूप भारत सरकार के कृषि और सिंचाई मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1068, तारीख 13 मार्च, 1978 के अधीन भारत के राजपत्र भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 15 अप्रैल, 1978 के पृष्ठ 1082 से 1084 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उन सभी व्यक्तियों से जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालिस दिन की अवधि की समाप्ति से पूर्व आपत्ति और सुझाव मांगे गए थे ;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 15 अप्रैल, 1978 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं,

और उक्त प्रारूप की बाबत जनता से कोई भी आपत्ति और सुझाव केन्द्रीय सरकार को प्राप्त नहीं हुए हैं,

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केसर श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1973 को संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

नियम

1. (1) इन नियमों का नाम, केसर श्रेणीकरण और चिन्हांकन (संशोधन) नियम, 1979 है ।

(2) केसर श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1973 में, विद्यमान अनुसूची 1 के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची रखी जाएगी, अर्थात् :—

"अनुसूची 1

(नियम 3 और 4 देखिए)

भारत में उत्पादित केसर के श्रेणी, नाम और क्वालिटी की परिभाषाएं

क्रम संख्या	श्रेणी नाम	विशेष लक्षण							सामान्य लक्षण
		रंग	पुष्पक्षय अन्तर्वस्तु का अधिकतम प्रतिशत	विजातीय पदार्थ का अधिकतम प्रतिशत	103 से० पर वाष्पहीन भार के आधार पर अधिकतम भार	भार के आधार पर कुल भस्म का अधिकतम प्रतिशत	भार के आधार पर हाइड्रोजन क्लोराइड अविलेय भस्म का अधिकतम प्रतिशत	भार के आधार पर जलीय निष्कर्षण का अधिकतम प्रतिशत	भार के आधार पर कुल नाइट्रोजन का अधिकतम प्रतिशत	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	विशेष	गहरा लाल	5	0.5	14	8.0*	1.5×	55.0*	2*	केसर
2.	मानक	हल्के लाल से चमकीला लाल	15	1.0	14	8.0*	1.5*	55.0*	2*	(क) वनस्पति शास्त्र में क्रोकस स्टाइवा तिग्मायस नाम से ज्ञात पूर्णतः सुखाए गए पौधे के पूरे काटे गए या टुकड़े किए वीतृकाग्र होंगे, (ख) तिक्त और हल्के तीखे स्वाद सहित, लक्षण सूचक तीक्ष्ण वासिक सूचक तीक्ष्ण, वासिक, मधुर और हल्की अयोडीन की गंध की होगी और विजातीय का गंध, विशेष रूप से फफूंदी गंध या स्वाद से मुक्त होगी, (ग) जीवित कीटों और फफूंद से रहित होंगी और ऐसे वर्धन सहित जैसा किसी विशेष मामले में आवश्यक हो बिना किसी अन्य सहायता के आंख से (असाधारण दृष्टि को, यदि आवश्यक हो, ठीक करके)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
										विखाई पड़ने वाले व्यवहारिक रूप से मृत कीटों, कीट शरीर भागों और कृन्तक प्राणियों के संसदूषण से मुक्त होगी, और
3. अविनिर्दिष्ट**			1.0							(घ) कोई विजातीय रंजक पदार्थ मिला हुआ न हो ।

परिभाषाएं : 1. पुष्प क्षय : क्रोकस स्टाइग्मा लिग्नायक पुष्प के पीले तन्तु, पराग, पुंकेशर, अंडाशय का भाग और अन्य भाग ।

2. विजातीय पदार्थ : रेत, मिट्टी, धूल, पत्ती, डंठल, भूसार और अन्य वनस्पति पदार्थ ।

नोट : *शुष्क आधार पर, अर्थात् स्तम्भ (130 से० पर वाष्पशील पदार्थ) में गणना के अनुसार नमी और वाष्पशील पदार्थ से मुक्त सल्फ्यूरिक ऐसिड डाई-पैलिल एमीन परीक्षण सकारात्मक होगा । पुष्प क्षय अंतर्वस्तु मानक विधि द्वारा अवधारित की जाएगी ।

**अविनिर्दिष्ट : अविनिर्दिष्ट श्रेणी की केसर का निर्यात क्रेता और विक्रेता के मध्य हुए करार के अनुसार एक निश्चित आदेश पर ही किया जाएगा और वह अनुसूची के क्रम 5 में उल्लिखित सीमा के भीतर होगा ।"

अनुसूची 2

(नियम 5 देखिए)

श्रेणी अभिधान चिह्न के लिए डिजाइन

टिप्पण :—निर्यात के प्रयोजनों के लिए श्रेणीकृत वस्तुओं के बारे में लेबलों में तमिल और तेलगू शब्द नहीं होंगे ।

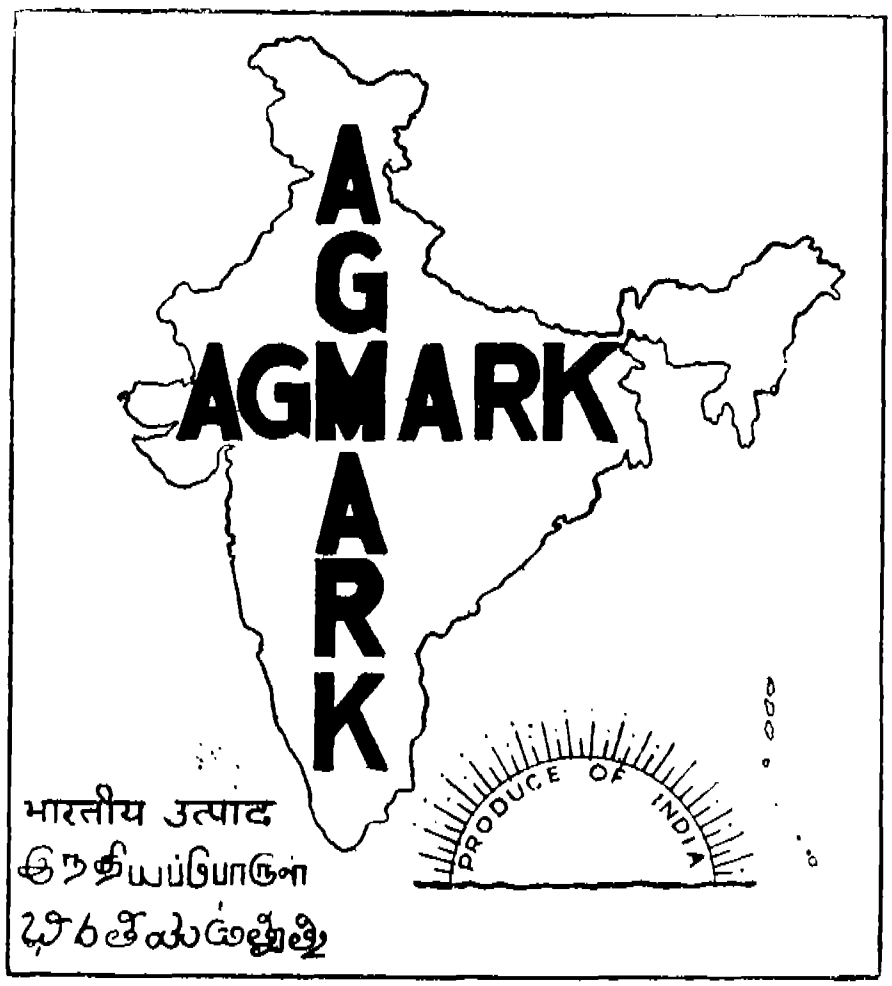

[सं० एफ० 13-5/73-ए०एम०]

S.O. 2242.—Whereas certain draft rules to amend the Saffron Grading and Marking Rules, 1973, were published, as required by Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), at pages 1082 to 1084 of Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (ii), dated the 15th April, 1978, under the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Rural Development) No. S.O. 1068, dated the 13th March 1978, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of the period of forty-five days from the date of publication of the said notification in the Official Gazette;

And whereas, the copies of the said Gazette were made available to the public on the 15 April, 1978;

And whereas, no objection and suggestion have been received from the public in respect of the said draft by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules to amend the Saffron Grading and Marking Rules, 1973, namely:—

RULES

(1) These rules may be called the Saffron Grading and Marking (Amendment) Rules, 1979.

(2) In the Saffron Grading and Marking Rules, 1973, for the existing Schedule I, the following Schedule shall be substituted, namely;—

"SCHEDULE I

(See rules 3 and 4)

Grade designations and definition of quality of Saffron produced in India

Sl. No.	Grade designation	Special characteristics							General Characteristics
		Colour	Floral waste content percent maximum	Foreign matter percent maximum	Matter volatile at 103°C % by weight maximum	Total ash % by weight maximum	Ash insoluble in HCL % by weight maximum	Aqueous extract % by weight minimum	Total Nitrogen % by weight minimum	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	Special	Deep red	5	0.5	14	8.0*	1.5*	55.0*	2*	Saffron shall—
2.	Standard	Light reddish to bright red.	15	1.0	14	8.0*	1.5*	55.0*	2*	(a) be the dried full, cut or broken stigmas of the plant botanically known as Crocus sativus Linnaeus; (b) have the characteristic strong, aromatic, pleasant and slightly iodinated smell with bitter and slightly pungent taste and be free from any foreign taste or smell specially the musty smell or taste; (c) be free from living insects and moulds and shall be free from dead insects, insect fragments and rodent contamination visible to the naked eye (corrected, if necessary for abnormal vision) with such magnification as may be necessary in any particular case; and (d) not contain any added foreign colouring matter.

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
3. Non-specified @	—	—	1.0	—	—	—	—	—	—	

DEFINITIONS : (1) Floral waste : Yellow filaments, pollen, stamens, part of ovary and other parts of the flower of Crocus sativus Linnaeous.

(2) Foreign matter : Sand, earth, dust, leaf, stem, chaff and other vegetable matter.

NOTE : *On dry basis i.e. moisture and volatile matter free basis as calculated from column 6 (matter volatile at 103° C) Sulphuric acid—Diphenylamine test shall be positive, floral, waste content shall be determined by standard method.

Non-specified @ —Saffron under non-specified grade shall be exported only against the agreement between the buyers and sellers in firm order, subject to limitations as mentioned under column 5 of the Schedule".

SCHEDULE

(See Rule 5)

Design for grade designation marks

Not :—The Tamil and Telugu words will not occur in the Cabels in case where commodities are graded for the purpose of export.

[No. F. 13-5/73-AM]

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून, 1979

का० आ० 2243:—तम्बाकू श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1937 में संशोधन करने के लिए नियमों का एक प्रारूप, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नांकन) अधिनियम 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा यथा-अपेक्षित भारत सरकार के कृषि और सिंचाई मंत्रालय (ग्राम विकास विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 708 तारीख 18 नवम्बर, 1978 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र भाग 2 खण्ड 3 उपखण्ड (II) तारीख 5 मार्च, 1977 के पृष्ठ 925 से 933 तक पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उस राजपत्र को जिसमें उक्त अधिसूचना है, प्रतियां जनता को उपलब्ध कराये जाने की तारीख से एक मास की अवधि की समाप्ति तक उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी ।

और उक्त राजपत्र 5 मार्च, 1977 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था ;

और केन्द्रीय सरकार को जनता से उक्त प्रारूप की बाबत कोई आक्षेप और सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तम्बाकू श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1937 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ: (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम तम्बाकू श्रेणीकरण और चिह्नांकन (संशोधन) नियम, 1979 है।

2 तम्बाकू श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1937 में :—

(i) प्राधिकरण प्रमाण पत्र की विशेष शर्तों के संबंध में नियम 7 में, "XVII" अंक के स्थान पर " XXXVI " अंक रखा जाएगा ।

(ii) अनुसूची VII अनुसूची XXXVI के रूप में पुनः संख्यांकित की जाएगी और इस प्रकार पुनः संख्यांकित अनुसूची से पहले निम्नलिखित अनुसूचियां अन्तः स्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

(अनुसूचियां संलग्न हैं)

"अनुसूची XVII "

आन्ध्र प्रदेश में उपजाया जाने वाला अविनिर्मित, वाह्य पश्चिमी अग्नि संसाधित तम्बाकू की श्रेणी अभिधान तथा क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	रंग	बनावट	कलेवर	दाग	आकार	सुवास
1	2	3	4	5	6	7
जी० डब्ल्यू० एफ०	भूरे से गहरा भूरा	मध्यम से मोटा	हल्के से भारी	पत्ते की सतह के 1/4 से अधिक नहीं	परिवर्ती	सुभिन्न धुएं-दार सुवास

अनुसूची XVIII

(सामान्यतः पश्चिमी बंगाल राज्य में उपजाया जाने वाला) [अविनिर्मित, वायु-संसाधित सिगार तम्बाकू (उत्तरी)* फिलर (निकोटिआना टेबेकम) प्रकार I का श्रेणी अभिधान तथा क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	रंग (a)	बनावट	दाग %	आकार, रूप कलेवर सुवास ज्वलनशीलता	साधारण लक्षण	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
एन० बी०एफ०—I	जैतूनी हरा	माध्यम से औसत	25 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा	15 सें०मी० से कम लम्बाई नहीं होनी चाहिए धूल या अन्य वाह्य द्रव्य से रहित होगा कलेवर हल्का से भारी होगा। अच्छी से साधारण सुवास तथा ज्वलनशील होगा।	तम्बाकू के पत्ते :— (1) रूप, रंग, किस्म/ प्रकार के लक्षणों में युक्तियुक्त रूप से एक समान होंगे, (2) छूने पर परिपक्व ठोस लगेंगे, (3) पूर्णतया वायु- संसाधित और सुखाए हुए होंगे तथा उनमें उचित नमी होगी,	
एन० बी० एफ०—II	जैतूनी हरा	औसत से मोटा	65 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा	मध्यम से भारी कलेवर, साधारण से औसत सुवास तथा साधारण ज्वलनशीलता । 12 सें० मी० से कम लम्बा नहीं होगा । धूल तथा अन्य वाह्य द्रव्य से रहित होगा।	(4) कीटों द्वारा किए गए नुकसान यान्त्रिक क्षति तथा नमी अथवा फंगस आदि से होने वाले धब्बों से युक्तियुक्त रूप से मुक्त होंगे ।	

*सिगार फिलर पत्ता (वायु-संसाधित) तम्बाकू में निकोटिआना टेबेकम की कोई भी देशी किस्में आ सकती हैं, किन्तु किसी भी नमूने अथवा आधान में के सभी पत्ते उस किस्म के एक रूप लक्षणों वाले होंगे ।

(a) श्रेणीकरण में आकस्मिक गलतियों के लिए गुंजाइश रखने के लिए पत्तों के रंग और बनावट के लिए अगली निम्नतर श्रेणी में कोई विनिर्देशों के समानरूप 1/16 की सहायता अनुज्ञात होगी ।

%दाग में हरे धब्बे, भूरे निशान और पीडुक जन्तु तथा रोगों से होने वाला नुकसान हस्तन तथा प्रोच्छन में होने वाली टूट-फूट और काले निशान आते हैं । स्तम्भ 4 में दिए गए अनुपात के आंकड़े किसी भी नमूने के प्रभावित पत्तों के सम्पूर्ण क्षेत्र के प्रति निदेश करते हैं।

अनुसूची XIX

(सामान्यतः पश्चिमी बंगाल, बिहार तथा उत्तर भारतीय राज्यों में उपजाया जाने वाला) अविनिर्मित , वायु-संसाधित सिगार तम्बाकू (उत्तरी)* फिलर (निकोटिआना टेबेकम) प्रकार-II का श्रेणी अभिधान तथा क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	रंग (a)	बनावट	दाग %	आकार, रूप कलेवर सुवास, ज्वलनशीलता	साधारण लक्षण	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
एन० एफ० I	हल्के से गहरा भूरा, परिवर्ती	मध्यम से औसत	25 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा	15 सें० मी० से कम लम्बाई नहीं होनी चाहिए । धूल या अन्य वाह्य द्रव्य से रहित होंगे। कलेवर हल्के से भारी होगा अच्छी से साधारण सुवास तथा ज्वलन-शील होगा।	तम्बाकू के पत्ते :— (1) रूप, रंग किस्म/ प्रकार के लक्षणों में युक्तियुक्त रूप से एक समान होंगे, (2) छूने पर परिपक्व ठोस लगेंगे, (3) पूर्णतया वायु संसाधित और सुखाए हुए होंगे तथा	

1	2	3	4	5	6	7
एन० एफ० II	हल्के से गहरा भूरा परिवर्ती	औसत से मोटा	65 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे	मध्यम से भारी कलेवर साधारण से औसत सुवास तथा साधारण ज्वलनशीलता, लम्बाई, 12 से० मी० से कम नहीं होगी । धूल या अन्य बाह्य द्रव्य से रहित होगी ।	उनमें उचित नमी होगी, (4) कीटों द्वारा किए गए नुकसान यान्त्रिक क्षति तथा नमी अथवा फंगस आदि से होने वाले धब्बों से युक्तियुक्त रूप से मुक्त होंगे ।	

*सिगार फिलर पत्ता (वायु-संसाधित) तम्बाकू में निकोटिआना टेबेकम की कोई भी देशी किस्में आ सकती हैं, किन्तु किसी भी नमूने अथवा आधान में के सभी पत्ते उस किस्म के एक रूप लक्षणों वाले होंगे ।

@श्रेणीकरण में आकस्मिक गलतियों के लिए गुंजाइश रखने के लिए पत्तों के रंग और बनावट के लिए अगली निम्नतर श्रेणी में के कोई विनिर्देशों के समानरूप 1/16 की सहायता अनुज्ञात होगी ।

%दाग में हरे धब्बे भूरे निशान और पीड़क जन्तु तथा रोगों से होने वाला नुकसान हस्तन तथा प्रोच्छन में होने वाली टूट-फूट और काले निशान आते हैं । स्तम्भ 4 में दिए गए अनुपात के आंकड़े किसी भी नमूने के प्रभावित पत्तों के सम्पूर्ण क्षेत्र के प्रति निर्देश करते हैं।

अनुसूची XX

(सामान्यतः आन्ध्र प्रदेश राज्य के पूर्व और पश्चिमी गोदावरी में उपजाया जाने वाला) अविनिर्मित, वायु-संसाधित सिगार तम्बाकू फिलर* (निकोटिआना टेबेकम) प्रकार III का श्रेणी अभिधान तथा क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	रंग@	बनावट	दाग%	आकार, रूप, कलेवर, सुवास ज्वलनशीलता	साधारण लक्षण	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
सी० ई० एफ०—I	भूरा से हल्का स्याह	मध्यम से मोटा	25 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा	15 से०मी० से कम लम्बाई नहीं होनी चाहिए । धूल या अन्य बाह्य द्रव्य से रहित होगा, हल्के से भारी कलेवर, अच्छी से साधारण सुवास तथा ज्वलनशील होगा ।	तम्बाकू के पत्ते :— (1) उचित रूप से रूप, रंग किस्म/प्रकार के लक्षण में एक समान होंगे, (2) छूने पर परिपक्व ठोस लगेंगे, (3) पूर्णतया वायु संसाधित और सुखाए हुए होंगे तथा उनमें उचित नमी होगी ।	
सी० ई० एफ०—II	भूरा से हल्का स्याह	मध्यम से मोटा	65 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा	मध्यम से भारी कलेवर, साधारण से औसत सुवास तथा साधारण ज्वलनशीलता 12 से०मी० से कम लम्बाई नहीं होगी, धूल या अन्य बाह्य द्रव्य से रहित होगा ।	(4) कीटों द्वारा किए गए नुकसान, यान्त्रिक क्षति तथा नमी अथवा फंगस आदि से होने वाले धब्बों से युक्तियुक्त रूप से मुक्त होंगे ।	

*सिगार फिलर पत्ता (वायु-संसाधित) तम्बाकू में निकोटिआना टेबेकम की कोई भी देशी किस्में आ सकती हैं, किन्तु किसी भी नमूने अथवा आधान में के सभी पत्ते उस किस्म के एकरूप लक्षणों वाले होंगे।

@श्रेणीकरण में आकस्मिक गलतियों के लिए गुंजाइश रखने के लिए पत्तों के रंग और बनावट के लिए अगली निम्नतर श्रेणी में के विनिर्देशों के समानरूप, 1/16 की सहायता अनुज्ञात होगी ।

%दाग हरे धब्बे, भूरे निशान और पीड़क जन्तु तथा रोगों से होने वाला नुकसान, हस्तन तथा प्रोच्छन में होने वाली टूट-फूट और काले निशान आते हैं। स्तम्भ 4 में दिए गए अनुपात के आंकड़े किसी भी नमूने के प्रभावित पत्तों के सम्पूर्ण क्षेत्र के प्रति निर्देश करते हैं ।

अनुसूची XXI

(सामान्यतः आन्ध्र प्रदेश राज्य में उपजाया जाने वाला) अविनिर्मित, वायु-संसाधित सिगार तम्बाकू (सिरकार्स) फिलर* (निकोटिआना टेबेकम) प्रकार IV का श्रेणी अभिधान तथा क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	रंग @	बनावट	दाग %	आकार, रूप कलेवर, सुवास ज्वलनशीलता	साधारण लक्षण	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
सी० ओ० एफ०—I	हल्का स्याह गाढ़ा स्याह	मध्यम से मोटा	25 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा	15 से० मी० से कम लम्बाई नहीं होनी चाहिए, धूल या अन्य बाह्य द्रव्य से रहित, हल्का से भारी कलेवर, अच्छी से साधारण सुवास तथा ज्वलनशील होगा ।	तम्बाकू के पत्ते :— (1) रूप, रंग, किस्म/प्रकार के लक्षणों में युक्तियुक्त रूप से एक समान होंगे, (2) छूने पर परिपक्व ठोस लगेंगे, (3) पूर्णतया वायु संसाधित और	

1	2	3	4	5	6	7
सी० श्रो० एफ०—II	हल्का स्याह से गाढ़ा स्याह	मध्यम से मोटा	65 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा	मध्यम से भारी कलेवर, साधारण से औसत सुवास तथा साधारण ज्वलनशीलता । 12 सें०मी० से कम लम्बा नहीं होगा, धूल या अन्य बाह्य द्रव्य से रहित होगा।	सुखाए हुए होंगे तथा उनमें उचित नमी होगी, (4) कीटों द्वारा किए गए नुकसान यान्त्रिक क्षति तथा नमी अथवा फंगस आदि से होने वाले धब्बों से युक्तियुक्त रूप से मुक्त होंगे।	

* सिगार फिलर पत्ता (वायु-संसाधित) तम्बाकू में निकोटिग्राना टेबेकम की कोई भी ऐसी किस्म आ सकती है, किन्तु किसी भी नमूने अथवा आधान में के सभी पत्ते उस किस्मों के एक रूप लक्षणों वाले होंगे।

@ श्रेणीकरण में आकस्मिक गलतियों के लिए गुंजाइश रखने के लिए पत्तों के रंग और बनावट के लिए अगली निम्नतर श्रेणी में के विनिर्देशों के समनुरूप 1/16 की सहायता अनुज्ञात होगी।

% दाग में हरे धब्बे, भूरे निशान और पीड़क जन्तु तथा रोगों से होने वाला नुकसान हस्तन तथा प्रोच्छन में होने वाली टूट-फूट और काले निशान आते हैं। स्तम्भ 4 में किए गए अनुपात के आंकड़े किसी भी नमूने के प्रभावित पत्तों के सम्पूर्ण क्षेत्र के प्रति निर्देश करते हैं।

अनुसूची XII

(सामान्यतः तमिलनाडु राज्य में उपजाया जाने वाला) अविनिर्मित, वायु-संसाधित सिगार तम्बाकू (दक्षिणी)* फिलर (निकोटिआना टेबेकम) प्रकार 5 का श्रेणी अभिधान तथा क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	रंग **	बनावट	दाग %	आकार, रूप, कलेवर, सुवास, ज्वलनशीलता	साधारण लक्षण	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
एस०टी०एफ-I	हल्का भूरा स्याह गाढ़ा स्याह	मध्यम से मोटा	25 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।	15 सें०मी० से कम लम्बाई नहीं होनी चाहिए। धूल या अन्य बाह्य द्रव्य से रहित, हल्के से भारी कलेवर, अच्छी से साधारण सुवास तथा ज्वलनशील होगा।	तम्बाकू के पत्ते— (1) रूप, रंग, किस्म/प्रकार के लक्षणों में युक्तियुक्त रूप से एक समान होंगे, (2) छूने पर परिपक्व ठोस लगते हैं,	
एस०टी० एफ-II	हल्का भूरा स्याह गाढ़ा स्याह	मध्यम से मोटा	65 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।	मध्यम से भारी कलेवर साधारण से औसत सुवास तथा साधारण ज्वलनशीलता 12 सें० मी० से कम लम्बाई नहीं होनी चाहिए। धूल या अन्य बाह्य द्रव्यों से रहित होगा।	(3) पूर्णतया वायु-संसाधित और सुखाए हुए होंगे तथा उनमें उचित नमी होगी, (4) कीटों द्वारा किए गए नुकसान यांत्रिक क्षति तथा नमी अथवा फंग्स आदि फफूंद से होने वाले धब्बों से युक्तियुक्त रूप से मुक्त होंगे।	

* सिगार फिलर पत्ता (वायु-संसाधित) तम्बाकू निकोटिआना टेबेकम की कोई भी ऐसी किस्म आ सकती है, किन्तु किसी भी नमूने अथवा आधान में के सभी पत्ते एकरूप लक्षणों वाले होंगे।

** श्रेणीकरण में आकस्मिक गलतियों के लिए गुंजाइश रखने के लिए पत्तों के रंग और बनावट के लिए अगली निम्नतर श्रेणी में विनिर्देशों के समानरूप, 1/16 की सहायता अनुज्ञात होगी।

% दाग में हरे धब्बे, भूरे निशान और पीड़क जन्तु तथा रोगों से होने वाला नुकसान, हस्तन तथा प्रोच्छन में होने वाली टूट-फूट और काले निशान आते हैं। स्तम्भ 4 में दिए गए अनुपात के आंकड़े किसी भी नमूने के प्रभावित पत्तों के सम्पूर्ण क्षेत्र के प्रति निर्देश करते हैं।

अनुसूची XIII

(सामान्यतः मैसूर राज्य में उपजाया जाने वाला) अविनिर्मित, वायु-संसाधित सिगार तम्बाकू (दक्षिणी)* फिलर (निकोटिआना टेबेकम) प्रकार VI का श्रेणी अभिधान तथा क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	रंग **	बनावट	दाग %	आकार, रूप, कलेवर, सुवास, ज्वलनशीलता	साधारण लक्षण	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
एस एम एफ-I	हल्के बादामी भूरे से गहरा भूरा	मध्यम से औसत	25 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा	15 सें०मी० से कम लम्बाई नहीं होगी। धूल या अन्य बाह्य द्रव्य से रहित, हल्के से भारी कलेवर, अच्छी से साधारण सुवास तथा ज्वलनशील होगा।	तम्बाकू के पत्ते :— (1) रूप, रंग, किस्म/प्रकार के लक्षणों में युक्तियुक्त रूप से एक समान होंगे; (2) छूने पर परिपक्व ठोस लगेंगे; (3) पूर्णतया वायु-संसाधित और सुखाए हुए होंगे तथा उनमें	

1	2	3	4	5	6	7
एस एम एफ-II	हल्के बादामी भूरे से गहरा भूरा	मध्यम से औसत	65 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा	12 सें०मी० से कम लम्बाई नहीं होगी । धूल या अन्य बाह्य द्रव्य से रहित होंगी मध्यम से भारी कलेवर, साधारण से औसत सुवास तथा सामान्य ज्वलनशीलता ।	(4) कीटों द्वारा किए गए नुकसान यांत्रिक क्षति तथा नमी अथवा फंगस आदि से होने वाले धब्बों से युक्तियुक्त रूप से मुक्त होंगे ।	उचित नमी होगी;

*सिगार फिलर पत्ता (वायु-संसाधित) तम्बाकू में निकोटिआना टेबेकम की कोई भी देशी किस्म आ सकती है, किन्तु किसी भी नमूने अथवा आधान में के सभी पत्ते उस किस्म के एक रूप लक्षणों वाले होंगे।

** श्रेणीकरण में आकस्मिक गलतियों के लिए गुंजाइश रखने के लिए पत्तों के रंग और बनावट के लिए अगली निम्न श्रेणी में के विनिर्देशों के समनुरूप 1/16 की सहायता अनुज्ञात होगी।

%दाग में हरे धब्बे भूरे निशान और पीड़क-जन्तु तथा रोगों से होने वाला नुकसान हस्तन तथा प्रोच्छन में होने वाली टूट-फूट और काले निशान आते हैं। स्तम्भ 4 में दिए गए अनुपात के आंकड़े किसी भी नमूने के प्रभावित पत्तनों के सम्पूर्ण क्षेत्र के प्रति निदेश करते हैं।

अनुसूची XIV

(सामान्यतः पश्चिमी बंगाल में उपजाया जाने वाला) अविनियमित, वायु संसाधित सिगार तम्बाकू (उत्तरी)* वाइन्डर लीफ (निकोटिआना टेबेकम) प्रकार 7 का श्रेणी अभिधान तथा क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	रंग**	बनावट	दाग %	आकार, रूप, कलेवर, सुवास ज्वलनशीलता	साधारण लक्षण	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
एन बी बी-I	मध्यम जैतूनी हरा	उत्तम से मध्यम, साधारण लचीली	10 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।	30 सें०मी० से अधिक लम्बाई। पतला से मध्यम कलेवर, तैलिया, बंधी हुई शिराएं अच्छी सुवास तथा ज्वलनशीलता।	तम्बाकू के पत्ते— (1) रूप, रंग, किस्म/प्रकार के लक्षणों युक्तियुक्त रूप से एक समान होंगे; (2) छूने पर परिपक्व ठोस लगेंगे; (3) पूर्णतया वायु-संसाधित और सुखाए हुए होंगे तथा उनमें उचित नमी होगी; (4) कीटों द्वारा किए गए नुकसान, यांत्रिक क्षति तथा नमी अथवा फंगस से होने वाले धब्बों से युक्ति-युक्त रूप से मुक्त होंगे।	
एन बी बी-II	मध्यम जैतूनी हरा	उत्तम से मध्यम साधारण लचीली	11 से 25 प्रतिशत के बीच	20 सें०मी० से 30 सें०मी० के बीच लम्बाई, मध्यम कलेवरतैलिया मुख्य शिराओं से बंधी हुई, अच्छी सुवास तथा ज्वलनशीलता।		
एन बी बी-III	मध्यम से गहरा जैतूनी हरा	मध्यम, अर्ध लचीली	26 से 50 प्रतिशत के बीच	15 सें०मी० से 20 सें०मी० के बीच लम्बाई, मध्यम कलेवर कम तैलिया, मुख्य शिराओं (5) से बंधी हुई, साधारण सुवास तथा सामान्य ज्वलनशीलता।	युक्ति युक्त रूप से छिद्रों से रहित होगा।	

*सिगार वाइन्डर लीफ (वायु संसाधित) तम्बाकू में निकोटिआना टेबेकम की कोई भी देशी किस्म आ सकता है, किन्तु किसी भी नमूने अथवा आधान में के सभी पत्ते उस किस्म के एकरूप लक्षणों वाले होंगे।

**श्रेणी करण मे आकस्मिक गलतियों के लिए गुजाईश रखने के लिए पत्तों के रंग और बनावट के लिए अगली निम्नतर श्रेणी में के विनिर्देशों के समनुरूप 1/16 की सहायता अनुज्ञात होंगी।

%दाग में हरे धब्बे, भूरे निशान और पीड़क जन्तु तथा रोगों से होने वाला नुकसान हस्तन तथा प्रोच्छन में होने वाली टूट-फूट और काले निशान आते हैं। स्तम्भ 4 में दिए गए अनुपात आकड़े प्रोच्छन के सम्पूर्ण क्षेत्र के प्रति निवेश हैं।

अनुसूची-XV

सामान्यतः पश्चिमी बंगाल, बिहार तथा उत्तर भारत के राज्यों में उपजाया जाने वाला अविनियमित, वायु-संसाधित सिगार तम्बाकू (उत्तरी)* वाइन्डर लीफ (निकोटिआना टेबेकम) प्रकार 8 का श्रेणी अभिधान तथा क्वालिटी की परिभाषा।

श्रेणी अभियान	रंग (ii)	बनावट	दाग %	आकार, रूप कलेवर, सुवास ज्वलनशीलता	साधारण लक्षण	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
एनबी-1	मध्यम बादामी भूरा	उत्तम से मध्यम, साधारण लचीली	10 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा	30 से० मी० से अधिक लम्बाई, पतला से मध्यम कलेवर, तैलिया बंधी हुई शिराएं, अच्छी सुवास तथा ज्वलनशीलता।	तम्बाकू के पत्ते:— (1) रूप रंग, किस्म/प्रकार के लक्षणों में युक्तियुक्त रूप से एक समान होंगे।	

1	2	3	4	5	6	7
एनबी-II	मध्यम बादामी भूरा से उत्तम मध्यम, साधारण लचीली		11 से 25 प्रतिशत के बीच	20 से 30 से०मी० के बीच लम्बाई, मध्यम कलेवर, तैलिया मुख्य शिराओं से दबी हुई, अच्छी सुवास तथा ज्वलनशीलता	(2) छूने पर परिपक्व ठोस लगेंगे, (3) पूर्णतया वायु-संसाधित और सुखाए हुए होंगे तथा उनमें उचित नमी होगी,	
एन बी III	मध्यम से गहरा बादामी भूरा	मध्यम, अर्ध लचीली	26 से 50 प्रतिशत के बीच	15 सेमी० से 20 सेमी० के बीच लम्बाई कम तैलिया, मुख्य शिराओं से दबी हुई, साधारण सुवास तथा सामान्य ज्वलनशीलता	(4) कीटों द्वारा किए गए नुकसान, यान्त्रिक क्षति तथा नमी अथवा फंगस आदि से होने वाले धब्बों से युक्तियुक्त रूप से मुक्त होंगे । (5) युक्तियुक्त रूप से छिद्रों से रहित होंगे	

*सिगार वाइण्डर लीफ (वायु-संसाधित) तम्बाकू में निकोटिआना टेबेकम की कोई भी देशी किस्म आ सकती है, किन्तु किसी भी नमूने अथवा आधान में के सभी पत्ते उस किस्म के एक रूप लक्षणों वाले होंगे ।

@ श्रेणीकरण में आकस्मिक गलतियों के लिए गुंजाइश रखने के लिए, पत्तों के रंग और बनावट के लिए अगली निम्नतर श्रेणी में के विनिर्देशों के समानुरूप 1/16 की सहायता अनुज्ञात होगी ।

%दाग में हरे धब्बे, भूरे निशान और पीड़क जन्तु तथा रोगों से होने वाला नुकसान हस्तन तथा प्रोच्छन में ही वाली टूट-फूट और काले निशान आते हैं । स्तम्भ 4 में दिए गए अनुपात के आंकड़े प्रोच्छान के सम्पूर्ण क्षेत्र के प्रति निर्देश करते हैं ।

अनुसूची XXVI

(सामान्यतः आन्ध्र प्रदेश राज्य के पूर्व और पश्चिम गोदावरी जिलों में उपजाया जाने वाला) अविनिर्मित, वायु संसाधित सिगार तम्बाकू* वाइण्डर लीफ (निकोटिआना टेबेकम) प्रकार 9 का श्रेणी अभिधान तथा क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	रंग @	बनावट	दाग— %	आकार, रूप, कलेवर, सुवास, ज्वलनशीलता	सामान्य लक्षण	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
सी ई बी-I	हल्का भूरा, हल्का महोगनी भूरा	उत्तम से मध्यम लचीली	10 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा	30 से० मी० से अधिक लम्बाई पत्ते से मध्यम करने पर तैलिया, दबी हुई हल्की मोटी शिराएं, मधुर सुवास तथा एक समान ज्वलनशीलता	तम्बाकू के पत्ते— (1) रूप, रंग, किस्म/प्रकार के लक्षणों में युक्तियुक्त रूप से एक समान होंगे, (2) छूने पर परिपक्व ठोस लगेंगे (3) पूर्णतया वायु-संसाधित और सुखाए हुए होंगे तथा उनमें उचित नमी होगी,	
सी ई बी-II	मध्यम भूरा से मध्यम महोगनी भूरा	मध्यम, साधारण लचीली	11 से 25 प्रतिशत के बीच होगा	20 सेमी० के बीच लम्बाई तैलिया, कुछ मोटी शिराएं दबी हुई, मधुर सुवास तथा एक सामान ज्वलनशीलता	(4) कीटों द्वारा किए गए नुकसान यान्त्रिक क्षति तथा नमी अथवा फंगस से होने वाले धब्बों से रूप से मुक्त होंगे । (5) युक्तियुक्त रूप से छिद्रों से रहित होंगे ।	
सी ई बी III	गहरा भूरा से गाढ़ा महोगिनी भूरा	मध्यम, अर्ध लचीला	26 से 50 प्रतिशत के बीच होगा	15 से० मी० से 20 से० मी० के बीच लम्बाई, मध्यम कलेवर, कम तैलिया, कुछ मुख्य शिराएं दबी हुई, साधारण सुवास, सामान्य ज्वलनशीलता ।		

* सिगार वाइण्डर लीफ (वायु-संसाधित) तम्बाकू में निकोटिआना टेबेकम की कोई भी देशी किस्म आ सकती है, किन्तु किसी भी नमूने अथवा आधान में के सभी पत्ते उस किस्म के एक रूप लक्षणों वाले होंगे ।

@ श्रेणीकरण में आकस्मिक गलतियों के लिए गुंजाइश रखने के लिए, पत्तों के रंग और बनावट के लिए अगली निम्नतर श्रेणी में के विनिर्देशों के समानुरूप 1/16 का सहायता अनुज्ञात होगी ।

%दाग में हरे धब्बे, भूरे निशान और पीड़क जन्तु तथा रोगों से होने वाला नुकसान तथा प्रोच्छन में होने वाली टूट फूट और काले निशान आते हैं । स्तम्भ 4 में दिए गए अनुपात के आंकड़े किसी भी नमूने के प्रभावित पत्तों के सम्पूर्ण क्षेत्र के प्रति निर्देश करते हैं ।

अनुसूची—XXVII

(सामान्यतः आन्ध्र प्रदेश राज्य में उपजाया जाने वाला) अविनिर्मित, वायु-संसाधित, सिगार तम्बाकू* वाइरजर लीफ (निकोटियाना टेबेकम) प्रकार 10 का श्रेणी अभिधान तथा क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	रंग @	बनावट	दाग %	आकार- रूप, कलेवर सुवास, ज्वलनशीलता	साधारण लक्षण	टिप्पण
1	2	3	4.	5	6	7
सी बी-I	हल्का-भूरा	उत्तम से मध्यम लचीला	10 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा	30 सेमी० से अधिक लम्बाई तथा पतले से मध्यम कलेवर तैलिया, दबी हुई शिरायें, मधुर सुवास और एक समान ज्वलनशीलता	तम्बाकू के पत्ते— (1) रूप, रंग किस्म प्रकार के लक्षणों में युक्तियुक्त रूप से एक समान होंगे, (2) छूने पर परिपक्व ठोस लगेंगे, (3) पूर्णतया वायु-संसाधित और सुखाए हुए होंगे तथा उनमें उचित नमी होगी, (4) कीटों द्वारा किए नुकसान, यान्त्रिक क्षति तथा नमी अथवा फंगस से होने वाले धब्बों से युक्तियुक्त रूप से मुक्त होंगे, (5) युक्तियुक्त रूप से छिद्रों से रहित होंगे।	
सी बी-II	मध्यमभूरा	मध्यम साधारण लचीला	11 से 25 प्रतिशत के बीच होगा	20 सेमी० से 30 सेमी० के बीच लम्बाई, मध्यम कलेवर, तैलिया, कुछ मुख्य शिराएं दबी हुई मधुर सुवास तथा एक समान ज्वलनशीलता		
सी० बी० III	गहरा भूरा	मध्यम से लचीली	26 से 50 प्रतिशत के बीच होगा।	15 से 20 सेमी० के बीच लम्बाई, मध्यम कलेवर कम तैलिया, कुछ मुख्य शिराएं दबी हुई साधारण सुवास और सामान्य ज्वलनशीलता		

* सिगार वाइरजर लीफ (वायु-संसाधित) तम्बाकू में निकोटियाना टेबेकम की कोई भी देशी-किस्म आ सकती है, किन्तु किसी भी नमूने अथवा आधान में के सभी पत्ते उस किस्म के एक रूप लक्षणों वाले होंगे।

@ श्रेणीकरण में आकस्मिक गलतियों के लिए गुंजाइश रखने के लिए पत्तों के रंग और बनावट के लिए अगली निम्नतर श्रेणी में के विनिर्देशों समानुरूप 1/16 की सहायता अनुज्ञात होगी।

%दाग में हरे धब्बे, भूरे निशान और पीड़क जन्तु तथा रोगों से होने वाली नुकसान हस्तन तथा प्रोच्छन में होने वाली टूट-फूट और काले निशान आते हैं। स्तम्भ 4 में दिए गए अनुपात के आंकड़े किसी भी नमूने के प्रभावित पत्तों के सम्पूर्ण क्षेत्र के प्रति निर्देश करते हैं।

अनुसूची—XXVIII

(सामान्यतः तमिलनाडु राज्य में उपजाया जाने वाला) अविनिर्मित, वायु-संसाधित सिगार तम्बाकू दक्षिणी* वाइरजर लीफ (निकोटियाना टेबेकम) प्रकार-11 का श्रेणी अभिधान तथा क्वालिटी की परिभाषा।

श्रेणी अभिधान	रंग @	बनावट	दाग प्रतिशत %	आकार रूप, कलेवर सुवास, ज्वलनशीलता	साधारण लक्षण	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
एस टी बी-I	हल्का भूरा से हल्का महोगनी भूरा	उत्तम से मध्यम लचीला	10 प्रतिशत से अधिक नहीं	30 से० मी० से अधिक लम्बाई पतला से मध्यम कलेवर तैलिया दबी हुई कम मोटी शिराएं, मधुर सुवास तथा एक समान ज्वलनशीलना।	तम्बाकू के पत्ते— (1) रंग/किस्म/प्रकार से युक्ति-युक्त रूप से एक समान होंगे, (2) छूने पर परिपक्व ठोस लगेंगे, (3) पूर्णतया वायु-संसाधित और सुखाए हुए होंगे तथा उनमें उचित नमी होगी; (4) कीटों द्वारा किए गए नुकसान, यान्त्रिक क्षति तथा नमी अथवा फंग्स से होने वाले धब्बों से युक्तियुक्त से मुक्त होंगे। (5) युक्तियुक्त रूप से छिद्रों से रहित होंगे।	
एस टी बी-II	मध्य से भूरा महोगनी भूरा	मध्यम, साधारण लचीला	11 से 25 प्रतिशत के बीच होगा	20 सेमी० से 30सेमी० के बीच लम्बाई मध्यम कलेवर, कम तैलयुक्त, कुछ मुख्य शिराएं दबी हुई, मधुर सुवास तथा एक समान ज्वलनशीलता		
एस टी बी-III	गहरा भूरा से गाढ़ा महोगनी भूरा	मध्यम, अर्ध-लचीला	26 से 50 प्रतिशत के बीच होगा	15 से 20 से० मी० के बीच लम्बाई मध्यम कलेवर, कम तैलिया, कुछ मुख्य शिराएं दबी हुई, साधारण सुवास, सामान्य ज्वलनशीलता		

* सिगार वाइरजर लीफ (वायु-संसाधित) तम्बाकू में निकोटियाना टैबेकम की कोई भी देशी किस्म आ सकती है किन्तु किसी भी नमूने अथवा आधान में के सभी पत्ते उस किस्म के एक रूप लक्षणों वाले होंगे।

@ श्रेणीकरण में आकस्मिक गलतियों के लिए गुंजाइश रखने के लिए, पत्तों के रंग और बनावट के लिए अगली निम्नतर श्रेणी में के विनिर्देशों के समानुरूप, 1/16 की सहायता अनुज्ञात होगी।

% दाग में हरे धब्बे, भूरे निशान और पीड़क जन्तु तथा रोगों से होने वाला नुकसान, हस्तन तथा प्रोच्छन में होने वाले टूट-फूट और काले निशान

अनुसूची XXIX

(सामान्यतः मैसूर राज्य में उपजाया जाने वाला) अविनिर्मित वायु संसाधित सिगार तम्बाकू (दक्षिणी)* वाइन्डर लीफ (निकोटिआना टेबेकम) प्रकार 7 का श्रेणी अभिधान तथा क्वालिटी की परिभाषा

1	2	3	4	5	6	7
श्रेणी अभिधान	रंग @	बनावट	दाग %	आकार, रूप, कलेवर, सुवास, ज्वलनशीलता	साधारण लक्षण	टिप्पण
एस एम बी-I	हल्का भूरा, हल्का गहरा, भूरा महोगिनी, भूरा/मध्यम जैतूनी हरा	उत्तम से मध्यम लचीला	10 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा	30 मि० मी० से अधिक लम्बाई पतले से मध्यम कलेवर, लैमिया, दबी हुई शिराएं, मधुर सुवास तथा एक समान ज्वलनशीलता	तम्बाकू के पत्ते— (1) रूप रंग किस्म/प्रकार के लक्षणों में युक्तियुक्त रूप से एक समान होंगे, (2) छूने पर परिपक्व ठोस लगेंगे,	
एस एम बी-II	मध्यम भूरा/ मध्यम महोगनी महोगनी भूरा गाढ़ा जैतूनी हरा	मध्यम, साधारण लचीला	11 से 25 प्रतिशत के बीच होगा	20 सें० मी० से 30 सें० मी० के बीच लम्बाई, मध्यम कलेवर, लैमिया कुछ मुख्य शिराएं दबी हुई, मधुर सुवास तथा साधारण ज्वलनशीलता।	(3) पूर्णतया वायु-संसाधित और सुखाए हुए होंगे तथा उनमें उचित नमी होगी, (4) कीटों द्वारा किए गए नुकसान यांत्रिक क्षति तथा नमी अथवा फंगस से होने वाले धब्बों से युक्तियुक्त रूप से मुक्त होंगे	
एस एम बी-III	गहरा भूरा/ गाढ़ा महोगनी भूरा गाढ़ा जैतूनी हरा।	मध्यम अर्ध लचीला	26 से 50 प्रतिशत के बीच होगा	15 से० मी० 20 सेमी० के बीच लम्बाई, मध्यम कलेवर, कम लैमिया कुछ मुख्य शिराएं दबी हुई, साधारण सुवास तथा सामान्य ज्वलनशीलता	(5) युक्तियुक्त रूप से छिद्रों से रहित होंगे।	

* सिगार वाइन्डर लीफ (वायु-संसाधित) तम्बाकू में निकोटिआना टेबेकम की कोई भी देसी किस्म आ सकती है, किन्तु किसी भी नमूने अथवा आधान में के सभी पत्ते उस किस्म के एक रूप लक्षणों वाले होंगे।

@ श्रेणीकरण में आकस्मिक गलतियों के लिए गुंजाइश रखने के लिए, पत्तों के रूप और बनावट के लिए अगली निम्नतर श्रेणी में के विनिर्देशों के समनुरूप, 1/16 की सहायता अनुज्ञात होगी।

% दाग में हरे, धब्बे, भूरे निशान और पीड़क जन्तु तथा रोगों से होने वाला नुकसान हस्तन तथा प्रोच्छन में होने वाली टूट-फूट और काले निशान आते हैं। स्तम्भ 4 में दिए गए अनुपात के आंकड़े किसी भी नमूने के प्रभावित पत्तों के सम्पूर्ण क्षेत्र के प्रति निर्देश करते हैं।

अनुसूची XXX

(सामान्यतः पश्चिमी बंगला राज्य में उपजाया जाने वाला) अविनिर्मित वायु,संसाधित सिगार तम्बाकू (उत्तरी)* रेपर लीफ (निकोटिआना टैबेकम) प्रकार 13 का अभिधान तथा क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	रंग	बनावट	दाग %	आकार, रूप कलेवर, सुवास ज्वलनशीलता	साधारण लक्षण	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
एस डब्ल्यू-I	हल्का जैतूनी हरा	उत्तम मुलायम लचीला	5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा	40 से०मी० तथा उससे अधिक लम्बाई पतला कलेवर, बहुत लैमिया बहुत फैला हुआ, एक समान, कुछ पतली शिराओं पर दबा हुआ, अच्छी सुवास तथा ज्वलनशीलता	तम्बाकू के पत्ते— (1) रूप रंग, किस्म/प्रकार के लक्षणों में युक्तियुक्त रूप से एक समान होंगे (2) छूने पर परिपक्व ठोस लगेंगे, (3) पूर्णतया वायु-संसाधित और सुखाए हुए होंगे तथा उनमें उचित नमी होगी,	
एस डब्ल्यू-II	हल्का जैतूनी हरा	आम, मुलायम लचीला	6 से 10 प्रतिशत के बीच होगा	30 से०मी० से 40 से०मी० के बीच लम्बाई पतला कलेवर, लैमिया, साधारण फैला हुआ एक समान कुछ पतली शिराओं पर दबा हुआ अच्छी सुवास तथा ज्वलनशीलता	(4) कीटों द्वारा किए गए नुकसान यांत्रिक क्षति तथा नमी अथवा फंगस से होने वाले धब्बों से युक्तियुक्त रूप से मुक्त होंगे (5) युक्तियुक्त रूप से छिद्रों से रहित होंगे	

1	2	3	4	5	6	7
एन डब्ल्यू-3	मध्यम जैतूनी हरा	उत्तम से मध्यम साधारण मुलायम अर्ध लचीला	11 से 15 प्रतिशत के बीच होगा	20 से० मी० 30 से० मी० के बीच लम्बाई, मध्यम कलेवर कम तैलिया, फैला हुआ एक समान, कुछ पतली शिराओं पर दबा हुआ, साधारण सुवास तथा ज्वलनशीलता		
एन डब्ल्यू 4	मध्यम जैतूनी हरा	उत्तम से मध्यम साधारण मुलायम अर्ध लचीला	16 से 20 प्रतिशत के बीच होगा	10 से० मी० से 20 से० मी० के बीच लम्बाई, मध्यम कलेवर कमतैलिया, फैला हुआ एक समान, कुछ शिराओं पर दबा हुआ, साधारण सुवास तथा ज्वलनशीलता।		

* सिगार रेपर लीफ (वायु संसाधित) तम्बाकू में निकोटिआना टैबकम का कोई भी देशी किस्म आ सकती है, किन्तु किसी भी नमूने अथवा अधान में के सभी पत्ते उस किस्म के एक रूप लक्षणों वाले, होंगे ।

@ श्रेणीकरण में आकस्मिक गल्तियों के लिए गुंजाइश रखने के लिए पत्तो के रंग और बनावट के लिए अगली निम्नतर श्रेणी में विनिर्देशो के समनुरूप 1/16 की सहायता अनुज्ञात होगी ।

% दाग में हरे धब्बे, भूरक निशान और पीड़क जन्तु तथा रोगों से होने वाला नुकसान, हस्तन तथा प्रोच्छन में होने वाली टूट फूट और काले निशान आते है । स्तम्भ 4 में दिए गए अनुपात के आंकड़े किसी भी नमूने के प्रभावित पत्तों के सम्पूर्ण क्षेत्र के प्रति निर्देश करते हैं ।

अनुसूची XXXI

(सामान्यतः पश्चिम बंगाल, बिहार तथा उत्तर भारतीय राज्यों में उपजाया जाने वाला) अविनिर्मित, वायु-संसाधित सिगार तम्बाकू, (उत्तरी)* रेपर लीफ (निकोटिआना टेबेकम) प्रकार 14 का श्रेणी अभिधान तथा क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	रंग(@)	बनावट	दाग (%)	आकार, रूप, कलेवर सुवास, ज्वलनशीलता	साधारण लक्षण	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
एन डब्ल्यू 1	हल्का बादामी भूरा	उत्तम मुलायम लचीला	5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा	40 से० मी० तथा उससे अधिक लम्बाई, पतला कलेवर, बहुत तैलिया, बहुत फैला हुआ, एक समान, कुछ पतली शिराओं पर दबा हुआ, अच्छी सुवास तथा ज्वलनशीलता	तम्बाकू के पत्ते— (1) उचित रूप से रूप, रंग, किस्म/प्रकार के लक्षणों युक्तियुक्त रूप से एक समान होंगे, (2) छूने पर परिपक्व ठोस लगेंगे, (3) पूर्णतया वायु संसाधित और सुखाए हुए होंगे तथा उनमें उचित नमी होगी ।	
एन डब्ल्यू 2	हल्का बादामी भूरा	उत्तम, मुलायम लचीला	6 से 10 प्रतिशत के बीच होगा	30 से० मी० से 40 से० मी० के बीच लंबाई, पतला कलेवर, तैलिया साधारण फैला हुआ एक समान, कुछ पतली शिराओं पर दबा हुआ अच्छी सुवास तथा ज्वलनशीलता	(4) कीटों द्वारा किए गए नुकसान यांत्रिक क्षति तथा नमी अथवा फंगस से होने वाले धब्बों से युक्तियुक्त रूप से मुक्त होंगे (5) युक्तियुक्त रूप से छिद्रों से रहित होंगे ।	
एन डब्ल्यू 3	मध्यम बादामी भूरा	उत्तम से मध्यम साधारण मुलायम अर्ध लचीला	11 से 15 प्रतिशत के बीच होगा	20 से 30 से० मी० के बीच लंबाई मध्यम कलेवर, कम तैलिया, फैला हुआ, एक समान कुछ पतली शिराओं पर दबा हुआ एक साधारण सुवास तथा ज्वलनशीलता।		

1	2	3	4	5	6	7
एन डब्ल्यू 4	मध्यम बादामी भूरा	उत्तम से मध्यम साधारण मुलायम अर्ध लचीला	16 से 20 प्रतिशत के बीच होगा	10 से 20 सें०मी० के बीच, लम्बाई, मध्यम कलेवर, कम तैलिया, फैला हुआ, एक समान कुछ पतली शिराओं पर दबा हुआ, साधारण सुवास तथा ज्वलनशीलता		

* सिगार रेपर (वायु संसाधित) तम्बाकू में निकोटिआना टेबेकम की कोई भी देशी किस्म आ सकती है, किन्तु किसी भी नमूने अथवा आधान में के सभी पत्ते उस किस्म के एकरूप लक्षणों वाले होंगे।

@ श्रेणीकरण में आकस्मिक गलतियों के लिए गुंजाइश रखने के लिए पत्तों के रंग को और बनावट के लिए अगली निम्नतर श्रेणी में के विनिर्देशों के समनुरूप 1/16 की सहायता अनुज्ञात होगी।

% दाग में हरे धब्बे, भूरे निशान और पीड़क जन्तु तथा रोगों से होने वाला नुकसान हस्तन, 2 तथा प्रोच्छन होने वाली टूट-फूट और काले निशान आते हैं। स्तम्भ 4 में दिये गये अनुपात के आंकड़े किसी भी नमूने के प्रभावित पत्तों के सम्पूर्ण क्षेत्र के प्रति निर्देश करते हैं।

अनुसूची XXXII

(सामान्यतः आन्ध्र प्रदेश के पूर्व तथा पश्चिम गोदावरी जिले में उपजाया जाने वाला) अवनिर्मित, वायु-संसाधित सिगार तम्बाकू (सिरकास)* रेपर लीफ (निकोटिआना टेबेकम) प्रकार 15 का श्रेणी अभिधान तथा क्वालिटी की परिभाषा)

श्रेणी अभिधान	रंग @	बनावट	दाग %	साईज, आकार कलेवर सुवास ज्वलनशीलता	साधारण लक्षण	टिप्पण
1	2	3	4	5	6	7
सी ई डब्ल्यू 1	हलका बादामी भूरा	उत्तम से मध्यम साधारण मुलायम, लचीला	5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।	40 सें० मी० तथा अधिक लंबाई मध्यम कलेवर, तैलिया फैला हुआ एक समान, बहुत चिकना, दबा हुआ तथा कुछ पतली शिराएं, अच्छी सुवास तथा ज्वलनशीलता	तम्बाकू के पत्ते— रूप रंग, किस्म/प्रकार के लक्षण में युक्तियुक्त रूप से एक समान होंगे। 2. छूने पर परिपक्व ठोस लगेंगे, 3. पूर्णतया वायु संसाधित और सुखाए हुए होंगे तथा उनमें उचित नमी होगी	
सी ई डब्ल्यू 2	हल्का बादामी भूरा	उत्तम से माध्यम साधारण मुलायम लचीला	6 से 10 प्रतिशत के बीच होगा	30 सें०मी० से 40 सें०मी० के बीच लम्बाई, मध्यम कलेवर, फैला हुआ, एक समान, चिकना कुछ पतली शिराओं पर दबा हुआ अच्छी सुवास तथा ज्वलनशीलता	(4) कीटों द्वारा किये गये नुकसान यांत्रिक क्षति तथा नमी अथवा फंगस से होने वाले धब्बों से युक्तियुक्त रूप से मुक्त होंगे। (5) युक्तियुक्त रूप से छिद्रों से रहित होंगे।	
सी ई डब्ल्यू 3	गाढ़ा बादामी भूरे से भूरा	मध्यम, साधारण लचीला	11 से 15 प्रतिशत के बीच होगा	20 सें० मी० से 30 सें० मी० के बीच लम्बाई मध्यम से भारी कलेवर, कम तैलिया, फैला हुआ, एक समान कुछ शिराओं पर दबा हुआ, साधारण सुवास तथा ज्वलनशीलता।		
सी ई डब्ल्यू 4	गाढ़ा बादामी भूरे से भूरा	मध्यम साधारण लचीला	16 से 20 प्रतिशत के बीच होगा	10 सें० मी० से 20 सें० मी० के बीच लम्बाई, मध्यम कलेवर, कम तैलिया, फैला हुआ, एक समान, कुछ शिराओं पर दबा हुआ, साधारण सुवास तथा ज्वलनशीलता		

* सिगार रेपर लीफ (वायु-संसाधित) तम्बाकू, में निकोटिआना टेबेकम की कोई भी देशी किस्म आ सकती है, किन्तु किसी भी नमूने अथवा आधार में के सभी पत्ते उस किस्म के एकरूप लक्षणों वाले होंगे।

@ श्रेणीकरण में आकस्मिक गलतियों के लिए गुंजाइश रखने के लिये, पत्तों के रंग और बनावट के लिए अगली निम्नतर श्रेणी में के विनिर्देशों के समनरूप 1/16 की सहायता अनुज्ञात होगी।

% दाग में हरे धब्बे, भूरे निशान और पीड़क जन्तु तथा रोगों से होने वाला नुकसान, हस्तन तथा प्रोच्छन में होने वाले टूट फूट और काले निशान आते हैं। स्तम्भ 4 में दिये गये अनुपात के आंकड़े किसी भी नमूने के प्रभावित पत्तों के सम्पूर्ण क्षेत्र के प्रति निर्देश करते हैं।

अनुसूची XXXIII

(सामान्यतः आन्ध्र प्रदेश में उपजाया जाने वाला) अविनिर्मित, वायु-संसाधित तम्बाकू (सिरकार्स)* रेपर लीफ (निकोटिआना टैबेकम) प्रकार 16 का श्रेणी अभिधान तथा क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	रंग@	बनावट	दाग%	आकार, रूप, कलेवर सुवास, ज्वलनशीलता	साधारण लक्षण	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
सी ओ डब्लू 1	मध्यम नारंगी भूरा	उत्तम से मध्यम साधारण मुलायम लचीला	5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा	40 सेमी० तथा अधिक लम्बाई, पतला कलेवर, तैलिया, फूला हुआ, एक समान, कुछ पतली शिराओं पर दबा हुआ अच्छी सुवास तथा साधारण ज्वलनशीलता	तम्बाकू के पत्ते— (1) रूप रंग, किस्म/प्रकार के लक्षण में युक्तियुक्त रूप से एक समान होंगे, (2) छूने पर परिपक्व ठोस लगेंगे, (3) पूर्णतया वायु-संसाधित और सुखाए हुए होंगे तथा उनमें उचित नमी होगी,	
सी ओ डब्लू 2	मध्यम नारंगी भूरा	उत्तम से मध्यम साधारण मुलायम लचीला	6 से 10 प्रतिशत के बीच होगा	30 सेमी० से 40 सेमी० के बीच लम्बाई, पतला कलेवर, तैलिया, फैला हुआ एक समान, कुछ पतली शिराओं पर दबा हुआ, अच्छी सुवास तथा साधारण ज्वलनशीलता।	(4) कीटों द्वारा किए गए नुकसान, यान्त्रिक क्षति तथा नमी अथवा फंगस से होने वाले धब्बों से युक्तियुक्त रूप से मुक्त होंगे, (5) युक्तियुक्त रूप से छिद्रों से रहित होंगे।	
सी ओ डब्ल्यू 3	गाढ़ा नारंगी भूरा से गहरा भूरा	मध्यम साधारण लचीला	11 से 15 प्रतिशत के बीच होगा	20 सेमी० से 30 सेमी० लम्बाई, मध्यम कलेवर, कम तैलिया, फैला हुआ, कुछ शिराओं पर दबा हुआ, साधारण सुवास तथा सामान्य ज्वलनशीलता।		
सी ओ डब्ल्यू 4	गाढ़ा नारंगी भूरा से गहरा भूरा	मध्यम साधारण लचीला	16 से 20 प्रतिशत के बीच होगा	10 सेमी० से 20 सेमी० के बीच लम्बाई मध्यम कलेवर, कम तैलिया, फैला हुआ, एक समान, कुछ शिराओं पर दबा हुआ, साधारण सुवास तथा सामान्य ज्वलनशीलता।		

*सिगार रेपर लीफ (वायु संसाधित) तम्बाकू में निकोटिआना टैबेकम की कोई भी देशी किस्म आ सकती है, किन्तु किसी भी नमूने अथवा आधाम में के सभी पत्ते उस किस्म एक रूप लक्षणों वाले होंगे।

@श्रेणीकरण में आकस्मिक गलतियों के लिए गुंजाइश रखने के लिए, पत्तों के रंग और बनावट के लिए अगली निम्नतर श्रेणी में के विनिर्देशों के समनुरूप 1/16 की सहायता अनुज्ञात होगी।

%दाग में हरे धब्बे, भूरे निशान और पीड़क जन्तु तथा रोगों से होने वाला नुकसान हस्तन तथा प्रोच्छन में होने वाली टूट फूट और काले निशान आते हैं। स्तम्भ 4 में दिए गए अनुपात के आंकड़े किसी भी नमूने के प्रभावित पत्तों के सम्पूर्ण क्षेत्र के प्रति निर्देश करते हैं।

अनुसूची XXXIV

(सामान्यतः तमिलनाडु राज्य में उपजाया जाने वाला) अविनिर्मित वायु संसाधित सिगार तम्बाकू (वर्जिणी)* रैपर लीफ (निकोटिआना टेबेकम) प्रकार 17 का श्रेणी अभिधान तथा क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	रंग@	बनावट	दाग%	आकार, रूप, कलेवर सुवास, ज्वलनशीलता	साधारण लक्षण	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
एस०टी० डब्लू 1	मध्यम जैतूनी हरा/मध्यम नारंगी भूरा	उत्तम से मध्यम साधारण मुलायम लचीला	5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा	40 से०मी० तथा उससे अधिक लम्बाई, पतला कलेवर, तैलिया, फैला हुआ, एक समान, कुछ पतली शिराओं पर दबा हुआ, अच्छी सुवास तथा साधारण ज्वलनशीलता	तम्बाकू के पत्ते — (1) रूप रंग, किस्म/प्रकार के लक्षण में युक्तियुक्त रूप से एक समान होंगे, (2) छूने पर परिपक्व ठोस लगेंगे, (3) पूर्णतया वायु-संसाधित और सुखाए हुए होंगे तथा उनमें उचित नमी होगी,	

1	2	3	4	5	6
एस टी डब्ल्यू 2	मध्यम जैतूनी हरा/मध्यम बादामी भूरा	उत्तम से मध्यम साधारण मुलायम लचीला	6 से 10 प्रतिशत के बीच होगा	30 से० मी० से मी० के बीच लम्बाई, पतला कलेवर, तैलिया, फैला हुआ, एक समान, कुछ पतली शिराओं पर दबा हुआ, अच्छी सुवास, तथा साधारण ज्वलनशीलता।	(4) कीटों द्वारा किए गए नुकसान यांत्रिक क्षति तथा नमी अथवा फंगस से होने वाले धब्बों से युक्तियुक्त रूप से मुक्त होंगे, (5) युक्तियुक्त रूप से छिद्रों से रहित होंगे।
एस टी डब्ल्यू 3	गाढ़ा जैतूनी हरा गाढ़ा बादामी या भूरा	मध्यम साधारण लचीला	11 से 15 प्रतिशत के बीच होगा	20 से० मी० से 30 से०मी० के बीच लम्बाई, मध्यम कलेवर, कम तैलिया, फैला हुआ, कुछ शिराओं पर दबा हुआ, साधारण सुवास तथा सामान्य ज्वलनशीलता।	
एस टी डब्ल्यू 4	गाढ़ा जैतूनी/हरा गाढ़ा बादामी भूरा या भूरा	मध्यम साधारण लचीला	16 से 20 प्रतिशत के बीच होगा	10 सेमी० से 20 सेमी० के बीच लम्बाई, मध्यम कलेवर, कम तैलिया, फैला हुआ, एक समान, कुछ शिराओं पर दबा हुआ साधारण सुवास तथा सामान्य ज्वलनशीलता।	

*सिगार रैपर लीफ (वायु-संसाधित) तम्बाकू में निकोटिग्राना टेबेकम की कोई भी देशी किस्म आ सकती है, किन्तु किसी भी नमूने अथवा आधान में के सभी पत्ते उक्त किस्म के एकरूप लक्षणों वाले होंगे।

@श्रेणीकरण में आकस्मिक गलतियों के लिए गुंजाइश रखने के लिए, पत्तों के रंग और बनावट के लिए अगली निम्नतर श्रेणी में के विनिर्देशों के समनुरूप, 1/16 की सहायता अनुज्ञात होगी।

%दाग हरे धब्बे, भूरे निशान और पीड़क जन्तु तथा रोगों से होने वाला नुकसान हत्थन तथा प्रोच्छन में होने वाली टूट फूट और काले निशान आते हैं। स्तम्भ 4 में दिए गए अनुपात के आंकड़े किसी भी नमूने के प्रभावित पत्तों के सम्पूर्ण क्षेत्र के प्रति निर्देश करते हैं।

अनुसूची XXXV

(सामान्यतः मैसूर राज्य में उपजाया जाने वाला) अनिर्मित वायु-संसाधित सिगार तम्बाकू (दक्षिणी)* रैपर लीफ (निकोटिग्राना टेबेकम) प्रकार का श्रेणी अभिधान तथा क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	रंग@	बनावट	दाग %	आकार, रूप, कलेवर, सुवास ज्वलनशीलता	साधारण लक्षण	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7
एस एम डब्ल्यू 1	हल्का बादामी भूरा	उत्तम से मध्यम साधारण मुलायम लचीला	5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा	40 से०मी० तथा अधिक लम्बाई मध्यम कलेवर, तैलिया, फैला हुआ, एक समान, बहुत चिकना, कुछ पतली शिराओं पर दबा हुआ, अच्छी सुवास तथा ज्वलनशीलता।	तम्बाकू के पत्ते— (1) रूप, रंग किस्म/प्रकार के लक्षणों में युक्तियुक्त रूप से एक समान होंगे, (2) छूने पर परिपक्व ठोस लगेंगे,	
एस एम डब्ल्यू 2	हल्का बादामी भूरा	उत्तम से मध्यम साधारण मुलायम लचीला	6 से 10 प्रतिशत के बीच होगा	30 से०मी० से 40 से०मी० के बीच लम्बाई मध्यम कलेवर, तैलिया, फैला हुआ, एक समान चिकना, कुछ पतली शिराओं पर दबा हुआ, अच्छी सुवास तथा ज्वलनशीलता।	(3) पूर्णतया वायु-संसाधित और सुखाए हुए होंगे तथा उनमें उचित नमी होगी, (4) कीटों द्वारा किए गए नुकसान, यांत्रिक क्षति तथा नमी अथवा फंगस से होने वाले धब्बों से युक्तियुक्त रूप से मुक्त होंगे, (5) युक्तियुक्त रूप से छिद्रों से रहित होंगे।	
एस एम डब्ल्यू 3	गाढ़े बादामी भूरे से भूरा	मध्यम साधारण लचीला	11 से 15 प्रतिशत के बीच होगा	20 से०मी० से 30 से० मी० के बीच लम्बाई मध्यम से भारी कलेवर, कम तैलिया, फैला हुआ, एक समान, कुछ शिराओं पर दबा हुआ, साधारण सुवास तथा ज्वलनशीलता।		

1	2	3	4	5	6	7
एस एम डब्ल्यू 4	गाढ़े बादामी भूरे से भूरा	मध्यम, साधारण लचीलापन	16 से 20 प्रतिशत के बीच होगा	10 सेमी० से 20 सेमी० के बीच लम्बाई, मध्यम कलेवर, कम तैलिया, फैला हुआ, एक समान कुछ शिराओं पर दबा हुआ, साधारण सुवास और ज्वलनशीलता।		

*सिगार रैपर लीफ (वायु संसाधित) तम्बाकू में निकोटिआना टेबेकम की कोई भी देशी किस्म आ सकती है, किन्तु किसी भी नमूने अथवा आधान में के सभी उस पत्ते एक रूप किस्म के लक्षणों वाले होंगे।

@श्रेणीकरण में आकस्मिक गलतियों के लिए गुंजाइश रखने के लिए पत्तों के रंग और बनावट के लिए अगली निम्नतर श्रेणी में के विनिर्देशों के समरूप 1/16 सहायता अनुज्ञात होगी।

%दाग में भूरे धब्बे, भूरे निशान और पीड़क जन्तु तथा रोगों से होने वाला नुकसान हस्तन तथा प्रोच्छन में होने वाली टूट फूट और वाले निशान आते हैं। स्तम्भ 4 में दिए गए अनुपात के आंकड़े किसी भी नमूने के प्रभावित पत्तों के सम्पूर्ण क्षेत्र के प्रति निदेश करते हैं।

[सं० एफ० 13-16/75-ए०एम०]

प्रकाश चन्द्र, अवर सचिव

New Delhi, the 12th June, 1979

S.O. 2243.—Whereas certain draft rules to amend the Tobacco Grading and Marking Rules, 1937, were published as required by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937, (1 of 1937) at pages 925 to 933 of the Gazette of India, Part II Section 3, Sub-section (ii), dated the 5th March, 1977, with the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Rural Development) No. S.O. 708, dated the 18th November, 1976, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of the period of one month from the date on which the copies of the Gazette containing the said notification are made available to the public ;

And whereas the said Gazette was made availabe to the public on the 5th March, 1977;

And whereas no objection or suggestion has been received from the public by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 3 of the said Act the Central Government hereby makes the following rules to amend the Tobacco Grading and Marking Rules, 1937, namely :—

1. These rules may be called the tobacco Grading and Marking (Amendment) Rules, 1979.

2. In the Tobacco Grading and Marking Rules, 1937, (i) in rule 7, relating to special conditions of a Certificate of Authorisation for the figure XVII the figure XXXVI shall be substituted;

(ii) Schedule XVII shall be renumbered as Schedule XXXVI and before it as so renumbered the following Schedule XVII to XXXV shall be inserted, namely :—

"SCHEDULE XVII"

Grade designation and definition of quality of unmanufactured Dark Western Firecured tobacco grown in Andhra Pradesh.

Grade designation	Colour	Texture	Body	Blemish	Size	Aroma
1	2	3	4	5	6	7
DWF	Brown to Dark Brown	Medium to coarse	Light to heavy	Not to exceed 1/4th Surface of the leaf.	Variable	Distinct Smoky aroma.

SCHEDULE XVIII

Grade designation and definition of quality of unmanufactured aircured cigar tobacco (Northern) (Commonly grown in West Bengal State)* Filler (Nicotiana tabacum) Type I

Grade designation	Colour@	Texture	% Blemish	Size, shape, body, aroma, burning	General Characteristics	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
NBF I	Olive green	Medium to average	Not to exceed 25%	Should not be less than 15 cm long. Free from dust or other extraneous matter light to heavy body, good to fair aroma and burning.	The leave shall— (1) be reasonably uniform in shape colour characteristic of the variety/type (2) be mature solid in feel	

1	2	3	4	5	6	7
NBF II	Olive green	Average to coarse	Not to exceed 65%	Medium to heavy body fair to average aroma and moderate burning, should not be less than 12 cm long. Free from dust or other extraneous matter.	(3) be throughly aircured and dried and with a reasonable moisture, (4) be reasonably free from damage caused by insects, machanical injury and staining due to moisture or fungus etc.	

*Cigar filler leaf (air cured) tobacco may include any of the indigenous varieties of Nicotiana tabacum but all the leaves in any samples or container shall have similar varietal characteristics.

@To allow for accidential errors in grading, tolerance of 1/16 for colour and texture in respect of leaves corresponding to the specification in the next lower grade shall be allowed.

%Blemish shall include green patches, brown spots and damage due to pest and diseases, breakage in handling sponging and black spots. The figures of proportion given in column 4 refer to the total area of leaves affected in any sample.

SCHEDULE XIX

Grade designation and definition of quality of unmanufactured aircured cigar tobacco (Northern) (Commonly grown in West Bengal, Bihar and Northern Indian States)* Filler (Nicotiana tabacum) Type II.

Grade designation	Colour@	Texture	%Blemish	Size, shape, body, aroma burning	General characteristics	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
NF I	Light to brownish Dark variable	Medium to average	Not exceed 25%	Should not be less than 15 cm. long. Free from dust for other extraneous matter, light to heavy body, fair aroma and burning.	The leaves shall:— (1) be reasonably uniform in shape, colour, characteristic of the variety/type.	
NF II	Light to brownish Dark variable	Average to course	Not to exceed 65%	Medium to heavy body, fair to average aroma and moderate burning, should not be less than 12 cm. long. Free from dust or other extraneous matter.	(2) be mature solid in feel. (3) be thoroughly aircured and dried and with a reasonable moisture. (4) be reasonably free from damage caused by insects, mechanical injury and staining due to moisture or fungus etc.	

*Cigar filler leaf (aircured) tobacco may included any of the indigenous varieties of Nicotiana tabacum but all the leaves in any sample or container shall have similar varietal characteristics.

@To allow for accidental errors in grading, a tolerance of 1/16 for colour and texture in respect of leaves corresponding to the next lower grade shall be allowed.

%Blemish shall include green patches, brown spots and damage due to pest and diseases, breakage in handling, sponging and black spots. The figures of proportion given in column 4 refer to the total area of leaves affected in any sample.

SCHEDULE XX

Grade designation and definition of quality of unmanufactured aircured cigar tobacco (Commonly grown in East and West Godavari of Andhara Pradesh State)* Filler (Nicotina tabacum) Type III.

Grade designation	@Colour	Texture	%Blemish	Size, shape, body, aroma, burning	General characteristics	Remakrs
1	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
CFF I	Brownish to light Dark	Medium to coarse	Not to exceed 25%	Should not be less than 15 cm long, free from dust or other extraneous matter light to heavy body, good to fair aroma and burning.	The leaves shall— (1) be reasonably uniform in shape, colour characteristic of the variety/type. (2) be mature solid in feel.	

1	2	8	4	5	6	7
CFF II	Brownish to light Dark.	Medium to coarse	Not to exceed 65%	Medium to heavy body, fair to average aroma and moderate burning, should not be less than 12 cm. long, free from dust or other extraneous matter.	(3) be thoroughly aircured and dried and with a reasonably moisture. (4) be reasonably free from damage caused by insects, mechanical injury and staining due to moisture or fungus etc.	

*Cigar Filler leaf (air cured) tobacco may include any of the indigenous varieties of Nicotiana tabacum but all the leaves in any sample or container shall have similar varietal characteristics.

@ To allow for accidental errors in grading, a tolerance of 1/16 for colour and texture in respect of leaves corresponding to the specifications in the next lower grade shall be allowed.

%Blemish shall include green patches, brown spots, and damage due to pest and diseases, breakage in handling, sponging and black spots. The figures of proportion given in column 4 refer to the total area of leaves affected in any sample.

SCHEDULE XXI

Grade designation and definition of quality of unmanufactured aircured cigar tobacco (Circar) (Commonly grown in Andhra Pradesh State)* Filler (Nicotiana tabacum) Type —IV.

Grade Designation	Colour @	Texture	Blemish %	Sixe, shape, body, aroma, burning	General Characteristics	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
COF I	Light Dark to Heavy Dark	Medium to coarse	Not to exceed 25%	Should not be less than 15 cm. long, free from dust or other extraneous matter, light to heavy body, good to fair aroma and burning.	The leaves shall— (1) be reasonably uniform in shape, colour characteristic of the variety type. (2) be mature solid in feel.	
COF II	Light Dark to Heavy Dark	Medium to coarse.	Not to exceed 65%	Medium to heavy body, fair to average aroma, and moderate burning. Should not be less than 12 cm. long. Free from dust or other extraneous matter.	(3) be thoroughtly airocured and dried and with a reasonable moisture. (4) be reasonably free from damage caused by insects, memechanical injury and staining due to moisture or fungus etc.	

*Cigar Filler leaf (Air cured) tobacco may include any of the indigenous varieties of Nicotiana tabacum but all the leaves in any sample or container shall have similar varietal characteristics.

@ To allow for accidental errors in grading a tolerance of 1/16 for colour and texture in respect of leaves corresponding to the specifications in the next lower grade shall be allowed.

%Blemish shall include greenpathes, brown spots, and damage due to pest and diseases, breakage in handling, sponging and black spots, the figures of proportion given in column 4 refer to the total area of leaves affected in any sample.

SCHEDULE XXII

Grade designation and definition of quality of unmanufactured aircured tobacco (Southern) (Commonly grown in Tamil Nadu State)* Filler (Nicotiana tabacum) Type V.

Grade designation	Colour @	Texture	%Blemish	Size, shape, body aroma, burning	General Characteristics	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
STF I	Light brownish to Dark/ heavy dark	Medium to coarse.	Not to exceed 25%	Should not be less than 15 cm. long, free from dust or other extraneous matter, light to heavy, Good to fair aroma and burning.	The leaves shall— (1) be reasonably uniform in shape, colour, characteristic of the variety/type, (2) be mature, solid in feel.	
STF II	Light brownish to Dark/heavy Dark.	Medium to coarse.	Not to exceed 65%	Medium to heavy body, fair to average aroma and moderate burning. Should not be less than 12 cm. long. Free from dust or other extraneous matter.	(3) be thoroughly air cured and dried and with a reasonable moisture, (4) be reasonably free from damage caused by insects, mechanical injury and staining due to moisture or fungus etc.	

*Cigar filler leaf (aircured) tobacco may include any of the indigenous varieties of Nicotiana tabacum but all the leaves in any samples or container shall have similar varietal characteristics.

@To allow for accidental errors in grading, tolerance of 1/16 for colour and texture in respect of leaves corresponding to the specifications in the next lower grade shall be allowed.

%Blemish shall include green patches, brown spots and damage due to pest and diseases, breakage in handling, sponging and black spots. The figures of proportion given in column 4 refer to the total area of leaves affected in any sample.

SCHEDULE XXIII

Grade designation and definition of quality of unmanufactured aircured cigar tobacco (Southern) (Commonly grown in Mysore State)* Filler (Nicotiana tabacum) Type VI

Grade Designation	Colour @	Texture	Blemish %	Size, shape, body, aroma, burning	General Characteristics	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
SMF I	Almond Brown Light to Brownish Dark	Medium to average	Not to exceed 25%	Shall not be less than 15 cm long free from dust or other extraneous matter, light to heavy body, good to fair aroma and burning	The leaves shall:— (1) be reasonably uniform in shape, colour, characteristics of the variety/type, (2) be mature solid in feel,	
SMF II	Almond Brown Light to Brownish Dark	Medium to average	Not to exceed 65%	Shall not be less than 12 cm long Free from dust or other extraneous matter, Medium to heavy body, fair to average aroma and moderate burning	(3) be thoroughly aircured and dried and with a reasonable moisture, (4) be reasonably free from damage caused by insects, mechanical injury and staining due to moisture or fungus etc.	

*Cigar filler leaf (air cured) tobacco may include any of the indigenous varieties of Nicotiana tobaccum but all the leaves in any sample or container shall have similar varietal characteristics

@To allow for accidental errors in grading, a tolerance of 1/16 for colour and texture in respect of Leaves corresponding to the specifications in the next lower grade shall be allowed.

%Blemish shall include green patches, brown spots and damage due to pest and diseases, breakage in handling, sponging and black spots. The figures of proportion given in column 4 refer to the total area of leaves affected in any sample.

SCHEDULE XXIV

Grade designation and definition of quality of unmanufactured aircured cigar tobacco (Northern) (Commonly grown in West Bengal)* Binder Leaf (Nicotiana Tabacum) Type VII

Grade Designation	Colour @	Texture	Blemish %	Size, shape, body, aroma, burning	General Characterstics	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
NBB I	Medium Olive green	Fine to medium fairly elastic	Not to exceed 10%	Length above 30 cm Thin to medium body, oily, depressed veins, good aroma and burning	The leaves shall— (1) be reasonably uniform in shape, colour, characterstic of the variety/type,	
NBB II	Medium Olive Green	Fine to Medium fairly elastic	Between 11 to 25%	Between 20 cm to 30 cm long, medium body, oily, depressed from prominent veings, good aroma and burning	(2) be mature solid in feel; (3) be thoroughly aircured and and dried with a reasonable moisture.	
NBB III	Medium to deep olive green	Medium Semi-elastic	Between 26 to 50%	Between 15 cm to 20cm long, medium body, less oily, depressed from prominent veins, fair aroma and moderate burning	(4) be reasonably free from damage caused by inspects, mechanical injury and staining due to moisture or fungus etc ; (5) be reasonably free from perforations.	

*Cigar binder leaf (aircured) tobacco may include any of the indigenous varieties of Nicotiana tabacum but all the leaves in any sample or container shall have similar varietal characterstics.

@To allow for accidental arrors ingrading, a tolerance of 1/16 for colour and texture in respect of leaves corresponding to the specifications in the next lower grade shall be allowed.

%Blemish shall include green patches, brown, spots, and damage due to pest and diseases, brakage in leaves effected in any sample sponging and black spots. The figures of proportion given in the column 4 refer to the total area of sponging.

SCHEDULE XXV

Grade designation and definition of quality of unmanufactured aircured cigar tobacco (Northern (Commonly grown in West Bengal, Bihar and Northern India States)* Binder Leaf (Nicotiana tabacum) type VIII

Grade designation	Colour @	Texture	Blemish %	Size, shape, body aroma, burning	General Characteristics	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
NB I	Medium to Almond Brown	Fine to Medium, Fairly elastic	Not to exceed 10%	Length above 30 cm thin to medium body, oily, depressed veins, good aroma and burning.	The leaves shall— (1) be reasonably uniform in shape, colour, characteristic of of the variety/type,	
NB II	Medium Almond Brown	-do-	Between 11 to 25%	Between 20 cm to 30 cm in length, medium body, oily, depressed from prominent veins, good aroma and burning.	(2) be mature solid in feel, (3) be thoroughly aircured and dried and with a reasonable moisture,	
NB III	Medium to deep almond brown	Medium semi-elastic	Between 26 to 50%	Between 15 cm to 20 cm long, medium body, less oily, depressed from prominent veins, fair aroma and moderate burning.	(4) be reasonably free from damage caused by insects, mechanical injury and staining due to moisture or fungus, etc. (5) be reasonably free from perforation.	

*Cigar Binder leaf (aircured) tobacco may include any of the indigenous varieties of Nicotiana tabacum but all the leaves in any sample or coniainer shall have similar varietal characteristics

@ To allow for accidental errors in grading, tolenance of 1/16 for colour and texture in respect of leaves corresponding to the specifications in the next lower grade shall be allowed.

%Blemish shall include green petches, brown spots and damage due to pest and diseases, breakage in handling sponging and black spots. The figures of proportion given in column 4 total to the total area of leaves affected in any sample.

SCHEDULE XXVI

Grade designation and definition of quality of unmanufactured aircured cigar tobacco (commonly grown in East and West Godavari Districts of Andhra Pradesh State)* Binder Leaf (Nicotiana tabacum) Type-IX

Grade designation	Colour @	Texture	Blemish %	Size, shape, body aroma, burning	General Characteristics	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
CEB I	Light brown to Light Mehagony Brown	Fine to Medium elastic	Not to exceed 10%	Length above 30cm, thin to medium body, oily, depressed less prominent veins, pleasant aroma and uniform burning.	The leaves shall: (1) be reasonably uniform in shape, colour, characteristic of the variety/type,	
CEB II	Medium brown to Medium Mehagony Brown	Medium Fairly elastic	Between 11 to 25%	Between 20cm to 30cm long, medium body, oily depressed, few prominent veins, pleasant aroma and uniform burning.	(2) be mature solid in feel, (3) be thoroughly aircured and dried and with a reasonable moisture,	
CEB III	Dark brown to Deep Mehagony brown	Medium Semi elastic	Between 26 to 50%	Between 15 cm to 20 cm long, medium body, less oily, medium depressed few prominent veins, fair aroma, moderate burning.	(4) be reasonably free from damage caused by insects, mechanical injury and staining due to moisutre or fungus etc., (5) be reasonably free from performation.	

*Cigar Binder Leaf (aircured) tobacco may include any of the indigenous varieties of Nicotiana tabacum but all the leaves in any sample or container shall have similar varietal characteristics.

@ To allow for accidental errors in grading, a tolerance of 1/16 for colour and texture in respect of leaves corresponding to specifications in the next lower grade shall be allowed.

%Blemish shall include green patches, brown spot and damage due to pest and diseases, breakage in handling, sponging and black spots. The figures of proportion given in column 4 refer to the total area of leaves affected in any sample

SCHEDULE XXVII

Grade designation and definition of quality of unmanufactured aircured cigar tobacco (Commonly grown in Andhra Pradesh State)* Binder Leaf (Nicotiana tabacum) Type X

Grade designation	@ Colour	Texture	% Blemish	Size, shape, body, aroma, burning	General Characteristics	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
CB I	Light Brown	Fine to Medium elastic	Not to exceed 10%	Lenght above 30 cm and thin to medium body, oily, depressed veins, pleasant aroma and uniform burning.	The leaves shall: (1) be reasonably uniform in shape, colour, characteristic of the variety/type,	
CB II	Medium brown	Medium, Fairly elastic	Between 11 to 25%	Between 20 cm to 30 cm long, medium body, oily, depressed few prominent veins, pleasant aroma and uniform burning.	(2) be mature solid in feel, (3) be thoroughly aircured and dried and with a reasonable moisture,	
CB III	Dark brown	Medium Semi-Elastic	Between 26 to 50%	Between 15 cm to 22 cm long, medium body, less oily, depressed few prominent veins, fair aroma and moderate burning.	(4) be reasonably free from damage caused by insects, mechancial injury and stainng due to moisture or fungus etc. (5) be reasonably free from perforation.	

*Cigar binder leaf (aircured) tobacco may include any of the indigenous varities of Nicotiana tabacum but all the leaves in any sample or container shall have similar varietal characteristics

@ To allow for accidental errors in grading, a tolerance of 1/16 for colour and texture in respect of leaves corresponding to the specifications in the next lower grade shall be allowed

% Blemish shall include green patches, brown spots and damage due to pest and diseases, breakage in handling, sponging and black spots. The figures of proportion given in column 4 refer to the total area of leaves affected in any sample.

SCHEDULE XXVIII

Grade designation and definition of quality of unmanufactured aircured cigar Tobacco (Southern) (Commonly grown in Tamil Nadu State)* Binder leaf (Nicotiana tabacum) Type-IX

Grade designation	@ Colour	Texture	% Blemish	Size, Shape, body, aroma, burning	General Characteristics	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
STB I	Light Brown to Light Mahagony	Fine to medium elastic	Not to exceed 10%	Lenght above 30 cm, thin to medium, body, oily, depressed less prominent veins, pleasant aroma and uniform burning.	The leaves shall:— (1) be reasonably uniform in shape, colour, characteristic of the variety/type,	
STB II	brown Medium brown to Medium Mahagony	Medium fairly elastic	Between 11 to 25%	Between 20 cm to 30 cm long, medium body, oily, depressed few prominent veins, pleasant aroma and uniform burning.	(2) be mature solid in feel, (3) be thoroughly aircured and dried and with a reasonable moisture,	
STB III	brown Dark Brown to Deep Mahagony Brown	Medium Semi-Elastic	Between 26 to 50%	Between 15 cm to 20 cm long, medium body, less oily, depressed few prominent veins, fair aroma, moderate burning.	(4) be reasonably free from damage caused by insects, mechanical injury and staining due to moisture or fungus etc. (5) be reasonably free from perforation.	

*Cigar binder leaf (aircured) tobacco may include any of the indegenous varieties of Nicotiana tabacum but all the leaves in any sample or container shall have similar varietal characteristics

@ To allow for accidental errors in grading, tolerance of 1/16 for colour and texture in respect of leaves corresponding to the specifications in the next lower grade shall be allowed

% Blemish shall include green patches, brown spots and damage due to pest and diseases, breakage in handling, sponging and black spots. The figures of proportion given in column 4 refer to the total area of leaves affected in any sample.

SCHEDULE XXIX

Grade designation and definition of quality of unmanufactured aircured cigar tobacco (Southren) (commonly grown in Mysore State)* Binderleas (Nicotiana tabacum) Type-XII

Grade designation	@ Colour	Texture	% Blemish	Size, shape, body aroma, burning	General characteristics	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
SMB I	Light brown elastic Light Dark Brown/- Mahagony brown Medium Olive green	Fine to medium, elastic	Not to exceed 10%	Lenght above 30 cm, thin to medium, body, oily, depressed veins, pleasant aroma and uniform burning.	The leaves shall:— (1) be reasonably uniform in shape, colour, characteristic of the variety/type, (2) be mature solid in feel,	
SMB II	Medium Brown Medium Mahagony Brown/- Deep Olive Green	Medium Fairly elastic	Between 11 to 25%	Between 20 cm to 30 cm long, medium body, oily, depressed few prominent veins, pleasant aroma and uniform burning.	(3) be thoroughly aircured and dried and with a reasonable moisture, (4) be reasonably free from damage caused by insects, mechanical injury, and staining due to moisture or fungus etc.	
SMB III	Dark Brown/- Deep Mahagony Brown/- Deep Olive Green	Medium Semi-elastic	Between 26 to 50%	Between 15 cm to 20 cm long, medium body, less oily, depressed few prominent veins, fair aroma and moderate burning.	(5) be reasonably free from perforation.	

*Cigar binder leaf (aircured) tobacco may include any of the indigenous varieties of Nicotiana Tabacum but all the leaves in any sample or container shall have similar varietal characteristics.

@To allow for accidental errors in grading, a tolerance of 1/16 for colour and texture in respect of leaves corresponding to the specifications in the next lower grade shall be allowed.

%Blemish shall include green patches, brown spots and damage due to pest and diseases, breakage in handling sponging and black spots. The figures of proportion given in column 4 refers to the total area of leaves affected in any sample.

SCHEDULE—XXX

Grade designation and definition of quality of unmanufactured aircured cigar tobacco (Northern) (Commonly Grown in West Bengal State)* Wrapper Leaf (Nicotiana tabacum) Type-XIII

Grade designation	@ Colour	Texture	% Belmish	Size, shape, body aroma, burning	General characteristics	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
NBW I	Light Olive Green	Fine, silky, elastic	Not to exceed 5%	Lenght 40 cm and above in body, very oily, very spready, uniform, depressed with few thin veins, good aroma and burning.	The leaves shall:— (1) be reasonably uniform in shape, colour, characteristic of the variety/type, (2) be mature solid in feel,	
NBW II	Light Olive Green	Fine, silky, elastic	Between 6 to 10%	Between 30 cm to 40 cm long, thin body, oily, fairly spready, uniform, depressed with few thin veins, good aroma and burning	(3) be thoroughly aircured and dired and with a reasonable moisture,	
NWB III	Medium Olive Green	Fine to Medium, fairly silky, semi-elastic	Between 11 to 15%	Between 20 cm to 30 cm long, medium body, less oily, medium spreadly uniform, depressed with few thin veins, fair aroma and burning.	(4) be reasonably free from damage caused by insects, mechanical injury and staining due to moisture or fungus	
NBW IV	Medium Olive Green	Fine to medium fairly, silky semi-elastic	Between 16 to 20%	Between 10 cm to 20 cm long, medium body, less oily, spready, uniform, depressed with few veins, Fair aroma and burning.	(5) be reasonably free from perforation	

*Cigar Wrapper leaf (aircured) Tobacco may include any of the indigenous varieties of Nicotiana tabacum but all the leaves in any sample or container shall have similar varietal characteristics

@To allow for accidental errors in grading, a tolerance of 1/16 for colour and texture in respect to leaves corresponding to the specifications in the next lower grade shall be allowed.

%Blemish shall include green patches, brown spots and damage due to pest and diseases, breakage in handling, sponging and black spots. The figures of proprtion given in column 4 refer to the total area of leaves affected in any sample.

SCHEDULE XXXI

Grade designation and definition of quality of unmanufactured aircured cigar tobacco (Northern) (Commonly grown in West Bengal, Bihar and Northern Indian States)* Wrapper leaf (Nicotiana tabacum) Type-XIV

Grade designation	Colour @	Texture	% Belmish	Size, shape, body, aroma, burning	General characteristics	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
NW I	Light Almond Brown	Fine Silky, elastic	Not to exceed 5%	Length 40 cm and above, thin body, very oily, very spready, uniform depressed with few thin veins, good aroma and burning.	The leaves shall:— (1) be reasonably uniform in shape, colour, characteristic of the variety/type, (2) be mature solid in feel,	
NW II	Light Almond Brown	Fine silky, elastic	Between 6 to 10%	Between 30 cm to 40 cm long, thin body, oily, fairly spready, uniform, depressed with few prominent thin veins, good aroma and burning.	(3) be thoroughly aircured and dried and with reasonable moisture,	
NW III	Medium Almond Brown	Fine to medium) fairly silky, semi-elastic	Between 11 to 15%	Between 20 cm to 30 cm long, medium body, less oily, spready, uniform, depressed with a few thin veins, fair aroma and burning.	(4) be reasonably free from damage caused by insects, mechanical injury and staining due to moisture or fungus,	
NW IV	Medium Almond Brown	Fine to medium, fairly silky, semi-elastic	Between 16 to 20%	Between 10 cm to 20 cm long, medium body, less oily, spready, uniform, depressed with few thin veins, fair aroma and burning.	(5) be reasonably free from performation	

*Cigar Wrapper Leaf (aircured) tobacco may include any of the indigenous varieties of Nicotiana tabacum but all the leaves in any sample or container shall have similar varietal characteristics.

@ To allow for accidental errors in grading, a tolerance of 1/16 for colour and texture in respect of leaves corresponding to the specifications in the next lower grade shall be allowed.

%Blemish shall include green patches, brown spots and damage due to pests and diseases, breakage in handling, sponging and black spots. The figures of proportion given in column 4 refer to the total area of the leaves affected in any sample.

SCHEDULE XXXII

Grade designation and definition of quality of unmanufactured aircured cigar tobacco (Circars) (Commonly grown in East and West Godavari District of Andhra Pradesh)* Wrapper Leaf (Nicotiana tabacum) Type-XV.

Grade designation	Colour @	Texuture	% Blemish	Size, shape, body aroma, burning.	General characteristics.	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
CEW I	Light Almond Brown	Fine to medium fairly silky, elastic	Not to exceed 5%.	Length 40 cm and above, medium body, oily, spready, uniform, very smooth, depressed and few thin veins, good aroma and burning.	The leaves shall :— 1. be reasonably uniform in shape, colour, characteristic of the variety/type,	
CEW II	Light Almond Brown	Fine to medium fairly silky, elastic	Between 6 to 10%.	Between 30 cm to 40 cm long, medium body, oily, spready, uniform ,smooth depressed with few thin veins, good aroma and burning.	2. be mature solid in feel, 3. be throughly aircured and dried and with a reasonable moisture,	
CEW III	Deep Almond Brown to Brown	Medium, fairly elastic	Between 11 to 15%.	Between 20 cm to 30 cm long, medium to heavy body, less oily, spready, uniform depressed with few veins, fair aroma and burning.	4. be reasonably free from damage caused by insects, mechanical injury and staining due to moisture or fungus etc.	
CEW IV	Deep Almond Brown to Brown	Medium fairly	Between 16 to 20%. elastic	Between 10 cm to 20 cm long, medium body, less oily, spready, uniform, depressed with few veins, fair aroma and burning.	5. be reasonably free from perforation.	

*Cigar wrapper leaf (aircured) tobacco may include any of the indigenous varieties of Nicotiana tabacum but all the leaves in any sample or container shall have similar varietal characteristics.

@ To allow for accidental errors in grading, a tolerance of 1/16 for colour and texture in respect of leaves corresponding to the specifications in the next lower grade shall be allowed.

%Blemish shall include green patches, brown spots and damage due to pest and diseases, breakage in handling, sponging and black spots. The figures of proportion given in colum 4 refer to the total area of leaves affected in any sample.

SCHEDULE XXXIII

Grade designation and definition of quality of unmanufactured cigar tobacco (Circars) (Commonly grown in Andhra Pradesh)* Wrapper Leaf (Nicotiana tabacum) Type-XVI.

Grade designation	@ Colour	Texture	% Blemish	Size, shape, body, aroma, burning	General Characteristics	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
COW I	Medium almond brown	Fine to medium, fairly silky, elastic.	Not to exceed 5%.	Length 40 cm and above, thin body, oily, spready, uniform depressed with few thin veins, good aroma with fair burning.	The leaves shall :— 1. be reasonably uniform in shape, colour, characteristic of the variety/type, 2. be mature solid in feel, 3. be throughly aircured and dried with a reasonable moisture, 4. be reasonably free from damage caused by insects, mechanical injury and staining due to moisture or fungus, 5. be reasonably free from perforation.	
COW II	Medium almond brown	Fine to medium, fairly silky, elastic.	Between 6 to 10%.	Between 30 cm to 40 cm long, thin body, oily, spready, uniform, depressed with few thin veins, good aroma with fair burning.		
COW III	Deep Almond Brown to dark brown	Medium, fairly, elastic	Between 11 to 15%.	Between 20 cm to 30 cm long, medium body, less oily, spready, depressed with few veins, fair aroma with moderate burning.		
COW IV	Deep Almond Brown to dark brown	Medium, fairly, elastic.	Between 16 to 20%.	Between 10 cm to 20 cm long, medium body, less oily, spready, uniform, depressed with few veins, fair aroma with moderate burning.		

*Cigar wrapper leaf (aircured) tobacco may include any of the indigenous varileles of Nicotiana tabacum but all the leaves in any sample or container shall have similar varietal characteristcs.

@ To allow for accidental errors in grading, a tolerance of 1/16 for colour and texture in respect of leaves corresponding to the specifications in the next lower grade shall be allowed.

%Blemish shall include green patches, brown spots and damage due to pest and diseases, breakage in handling, sponging and black spots. The figures of proportion given in column 4 refer to the total area of leave affected in any sample.

SCHEDULE XXXIV

Grade designation and definition of quality of unmanufactured aircured tobacco (Southern) (Commonly grown in Tamil Nadu State)* Wrapper Leaf (Nicotiana tabacum) Type-XVII.

Grade designation	@ Colour	Texture	% Blemish	Size, shape, body, aroma, burning.	General Characteristics	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
STW I	Medium Olive green/ medium almond brown	Fine to medium, fairly silky, elastic	Not to exceed 5%.	Length 40 cm and above, thin body, oily, spready, uniform, depressed with few thin veins, good aroma with fair burning.	The leaves shall :— 1. be reasonable uniform in shape, colour, characteristcs of the variety/type, 2. be mature solid in feel, 3. be throughly aircured and dried with a resonable moisture, 4. be reasonably free from damage caused by insects, mechanical injury and staining due to moisture or fungus, 5. be resaonably free from perforation.	
STW II	Medium Olive green/ medium almond brown	Fine to medium, fairly silky, elastic.	Between 6 to 10%.	Betwen 30 cm to 40 cm long, thin body, oily, spready, uniform, depressed with few thin veins, good aroma with fair burning.		
STW III	Deep Olive Green/Deep almond brown or brown	Medium, fairly, elastic.	Between 11 to 15%.	Between 20 cm to 30 cm long, medium body, less oily, spready, depressed with few veins, fair aroma with moderate burning.		
STW IV	Deep Olive Green/deep almond brown or brown	Medium, fairly, elastic.	Between 16 to 20%.	Between 10 cm to 20 cm long, medium body, less oily, spready, uniform, depressed with few veins, fair aroma with moderate burning.		

*Cigar wrapper leaf (aircured) tobacco may include any of the indigenous varieties of Nicotiana tabacum but all the leaves in any sample or container shall have similar varietal characteristics.

@ To allow for accidental errors in grading, a tolerance of 1/16 for colour and texture in respect of leaves corresponding to the specifications in the next lower grade shall be allowed.

%Blemish shall include green patches, brown spots and damage due to pest and diseases, breakage in handling, sponging and black spots. The figures of proportion given in column 4 refer to the total area of leaves affected in any sample.

SCHEDULE XXXV

Grade designation and definition of quality of unmanufactured aircured cigar tobacco (Southern) (Commonly Grown in Mysore State)* Wrapper Leaf (Nicotiana tabacum) Type-XVIII.

Grade designation	@ Colour	Texture	% Blemish	Size, shape, body, aroma, burning	General Characteristics	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
SMW I	Light almond brown	Fine to medium, fairly silky, elastic.	Not to exceed 5%	Length 40 cm and above, medium body, oily, spready, uniform, very smooth, depressed with few thin veins, good aroma and burning.	The leaves shall :— 1. be reasonably uniform in shape, colour, characteristic of the variety/type, 2. be mature solid in feel, 3. be throughly aircured and dried with a reasonable moisture, 4. be reasonably free from damage caused by insects, mechanical injury and staining due to moisture or fungus etc., 5. be reasonably free from perforations.	
SMW II	Light almond brown	Fine to medium, fairly silky, elastic.	Between 5 to 10%	Between 30 cm to 40 cm long, medium body, oily, spready, uniform, smooth, depressed with few thin veins, good aroma and burning.		
SMW III	Deep Almond brown to brown	Medium, fairly, elastic.	Between 11 to 15%	Between 20 cm to 30 cm long, medium to heavy body, less oily, spready, uniform depressed with few veins, fair aroma and burning.		
SMW IV	Deep Almond brow to brown	Medium, fairly, elastic.	Between 16 to 20%	Between 10 cm to 20 cm long, medium body, less oily, spready, unifom depressed with few veins, fair aroma and burning.		

*Cigar Wrapper Leaf (aircured) tobacco may include any of the indigenous varieties of Nicotiana tabacum but all the leaves in any sample or container shall have similar varietal characteristics.

@To allow for accidental errors in grading, a tolerance of 1/16 for colour and texture in respect of leaves corresponding to the specifications to the next lower grade shall be allowed.

%Blemish shall include green patches, brown spots and damage due to pest and diseases, breakage in handling, sponging and black spots. The figures of proportion given in column 4 refer to the total area of leaves affected in any sample.

[No. F.13-16/75-AM]
PRAKASH CHANDER, Under Secy.

शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय

(संस्कृति विभाग)

नई दिल्ली, 31 मई, 1979

का०आ० 2244.—राजभाषा (संघ के सरकारी प्रयोजनों के लिये प्रयोग) नियमावली, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुपालन में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार के निम्नलिखित कार्यालयों को जिनके स्टाफ ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है अधिसूचित करती है :—

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के कार्यालय :—

1. कार्यालय निदेशक (विज्ञान)
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
29 न्यू केन्ट रोड, देहरादून ।
2. कार्यालय, अधीक्षण पुरातत्वविद्
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
विक्रमशिला उत्खनन शाखा, पटना।
3. कार्यालय, अधीक्षण पुरातत्वविद्,
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
मध्यपूर्वी मंडल, पटना - 1
4. कार्यालय अधीक्षण पुरातत्वविद,
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
मध्यवर्ती मंडल, भोपाल।
5. कार्यालय मुख्य कृषि उद्यान,
विशेषज्ञ, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
ताजमहल, आगरा ।
6. कार्यालय सहायक अधीक्षण पुरातत्व,
रसायन, (रसायन शाखा) दिल्ली खण्ड,
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, सफदरजंग गेट हाउस, नई दिल्ली ।
7. कार्यालय, सहायक अधीक्षण उद्यान,
विशेषज्ञ, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, उत्तर पश्चिमी खंड,
सफदरजंग, मदरसा, नई दिल्ली ।
8. कार्यालय, अधीक्षण पुरातत्वविद,
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
भवन सर्वेक्षण परियोजना सफदरजंग
मदरसा, नई दिल्ली ।
9. कार्यालय, अधीक्षण पुरातत्वविद
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
पश्चिमी मंडल, बड़ोदरा ।

10. कार्यालय, अधीक्षण पुरालेखविद,
अरबी और फारसी अभिलेख,
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
नागपुर।

भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार के कार्यालय :—

1. भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार,
जनपथ, नई दिल्ली।

2. भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार,
सिविल लाइन्स, भोपाल।

3. भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार,
सी-42 ज्योति मार्ग, बापू नगर, जयपुर।

[सं० फा० 30-5/79-साधारण]

एस० एल० कौशल, उप सचिव

MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE

(Department of Culture)

New Delhi, the 31st May, 1979

S.O. 2244.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Language (use for the official purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following offices of the Archaeological Survey of India and National Archives of India, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi :—

Offices of the Archaeological Survey of India :

1. Office of the Director (Science),
Archaeological Survey of India,
29, New Cant Road, Dehradun.

2. Office of the Superintending Archaeologist,
Archaeological Survey of India,
Vikramshila Excavations Project,
Patna.

3. Office of the Superintending Archaeologist,
Archaeological Survey of India,
Mid-Eastern Circle, Patna-1.

4. Office of the Superintending Archaeologist,
Archaeological Survey of India,
Central Circle, Bhopal.

5. Office of the Chief Horticulturist,
Archaeological Survey of India,
The Taj Mahal, Agra.

6. Office of the Assistant Superintending Archaeological Chemist, (Chemistry Branch), Archaeological Survey of India, Safdarjung Gate House, New Delhi.

7. Office of the Aassistant Superintending Horticulturist,
Archaeological Survey of India.
Safdarjung Gate House,
New Delhi.

8. Office of the Superintending Archaeologist,
(Archaeological Survey of India, Western Circle,
Baroda.

9. Office of the Superintending Archaeologist, Archaeological Survey of India, Building Survey Project, Safdarjang Gate House, New Delhi.

10. Office of the Superintending Epigraphist, for Arabic and Persian Inscriptions, Archaeological Survey of India, Nagpur.

Offices of the National Archives of India:

1. National Archives of India, Janpath, New Delhi.

2. National Archives of India, Civil Lines, Bhopal.

3. National Archives of India, C-42, Jyoti Marg, Bapu Nagar, Jaipur.

[No. F. 30-5/79-Genl.]

S. L. KAUSHAL, Dy. Secy.

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 18 जून, 1979

का०आ० 2245.—केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 के नियम 9 के उपनियम (2) नियम 12 के उपनियम (2) के खंड (ख) और नियम 24 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति इसके द्वारा भारत सरकार, पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय (पुनर्वास विभाग) के दिनांक 20 सितम्बर, 1976 के आदेश संख्या 1(4)/68-सतर्कता का निम्न संशोधन करते हैं, अर्थात् :—

उक्त आदेश की अनुसूची में :—

(1) सामान्य केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' के भाग 1 में,

(i) "क, इंजीनियरिंग संगठन के पदों को छोड़कर मुख्य प्रशासक के विभाग के अधीन सभी कार्यालयों के पद" '6' शीर्ष के अधीन, मद संख्या 2 में, कालम 1 के इन्दराज में शब्द '6' कृषि और' "हटा दिए जाएंगे।"

(ii) "ख. मद संख्या क के अन्तर्गत इंदराज 2 के सामने दिया गया विभिन्न संगठनों के लिए तकनीकी स्टाफ" शीर्ष के अधीन—

(क) "1. कृषि तथा पशु पालन संगठन' उपशीर्ष और कालम 1 से 5 के अधीन इंदराजों के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जायगा, अर्थात् :—

1	2	3	4	5
"क्षेत्रों में कृषि विंग :				
1. अनुसंधान सहायक	संबंधित क्षेत्रों में क्षेत्रीय प्रशासक	संबंधित समस्त क्षेत्रों में क्षेत्रीय प्रशासक		उप मुख्य प्रशासक
2. वरिष्ठ तकनीकी सहायक	"	"	"	"
3. कनिष्ठ तकनीकी सहायक	"	"	"	"
4. सहकारी तथा पणन निरीक्षक	"	"	"	"
5. वरिष्ठ सर्वेक्षक	"	"	"	"
6. सर्वेक्षक/नक्शानवीस	"	"	"	"
7. फील्डमैन	"	"	"	"
8. ट्रैक्टर चालक	"	"	"	"
9. कामदार (प्रशिक्षित)	"	"	"	"
10. सहायक पणन तथा क्रय अधिकारी	"	"	"	"
11. मैकेनिक व पम्प चालक	"	"	"	"
12. ट्रक चालक	"	"	"	"
13. पम्प चालक	"	"	"	"
भूमि प्रयोगशाला का स्टाफ :				
14. वरिष्ठ तकनीकी सहायक	"	"	"	"
15. कनिष्ठ तकनीकी सहायक	"	"	"	"
16. रसायन अनुसंधान सहायक	"	"	"	"
17. ट्रेसर	"	"	"	"
18. फील्ड सहायक	"	"	"	"
19. प्रयोगशाला सहायक	"	"	"	"

(ख) "iv उद्योग संगठन" उपशीर्ष और कालम 1 से 5 के अधीन इंदराजों के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जायगा, अर्थात् :—

"iv उद्योग संगठन :	2	3	4	5
1. फोरमैन (वरिष्ठ)	संबंधित क्षेत्रों में क्षेत्रीय प्रशासक	संबंधित क्षेत्रों में क्षेत्रीय प्रशासक	समस्त	उप मुख्य प्रशासक
2. वरिष्ठ (प्रशिक्षक)	,,	,,	,,	,,
3. कनिष्ठ प्रशिक्षक	,,	,,	,,	,,
4. सहायक पर्यवेक्षक	,,	,,	,,	,,
5. प्रिंटिंग आपरेटर	,,	,,	,,	,,
6. प्रबन्धक	,,	,,	,,	,,
7. पर्यवेक्षक	,,	,,	,,	,,

2. साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह ब भाग II में,

(1) इंजीनियरिंग संगठन के पदों तथा क्षेत्रीय तथा जन जाति प्रशासकों तथा क्षेत्रीय प्रशासकों के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन कृषि तथा पशुपालन, चिकित्सा, लोक स्वास्थ्य, शिक्षा तथा उद्योग संगठनों के तकनीकी पदों के अलावा मुख्य प्रशासक के विभाग के अधीन सभी कार्यालयों के पद शीर्षक में क्रमशः "कृषि और" तथा "क्षेत्रीय तथा जनजाति प्रशासक और" के शब्दों को हटा दिया जाएगा।

(2) "ख. उपर्युक्त 'क' के सामने दिये गये विभिन्न संगठनों के तकनीकी पद" शीर्षक के अन्तर्गत (क) "1. कृषि तथा पशुपालन संगठन" उपशीर्षक और कालम 1 से 5 में दिए गए इंदराजों के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जायगा, अर्थात् :—

क्षेत्रों में कृषि विंग :	2	3	4	5
1. अध्यक्ष	संबंधित क्षेत्रों में क्षेत्रीय प्रशासक	संबंधित क्षेत्रों में क्षेत्रीय प्रशासक	समस्त	उप मुख्य प्रशासक
2. कामदार	,,	,,	,,	,,
भू प्रयोगशाला का स्टाफ :				
3. प्रयोगशाला पालक :	,,	,,	,,	,,
4. भू नमूना वाहक	,,	,,	,,	,,

(ख) उपशीर्ष "उद्योग" और कालम 1 से 5 में दिय गये इंदराजों के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"iv. औद्योगिक	2	3	4	5
1. भंडार परिचारक	संबंधित क्षेत्रों में क्षेत्रीय प्रशासक	संबंधित क्षेत्रों में क्षेत्रीय प्रशासक	समस्त	उप मुख्य प्रशासक

[सं० 1/4/68-सतर्कता]

धर्मेन्द्र देव, उप-सचिव

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

ORDER

New Delhi, the 18th June, 1979.

S.O. 2245. —In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following amendment to the order of the Government of India in the Ministry of Supply and Rehabilitation (Department of Rehabilitation) No. 1/4/68-/AV dated the 20th September, 1976, namely :—

In the Schedule to the said Order, —

1. In PART I GENERAL CENTRAL SERVICES, GROUP 'C',—

(1) under the heading "A. POSTS IN ALL OFFICES UNDER THE CHIEF ADMINISTRATOR'S DEPARTMENT EXCEPT POSTS IN THE ENGINEERING ORGANISATION", in item 2, in the entry in column 1, the words "Agricultural and" shall be omitted;

(2) under the heading "B. TECHNICAL STAFF OF VARIOUS ORGANISATIONS MENTIONED AGAINST ENTRY 2 UNDER ITEM A",—

(a) for sub-heading "1. Agriculture and Animal Husbandry Organisation" and the entries thereunder in columns 1 to 5, the following shall be substituted, namely :—

1	2	3	4	5
"I. Agricultural Wing in the Zones :				
1. Research Assistant	Zonal Administrator in the respective zones.	Zonal Administrator in the respective zones.	All	Deputy Chief Administrator
2. Senior Technical Assistant	-do-	-do-	-do-	-do-
3. Junior Technical Assistant	-do-	-do-	-do-	-do-
4. Cooperative-cum-Marketing Inspector	-do-	-do-	-do-	-do-
5. Senior Surveyor	-do-	do-	-do-	-do-
6. Surveyor/Draftsman	-do-	-do-	-do-	-do-
7. Fieldman.	-do-	do-	-do-	-do-
8. Tractor Driver	-do-	-do-	-do-	-do-
9. Kamdar (Trained)	-do-	-do-	-do-	-do-
10. Assistant Marketing and Purchase Officer	-do-	-do-	-do-	-do-
11. Mechanic-cum-Pump Driver	-do-	-do-	-do-	-do-
12. Truck Driver	-do-	-do-	-do-	do-
13. Pump Driver	-do-	-do-	-do-	-do-
Staff of Soil Laboratory :				
14. Senior Technical Assistant	-do-	-do-	-do-	-do-
15. Junior Technical Assistant	-do-	-do-	-do-	-do-
16. Chemical/Research Assistant	-do-	-do-	-do-	-do-
17. Tracer	-do-	-do-	-do-	-do-
18. Field Assistant	-do-	-do-	-do-	-do-
19. Laboratory Assistant	-do-	do-	-do-	-do-

(b) for sub-heading "IV. INDUSTRIES ORGANISATION", and the entries there under in columns 1 to 5, the following shall be substituted, namely :—

1	2	3	4	5
"IV. INDUSTRIES ORGANISATION :				
1. Foreman (Senior)	Zonal Administrator in the respective zones.	Zonal Administrator in the respective zones.	All	Deputy Chief Administrator
2. Senior Instructor	-do-	-do-	-do-	-do-
3. Junior Instructor	-do-	-do-	-do-	-do-
4. Assistant Supervisor	-do-	-do-	-do-	-do-
5. Printing Operator	-do-	-do-	-do-	-do-
6. Manager	-do-	-do-	-do-	-do-
7. Supervisor	-do-	-do-	-do-	-do- "

2. In PART II GENERAL CENTRAL SERVICES, GROUP 'D',—

(1) In the heading "A. POSTS IN ALL OFFICES UNDER CHIEF ADMINISTRATOR'S DEPARTMENT EXCEPT POSTS IN THE ENGINEERING ORGANISATION AND TECHNICAL POSTS OF AGRICULTURE AND ANIMAL HUSBANDRY, MEDICAL PUBLIC HEALTH EDUCATION AND INDUSTRIES ORGANISATIONS UNDER THE ADMINISTRATIVE CONTROL OF ZONAL AND TRIBAL ADMINISTRATORS AND ZONAL ADMINISTRATORS the words, "AGRICULTURE AND" and the words "IN ZONAL AND TRIBAL ADMINISTRATOR AND" shall respectively be omitted;

(2) under heading "B. TECHNICAL POSTS OF VARIOUS ORGANISATIONS MENTIONED AGAINST 'A' ABOVE,—

(a) for sub-heading "I. Agricultural and Animal Husbandry Organisation" and entries thereunder in columns 1 to 5, the following shall be substituted, namely :—

1	2	3	4	5
"I. AGRICULTURE WING IN THE ZONES :				
1. Chairman	Zonal Administrator in the respective zones.	Zonal Administrator in the respective zones.	All	Deputy Chief Administrator
2. Kamdar (Untrained)	-do-	-do-	-do-	-do-
STAFF OF SOIL LABORATORY :				
3. Laboratory Keeper	-do-	-do-	-do-	-do-
4. Soil Sample Carrier	-do-	-do-	-do-	-do- "

(b) for sub-heading "IV. INDUSTRIES" and the entries thereunder in columns 1 to 5, the following shall be substituted, namely :—

1	2	3	4	5
"IV. INDUSTRIES :				
1. Store Attendant	Zonal Administrator in the respectiive zones.	Zonal Administrator in the respective zone.	All	Deputy Chief Administrator,"

[No. 1/4/68-AV]
DHARMENDRA DEO, Dy. Secy.

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 19th June, 1979,

S.O. 2246.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of North Tisra Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Khas Jeenagora, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 11th June, 1979.

BEFORE SHRI S. N. JOHRI, B.Sc., LL.M, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Sec. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 63 of 1977

PARTIES :

Employers in relation to the management of North Tisra Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited, P.O. Khas Jeenagora, District Dhanbad.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the Employers—Shri G. Prasad, Advocate.
On behalf of the Workmen.—Shri H. N. Singh, Vice-President, Koyla Ispat Mazdoor Panchayat, P.O. Jharia.

State : Bihar Industry : Coal

Jabalpur, dated, the 2nd June, 1979.

AWARD

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide it's Order No. L-20012/142/75-DIIIA, dated 9-6-1976 for the adjudication of the following industrial dispute :

"Whether the action of the management of North Tisra Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited Post Office Khas Jeenagora District Dhanbad in not regularising S/Shri Nar Singh Rai, Sri Mansuna Rai, Kanhai Modi, Jhuri Chauhan, Sohan Modi and S/Smt. Samla Modin, Sonamuni Manjhain, Kalia Beldarin, Chatia Beldarin and Bimla Modin is justified ? If not, to what relief are the workmen entitled and from what date ?"

2. The case of the union is that these workmen, who are working as casual Wagon loaders long since, should have been regularised looking to the permanent nature of work they are doing and looking to their attendance. Their service

conditions were changed without notice. The management manipulated to keep down their attendance by illegally stopping them from work for 2 or 3 days in a week so as to avoid regularising them, with the result that they have been deprived of all the benefits flowing from such regularisation e.g. sick leave and annual leave with wages. Besides these benefits the union claims compensation for illegal stoppage from work.

3. Management has denied all these allegations including the allegation of change of service conditions. It has shown bonafides how attempt was made to engage them in alternate jobs for augmenting attendance. The work of wagon loaders is essentially a casual nature of job depending on the erratic supply of wagons. The reference is alleged to be bad in law being vague and confusing.

4. Parties relied on circulars issued by B.C.C.L. and the attendance chart filed in the file of A.L.C. According to chart :

1. Sri Narsingh had attendance of 249 days in 1973
2. Sri Mansuma Rai had attendance of 271 days in 1974
3. Sri Kanhai Modi had attendance of 244 days in 1973 Sri Kanhai Modi had attendance of 300 days in 1974
4. Sri Jhuri Chauhan had attendance of 284 days in 1974 .
5. Smt. Kalia Beldarin had attendance of 265 days in 1974
6. Smt. Chatia Beldarin had attendance of 241 days in 1974
7. Sri Sohan Modi had attendance of 245 days in 1974

It is again admitted at the bar that B.C.C.L. circular No. CPM : PA-1 : 77/32028-62 dated 24th June 1977 has been amended subsequently by circular No. BCCL/IR/2(1)/77/53440-522 dated 27-9-77 which circulated record note of discussions with Central Consultative Committee held on 17-9-77. It lays down the rule of completion 240 days attendance in any one calendar year instead of in any two calendar years successively as qualifying for regularisation. Thus the aforesaid seven workmen if not already deserve to be regularised with effect from 1-7-77 or before shall be so regularised with effect from 1-7-1977. Attendance of others for the years 1975 and 1976 should also be scrutinised and if they or any one or more of them complete 240 days in any one of these calendar years the management should regularise them as well.

5. There is no evidence of wilful stoppage from work with any ulterior motive. If there are no wagons or there is no work how can the management be compelled to provide work to the wagon loaders. There is no evidence of change of working conditions.

6. It is therefore held that S/Shri Narsingh, Mansuma Rai, Kanhai Modi, Jhuri Chauhan, Smt. Kalia Beldarin, Smt. Chatia Beldarin and Sri Sohan Modi shall be regularised with effect from 1-7-77 if they have not been already regularised from that date or from an earlier date.

7. The management shall examine the attendance of others during calendar years 1975 and 1976 and regualrised them with effect from 1-7-77 if any one or more of them qualify for regularisation on the principle of working 240 days in a calendar year.

8. The management shall further pay such regularised workmen wages for the days of breaks if any in respective cases after 1-7-77 and shall further compensate them in money for the other benefits such as sick leave and leave with wages etc. with effect from 1-7-77, as are available to the regularised labour.

9. Reference is answered accordingly.

S. N. JOHRI, Presiding Officer

[No. L-20012/142/75-D.III(A)]

S.O. 2247.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Rajhara Colliery of Central Coalfields Limited, Post Office Rajhara, District Palamau and their workmen which was received by the Central Government on the 11th June, 1979.

BEFORE SHRI S. N. JOHRI, B.Sc., LL.M, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Sec. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 72 of 1977

PARTIES :

Employers in relation to the management of Rajhara Colliery of Central Coalfields Limited, Post Office Rajhara, District Palamau.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the Employers.—Shri T. P. Choudhury, Advocate.

On behalf of the Workmen.—Shri S. Bose, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Dhanbad.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Jabalpur, the 1st June, 1979.

AWARD

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide its Order No. L-20012/236/76-D.IIIA dated the 30th April, 1977, for the adjudication of the following industrial dispute :

"Whether the action of the management of Rajhara Colliery, Post Office Rajhara, District Palamau of Messrs Central Coalfields Limited in stopping the following Coal Loaders from work is justified ? If not, to what relief are the said workmen entitled ?

Sl. No. Name of the workman.

1. Habib Mian.
2. Basudeo Mian.
3. Kasim Mian.
4. Nizam Mian.
5. Karim Mian.
6. Sakruddin Mian.
7. Lakhan Nonia.
8. Pragash Singh.
9. Bhuneshwar Mahto.
10. Ram Karesh Bhuia.
11. Naresh Saw.
12. Rahtalal Mallah (Mahto).
13. Ram Sunder Mallah (Mahto).
14. Murion Mallah (Mahto).
15. Thengu Mahto.
16. Ram Raj Mahto (Mallah).
17. Gayani Mahto.
18. Jheri Singh.
19. Loknath Mahto.

20. Namdeo Gareri.

21. Tetar Bhuia.

22. Kamal Mahto.

23. Adit Mahto.

24. Kedar Kahar.

25. Bishun Bhuia.

26. Pragash Bhuia."

2. Undisputed facts of the case are that Rajhara Colliery is being worked through one Shaft, one incline and one quarry. The old owners of the mine were M/s. Ram Saran Das & Brothers. They were themselves working the pit and the incline but the quarry was being worked through contractor M/s. Surat Pandey & Sons who employed labourers for removing the over burden and coal loading. These Contractor's labourers could be deputed from one job to the other. The mine was nationalised with effect from 1-5-73 and the work of coal loading from the quarry was taken up by Coal Mine Authority departmentally with effect from 7-5-73. Removal of over burden still continued with the contractor. This removal of over burden was also departmentalised with effect from 1-5-76. We are not much concerned with the labourers engaged in removing over burden because the reference is confined to coal loaders only.

3. Obviously with a view to absorb the contractor's labourers engaged in coal loading, two lists were prepared by the management. They may be called List-A Ext. M-1 showing the man-power in 1972 upto the end of 1 t quarter of 1973. Another list was prepared known as List-B (Ext. W-2) showing the number of days a workman worked from January 1973 to March 1973. It is also in the file of A.L.C. He had conducted conciliation proceedings when the dispute was raised and the management field both the lists during those proceedings. There is yet another list of 17 plus 21 workmen filed in two parts before the A.L.C. showing the names of the coal loaders who worked from quarter ending June, 1973 to December, 1975. I would call this list as List-C.

4. Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh (RCMS) raised a dispute about 91 workmen engaged in the colliery, 51 out of whom were alleged to be appointed as coal loaders since the time of private owner. Ultimately many of the coal loaders with respect to whom the dispute had been so raised could not be personally produced before the A.L.C. for verification and therefore ultimately the dispute remained confined only to these 26 workmen.

5. The management's case is that Sl. Nos. 1, 2, 3, 4, and 6 (of the schedule of the reference) worked only for 2 or 3 days in the fortnight ending May 1973. Sl. Nos. 7 and 25 never worked. Sl. No. 8 worked 50 days during the fortnight ending 19-5-73 to 3-11-73. There were no workers of the name of Rahtalal Mahato. Murion Mallah, Nandeo Garari and Kamal Mahto. If their correct names were Tahal Mallah, Muni Mallah, Nand Deo Garari and Kamat Mahto respectively, then the management admitted that they had worked from 11-8-73 to 23-8-75, 14-7-73 to 9-8-75, 14-7-73 to 23-8-74 and 6-10-73 to 12-7-75 respectively. It was alleged that the reference with respect to these four workers could not therefore proceed. The rest of the workers named in the schedule appear to have worked sometime or the other between the period from fortnight ending 2-6-73 to fortnight ending 23-8-75 but they left the service in September 75 of their own accord. In fact their names were not included in any of the lists. It was alleged that the reference was bad because it was too vague as no date of stoppage was given against the name of all these persons. The reference was also alleged to be bad because the sponsoring union had no locus standi or the authority to raise the dispute. The only union which was functioning was RCMS claimed affiliation with HMS and not the RCMS which claims association with INTUC. The case is being contested by the latter union RCMS affiliated to HMS has not contested the case.

6. It was alleged by RCMS affiliated to INTUC with Registered No. 1378/69 that the union of that name and registered number affiliated to HMS does not exist. The dispute had been contested throughout by the INTUC union. Once sponsored the dispute can be taken up by any other representative union even though it may not be a recognised union. That will not create any invalidity on the part of the reference. It is alleged that all the workers named in the reference were old workers. They were removed from coal loading to the work of removal of over burden and thereafter they were almost eliminated from this field of coal loaders on the plea that they were not coal loaders.

7. As is clear from the reference, the sponsoring union is Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh (RCMS). By letter dated 17-9-75 (Ext. W-1) R.C.M.S. raised the dispute. The President Sri A. K. Singh, M.L.A. used the printed letter head of Rajhara Colliery Rashtriya Mazdoor Trade Union Congress which showed affiliation to INTUC vide Registered No. 1379/69 but it is clear on Ext. W-1 that correction was made on the printed part of the letter head and instead it was written by hand that the letter was from RCMS. This correction is apparent on first and second page of the printed part of the letter head in Ext. W-1 of course the rubber stamp under the signatures of Sri A. K. Singh describes the union as Rajhara Colliery Rashtriya Mazdoor Trade Union Congress (RCRMTUC). Letter Ext. W-2 dated 4-10-1975 is in continuation of the letter Ext. W-1 and refers to it. It is thus obvious that both the letters were written by the Chairman of the same union. This printed letter head is also of RCRMTUC. Thereafter Shri A. K. Singh had a meeting with M. D. of C. C. L. in Darbhanga House, Ranchi on 4-10-1975. Some action was initiated and then he again wrote the letter Ext. W-3 on 5-1-1976. This is on plainpaper. Here he clearly described himself as Chairman of RCMS. After that Shri A. K. Singh addressed a representation of A. L. C. on 24-1-1976 which is Ext. M-10A (Covering letter is Ext. M-10). In both these he clearly described himself as Chairman of RCMS (affiliated to INTUC). Ext. M-10 is on the letter head of RCMS. Letter Ext. M-10A mentions that this union took up the matter with the management and then a meeting was held with M. D. on 4-10-1975.

8. All these references point to Ext. W-1, W-2 and W-3 mentioned above and establish that from the very beginning Shri A. K. Singh, M.L.A. who raised the dispute, was the Chairman of RCMS and it is only that union which had raised the dispute. All these letters have to be read in continuation and not in isolation. They further prove that this sponsoring union RCMS was affiliated to INTUC. There is no evidence that any other union of that name and registration number was affiliated to KMS nor there is evidence that KMS affiliated union ever sponsored the dispute. It is no body's case that RCRMTUC sponsored the dispute hence use of a printed letter head or seal of different non-existing union as certified by Registrar of Trade Unions vide Ext. M-15 is of no consequence. I am therefore convinced that the dispute was from the very beginning raised and sponsored by RCMS affiliated to INTUC. Management has admitted in para 3 of written statement that RCMS is the recognised union. As the existence of any union of the name of RCMS affiliated to HMS is not proved so it will be presumed that this RCMS affiliated to INTUC was the only existing union and as such was the recognised union. The confusion created in the arguments about the arguments about the real sponsoring union and Shri A. K. Singh changing allegience from one union to the other can therefore be of no help to the management. The law on the point is clear that even an unregistered minority union could successfully raise the industrial dispute.

9. The stand of the management from the beginning is that Karim Mian Sl. No. 5, Lakhan Nonia S. No. 7, Rahtalal Mallah Sl. No. 12, Murion Mallah Sl. No. 14, Namdeo Gareri Sl. No. 20, Kamal Mahto Sl. No. 22 and Bishan Bhuia Sl. No. 25 never worked in the quarry as coal loaders either before nationalisation with the contractor or after nationalisation with the company. Their names do not appear in List-A Ext. M-1, List-B Ext. M-2 or in any other list. There is no evidence that Karmu Mian, Tahal Mallah, Muni Mallah, Nand Deo Gareri and Kamat Mahto are the mis-spelt names of Karim Mian, Rahtalal Mallah, Murion Mallah, Nandeo Gareri and Kamal Mahto respectively or vice-versa. Mere bald statement of the union leader WW-1 that he had seen all these persons working in the quarry when it was nationalised can be of no help in estabilshing their identity with respect of these names. He has not made any specific statement about these workmen and has not said as to whether their name was mis-spelt in the reference

or in the lists prepared by the management or the listed ones were totally different persons. These persons therefore cannot lay any claim to the post of coal loaders.

10. This is not the case where under the provisions of Nationalisation Act the workers acquired a right of continuance in service. After the nationalisation on 1-5-1973 the contract continued till 7-5-1973. The contract was not nationalised under the Act. It was rescinded with respect to coal loading on 7-5-1973 and the Government Company decided to undertake that part of the work departmentally. Contract Labour (Regulation and Abolition) Act does not put in liability on the principle employer to provide employment to such labourers if the contract is rescinded. The services of the coal loaders of the contractor thus came to an end vis-a-vis the company principle employer as soon as the contract for coal loading was rescinded. They could however continue in the employment of the contractor if he needed their services. Thus there was no legislative compulsion on C.M.A. to give employment to the contractor's coal loaders.

11. Learned counsel for the union has relied on Hussainbhai vs. Alath Factory Tezhil Ali Union AIR 1978 SC 1410 for the proposition that the contractor was only an intermediary and the workers produced goods for the benefit of the principle employer, therefore the principle employer should be deemed to be the real employer of the contract labourers and as such the contract labourers acquired a right under the Nationalisation Act to continue in services of the real principle employer namely C.M.A. Whatever be the position hardly two persons namely Habib Mian Sl. No. 1 and Kasim Mian Sl. No. 3 could qualify through that deeming device because the name of Habib Mian appears in the list Ext. M-1 at Sl. No. 20 and the name of Kasim Mian appears in the list at Sl. No. 77 and they are shown to be working as coal loaders since 4-1-1971 and 13-3-1971 respectively. No other workmen named in the reference has been named in this list. However, abandonment of employment, as alleged by the management, can well be presumed in their case because they were last in employment in June, 1973. Nither they nor any body on their behalf ever cared to raise a voice or allege till September 1975 that they were forcibly stopped from work.

12. Basudeo Mian Sl. No. 2, Nizam Mian Sl. No. 4 and Sakruddin Mian Sl. No. 6 worked for 2 or 3 days in June 1973 as per list C and also per Chart filed after arguments on the direction given by this Tribunal. It is marked as Ext. A which is the same as List-C filed before R. L. C. Pragas Singh Sl. No. 8 worked only for 50 days Even if it is presumed that they were stopped the period of their working was so short that no right to reinstatement accrued to them They have thus no case. Abandonnent can be presumed in their cases as well.

13. Rest of them (15 in number) except those whose names have been discussed above came in the employment of the C.M.A. for the first time after departmentalisation of the coal loading process. They worked for about more than two years intermittently till August, 1975.

14. The management's case is that all these 15 workers left their job voluntarily. Their presumption is that they did so because they were persons from neighbouring villages who were more careful about their fields and agriculture operations. They admittedly worked till about the end of 3rd week of August, 1975 and hardly after three weeks the question that they were forcibly turned out was raised by the union vide Ext. W-1 on 17-9-1975. Even if it is presumed that they absented themselves from 23-8-1975 onwards no intention of abandonment can be presumed when within three weeks the union made an allegation that they had been forced out of the employment for ulterior motives and illegal gains. Atleast this letter Ext. W-1 indicates that these persons had no intention to abandon the employment. For voluntary absence without permission the management could have taken suitable action under Standing Orders.

15. It is true that in the beginning the dispute was raised with respect to about 91 workers. After the scrutiny the names were reduced to 50 and then ultimately the dispute of only 26 workers was referred because only 26 persons could be produced before the A. L. C. for verification about their claim and intention to get back into the service. This also goes to show that these persons had no intention and did not in fact abandon the service.

16. However, even if it is believed that they were stopped from work by the management, the Chart Ext. A goes to show that they were not in employment in October, 1974 which is the period of commencement of 12 preceeding months from the date of stopping them from work sometime in September or October, 1975. They were thus not in employment for a period of 12 preceeding months. Nor they had completed 240 days. Thus protection of S. 25-F of I. D. Act was not available to them as well as to other workmen. Their service could well be terminated without notice. They also had thus no right to continue in service.

17. None of the 26 workmen is terefore entitled to any relief whatsover. Reference is answered accordingly.

S. N. JOHRI, Presiding Officer

[No. L-20012/236/76. D. III (A)]

S.O. 2248.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Shampur 'A' Colliery of Messrs Eastern Coalfields Limited, Post Office Nirsachatti, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th June, 1979.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 3, D

Reference No. 72 of 1977

In the matter of an industrial dispute u|s 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Shampur 'A' colliery of Messrs Eastern Coalfields Limited, Post Office Nirsachatti, District hanbad.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers—Shri N. C. Dash, General Manager, M|s. Eastern Coalfields Ltd.

On behalf of the workmen—Shri K. S. Chatterjee, MLA

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal

Dhanbad, 30th May, 1979|9th Jyaistha, 1901 (Saka)

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to teh management of Shampur 'A' colliery of Messrs Eastern Coalfields Limited, Post Office Nirsachatti, District Dhanbad and their workmen. Accordingly they, by order No. L-20012/5/77-DIIIA, dated 3rd September, 1977 referred the said dispute to this Tribunal u/s 10(1) (d) of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication with the following issue framed.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Shampur 'A' colliery of Messrs Eastern Coafllelds Limited, Post office Nirsachatti, istrict Dhanbad in dimissing Shri B. C. Sahni, Provident Fund clerk with effect from 29th March, 1976 is justified ? If not, to what relief is the said wrkmen entitled ?"

After receipt of the reference written statements were filed by the employers as also by the workmen. The reference thereafter proceeded along its course and ultimately on 4-7-1978 a memorandum of settlement was filed by the parties incorporating therein the terms of settlement arrived at between them in respect of the industrial dispute pending for adjudication in this Tribunal. I heard the parties on the joint petition and it is prayed before me that an award may be passed in terms of the settlement as filed. It appears that the settlement in its turn has been signed by the authorised

representative of M/s. Eastern Coalfields Limited on behalf of the employers and by Shri K. S. Chatterjee, M.L.A., representing the workmen. The workman concerned in this reference has also signed the memorandum of settlement. The terms of the settlement, beneficial as they are to the parties, are accepted. Nothing therefore stands in the way of an award being passed on the basis of the memorandum of settlement. Accordingly, I pass the award in terms of the memorandum of settlement which do form a part of the Award as Annexure 'A'.

J. P. SINGH, Presiding Officer

Memorandum of Settlement between the Management of Shampur 'A' Colliery of M/s. Eastern Coalfields Ltd. and their workmen, represented by the Bihar Colliery Kamgar Union, made this the 17th day of April, 1978.

PRESENT

On behalf of the Management:

1. Shri N. C. Dash, General Manager
2. Shri M. P. Singh, Dy. P.M.

On behalf of the Workmen:

1. Shri K. S. Chatterjee, M.L.A. and Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union.

PREAMBLE:

S/Shri B. C. Sahani, Provident Fund Clerk, K. C. Dutta, Attendance Clerk, Bhola Nath Mondal, Mining Sardar, were dismissed for misconduct for alleged tampering of Form 'B' Register, helping impersonation of workmen, showing negligence of duty etc. after a domestic enquiry following a charge sheet dated 28-8-1975 Industrial disputes were raised on their behalf, which are pending before the Central Govt. Industrial Tribunal No. 3 at Dhanbad, and which are numbered as Reference No. 72 of 1977, 73 of 1977 and 85 of 1977 respectively and are pending for adjudication.

All the concerned workmen have appealed to the Chairman-cum-Managing Director for their reinstatement.

Their cases were duly considered by the management on the background that at least two officers of the colliery were involved in this affair and in fact, they were aware of this impersonation. One of the Officers was also proceeded against.

There was free and frank discussion between the management and Shri K. S. Chatterjee of the Bihar Colliery Kamgar Union, who sponsored the cases of the workmen before the Chairman-cum-Managing Director. In the background of very good industrial relations with the Bihar Colliery Kamgar Union, particularly after Shri K. S. Chatterjee has taken over the stewardship, the Chairman-cum-Managing Director has been pleased to agree on principle to the reinstatement of all the three concerned workmen, as stated above, to maintain industrial relations although the misconduct against them had been fully established and was indeed serious.

It is, therefore, agreed as follows:—

(1) That S/shri B. C. Sahni, Provident Fund Clerk, K. C. Dutta, Attendance Clerk and Bhola Nath Mondal, Mining Sardar of Shampura 'A' Colliery are hereby reinstated in their services, with immediate effect but they will not get any back wages from the date of their dismissal till the date of joining their posts.

(2) That the entire period of their absence will be treated as leave without pay but their continuity of services will not be broken for the purpose of gratuity and/or other benefits.

(3) That the concerned workmen undertake not to indulge in such type of misconduct in future and assure the management of their full loyal cooperation.

(4) It is agreed that a copy of this settlement shall be forwarded to the A. L. C. (Central) (Conciliation Officer), Dhanbad as required under Rule 58(4) of the Industrial Disputes Act.

(5) It is further agreed that required number of copies of this settlement shall be filed before the Central Govt. Industrial Tribunal No. 3 at Dhanbad in each of the three references pending there with the prayer that the Tribunal will give his award in terms of this settlement.

For and on behalf of the Management.
Sd/-

For and on behalf of the Workmen
Sd/-
B. C. SAHANI
Sd/-
B. N. MONDAL
Sd/-
K. C. DUTTA
Witnesses.
Sd/-
K. S. CHATTERJEE,
M.L.A.
Dated : 17-4-1979.

[No. L-20012/5/77-D.III(A)]

S. H. S. IYER, Desk Officer

आदेश

नई दिल्ली, 28 मई, 1979

का०आ० 2249.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इसके उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे मैसर्स सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड, सोमागुडेम नं० 3 इनक्लाइन, बेलमपल्ली डिवीजन-2, आन्ध्र प्रदेश के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है :

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है :

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री जी० सवागिव रेड्डी होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

अनुसूचि

क्या मैसर्स सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड, बेलमपल्ली डिवीजन-2 के प्रबन्धतन्त्र की, श्री कन्नूरी ओडलू, कोल फिलर, सोमागुडियम नं० 3 इनक्लाइन, बेलमपल्ली डिवीजन-2 को 7 जुलाई, 1978 से पदच्युत करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?

[एफ० सं० एल०-21012/22/78-डी०-4(बी)]

ORDER

New Delhi, the 28th May, 1979

S.O. 2249.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Singareni Collieries Company Limited, Somagudem No. 3 Incline, Belampalli Division-II, Andhra Pradesh and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of

which Shri G. Sadasiva Reddy shall be the Presiding Officer with headquarters at Hyderabad and refer the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Messrs Singareni Collieries Company Limited, Belampalli Division-II in dismissing Shri Kannoori Odelu, Coal Filler, Somagudium No. 3 Incline, Belampalli Division-II from service with effect from 7th July, 1978 is justified ? If not, to what relief is the concerned workman entitled ?

[F. No. L-21012/22/78-D.IV(B)]

New Delhi, the 18th June, 1979

S.O. 2250.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of West Jhagrakhand Colliery of Western Coalfields Ltd., Post Office Jhagrakhand, District Surguja (M.P.) and their workmen which was received by the Central Government on 8th June, 1979.

BEFORE SHRI S. N. JOHRI, B.Sc., LL.M. PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL - CUM - LABOUR COURT, JABALPUR

(M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(42)/1978

PARTIES :

Employers in relation to the management of West Jhagrakhand Colliery of Western Coalfields Ltd, P.O. Jhagrakhand, District Surguja (M.P.) and their workmen represented through the M.P. Koyla Mazdoor Sabha, P.O. Jhagrakhand, District Surguja (M.P.).

APPEARANCES :

For Union—Shri S. P. Sharma, Advocate.
For Management—Shri P. S. Nair, Advocate.

Industry : Coal Mine District : Surguja (M.P.)

AWARD

The following industrial dispute has been referred to this Tribunal for adjudication vide Govt. of India in the Labour Department Order No. L-22012 (29)/77-D. IV(B) dated 9th August, 1978 :—

"Keeping in view, the nature of duties performed by S/shri S. P. Singh, G. P. Srivastava, A. Ansari, B. B. Singh, Laxminarayan Pandey and Shri R. N. Pandey of West Jhagrakhand Colliery of Western Coelfields Limited, P.O. Jhagrakhand, District Surguja (M.P. the demand for placement of the said workmen as Traffic Incharge Gr. II is justified. If so, to what relief are the said workmen entitled ?"

2. The case of the Union is that all these persons whose present designation is Assistant Supervisor had been distributing work amongst the G. L. O. workers. They used to keep their attendance, arrange tubs in the mine, arrange the tramming of the loaded tubs outside the mine, as well as they were looking after the recruitment of labour from G. L. O. centres. After nationalisation they had been doing most of these duties including the supervision of the work of clippers and haulage khallasis still they were not given Traffic Incharge Grade II even when in Wage Board recommendations only a person of that designation and scale is entrusted to do all these jobs. They have been fixed in Grade II clerical in Jhagrakhand Colliery. As against that in other collieries these G. L. O. Assistant Supervisors have been given Grade II.

3. The case of the management is that all these workmen had been accepting their designations and wage rate without any complaint for all these long number of years. Complete facts could not be placed before the Assistant Labour Commissioner during the conciliation proceedings because he refused to give an adjournment and that is why the reference has come to be made. These persons are doing the jobs of tub writers or tub munshis and have been placed in the same scale of pay. In Appendix VI page 54, Vol. II Pit Munshis have been placed under clerical Grade III. Pit Munshis and Tub writers are different nomenclatures of the same post. There is no post of Traffic Incharge in Jhagrakhand Colliery area. It is alleged that the Union did not take up the matter with the management. There was neither a demand nor a denial. As such writing a letter to the Assistant Labour Commissioner could not create an industrial dispute. Moreover it is alleged that the reference made is different from the demand raised by the workmen before the Assistant Labour Commissioner. Such a reference could not therefore be said to be tenable.

4. Ex. W/5 (Ex. W/1 is the copy thereof) is joint representation dated 30th May, 1977 made by these workmen to the Sub-Area Manager. It has been alleged in this letter that their fixation in the new Wage Board recommendations was wrongly made because their colleagues in other areas have been fixed in the scale of Gradee II. The letter does not speak of the nature of duties, nor the reference speaks of comparison with other colleagues. The letter purports to show that there was no dispute till the revised scale under National Coal Wage Agreement came into force because the letter uses the words 'New Wage Board' and prays for their correct fixation since 1975. Reference does not speak of any such incorrect fixation in the revised scale. The dispute so raised with the management by this letter is materially different from the dispute referred to this Tribunal.

5. Ex. W/2 is the letter dated 12-6-1977 sent by the Deputy Central Secretary of M.P. Koyla Mazdoor Sabha, Jhagrakhand Colliery to the Assistant Labour Commissioner. This letter says that these persons were wrongly categorised and designated as Assistant G.L.O. Supervisors Grade III when they had been working as Traffic Incharge since 1973. The Union claims under this letter that they should be designated and fixed as per Wage Board recommendations and should be fixed in the corresponding revised scale for the respective periods. The nature of the demand made in this letter is quite different from the nature of the demand made in the letter Ex. W/1.

6. But the nature of the demand raised by the Union in this letter cannot be said to be at a tangent with the dispute envisaged in the reference. From this it is clear that though the present nature of dispute had not been clearly defined in these terms when the representation was made to the Sub-Area Manager vide Ex. W/5, the dispute was precisely in the same terms defined by the Union when it was raised before the Assistant Labour Commissioner. The management participated in the conciliation proceedings and never raised an objection about the nature of the dispute. The plea of the management that the dispute raised was altogether different than the reference made by the Government has therefore no legs to stand. The spirit of the reference is consistent with the spirit of the dispute raised before the Assistant Labour Commissioner vide Ex. W/2. Even if the Union did not take up the matter first with the management that does not seriously affect the jurisdiction of the Government to make a reference because the dispute came into existence when it was raised before the Assistant Labour Commissioner and the management participated in those conciliation proceedings taking the plea that the demand could not be conceded. Their denial of the demand at that stage did create an industrial dispute much before the reference was made by the Government. I am, therefore, of the opinion that the reference cannot be said to be bad or without jurisdiction on account of the allegation that the Union did not raise the dispute with the management.

7. However, on facts the Union seems to have no case. Shri Laxminarayan Pandey (W.W. 2) admitted that there had been no change in designation or emoluments. According to him after nationalisation the scales of Assistant Supervisors and Tub Munshis were bracketed into one common grade. The designations, however, remained separate obviously because of historical reasons. He has further admitted that since then Assistant Supervisors and Tub Munshis are in the same scale and there is no difference in duties and nature of work between af Tub Munshi and an Asstt. Supervisor. To this may be added the admissions made by Shri G. P. Srivastava (W.W. 3) that the Assistant Supervisors were properly fixed under Coal Wage Board recommendations and

he had no dispute with the grades and emoluments received prior to 1-1-1975. His concept of the dispute is that the fixation was not proper after 1-1-1975 in the revised grade under National Coal Wage Agreement's gr des. This is not the dispute which has been referred to this Tribunal. Thus in fact if the evidence of these two witnesses is read together it becomes clear that they have no dispute or no case of the type which has been referred to this Tribunal for adjudication.

8. Shri N.L. Sinha, Assistant Manager (M W. 1) has made the position very clear by saying that the difference of designation is only due to historical reasons. The Tub Munshis and the Assistant Supervisors are doing the same job. In fact the Assistant Supervisors have nothing to supervise. They do the job of Tub Munshis and are placed in almost a parallel scale. There is no post of Traffic Supervisor in Jhagrakhand Colliery and as such there is no case for the placement of these persons as Traffic Incharge Grade II. The reference is answered accordingly.

S.N. JOHRI, Presiding Officer

31-5-1979.

[No L-22012(29)/77-D-IV(B)]

New Delhi, the 20th June, 1979

S.O. 2251—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Arbitrator in the industrial dispute, between the employers in relation to the management of Damra Colliery of Messrs Eastern Coal field Limited Post Office Kalipahari, District Burdwan and their workmen which was received by the Central Government on the 1st June, 1979.

IN THE MATTER OF ARBITRATION IN THE INDUSTRIAL DISPUTE WITH REGARD TO ALLEGED NON-PROVIDING TRANSPORT TO 30 WORKMEN—THE MANAGEMENT OF DAMRA COLLIERY UNDER SRIPUR AREA OF M/S EASTERN COALFIELDS LTD. AND THEIR WORKMEN REPRESENTED BY THE COLLIERY MAZDOOR SABHA (AITUC) G.T. ROAD, ASANSOL (W. B.)

PRESENT :

Shri D. V. Ramachandran,

Regional Labour Commissioner (Central) Asansol

& Arbitrator under Sec. 10A of the Industrial

Disputes Act, 1947.

APPEARANCE :

(1) Shri N. Das, Advocate, (2) Shri S. C. Koar, Asstt. Chief Personnel Officer, Sripur Area of M/s. Eastern Coalfields Ltd. Representing the Management.

(3) Shri Sunil Sen, Organising Secretary, Colliery Mazdoor Sabha (AITUC), G. T. Road, Asansol. Representing the workmen.

INDUSTRY : Coal Mining STATE : WEST BENGAL

No. 1/2(1)/79 E.1 Dated : 26th May, 1979

AWARD

The management of Damra Colliery under Sripur Area of M/s. Eastern Coalfields Ltd. and the workmen represented by the Colliery Mazdoor Sabha (AITUC), entered into an Agreement [Notification No. L-19013(5)/79 D-IV(B) dated 28th February, 1979 of the Govt. of India] referring the following dispute to my arbitration under section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 :—

"Whether the action of the management of Damra Colliery, P. O. Kalipahari, Distt. Burdwan of M/s. Eastern Coalfields Ltd. was justified to stop providing transport to 30 workmen detailed in the Annexure during the period from 18-12-75 to 17-1-1976 and on 4-11-75, 10-11-75 and 11-11-1975 to enable them to attend duty at North Searsole Colliery of Eastern Coalfields Ltd. in view of prevailing situation ? If not, to what the relief the workmen are entitled to and from which of the two collieries namely Damra and North Searsole ?".

Both the parties, also extended subsequently the time limit for giving the award by mutual agreement.

Shri N. Das, Advocate, and Shri S. C. Koar, Asstt. Chief Personnel Officer of Sripur Area of Eastern Coalfields Ltd. represented the management Shri Sunil Sen, Orgg. Secretary, Colliery Mazdoor Sabha (AITUC), represented the workmen. On behalf of the management Shri S. C. Koar, G. H. Khan, Shri Anant Lal Roy and Shri Ripudaman, were examined. The workmen did not produce any witnesses.

The accepted facts of the case were that Damra Colliery was inundated on 1-10-1975 resulting in stoppage of underground operations and the underground loaders had to be provided work in different mines till such time Damra Colliery could be brought back to normal working condition. 30 of the workmen, who are parties to this dispute, were directed by the management of Damra Colliery to work at North Searsole Colliery and regular transport of the said workmen from their Damra Colliery residence to North Seasrole Colliery and back was arranged. It is accepted by the management that the vechicle broke down on 4-11-75, 10-11-75 and 11-11-75 and hence the workmen could not be transported to their place of work All on a sudden, the transport arrangement for the workmen was stopped with effect from 18-12-75. The workmen did not make any attempt to reach the North Searsole Colliery of their own and did not report for work there and no wages were paid to them. Ultimately, the workmen were taken back at Damra Colliery with effect from 18-1-1976. The present dispute is for relief to the workmen arising out of non-payment of wages for the periods from 18-12-75 to 17-1-76 and on 4-11-1975, 10-11-1975 and 11-11-1975. The contention of the management as given in their written statement as well as from the deposition of the witnesses, is that the workmen concerned had accepted the transfer from Damra Colliery to North Searsole Colliery and hence were duty-bound to attend work at North Searsole Colliery and were not paid wages on the days they did not report for duty and that the management was not under any obligation to provide them transport. On the contrary it is stated by the management and their witnesses that the workmen had been offered 10 units (single rooms for their stay at North Searsole Colliery). The provocation for the management, who have stopped providing transport to the workmen w.e.f. 18-12-1975, arose out of a letter issued by Shri N. Sar, Area-General Manager, Searsole Area of M/s. B. C. Ltd. to Shri S. N. Bhattacharjee, Area General Manager, Sripur Area which reads as follows :

"Dear Sri Bhattacharjee,

I am surprised to learn from the Manager of North Searsole Colliery that though the Damra Loaders have been offered suitable accommodation at the Colliery, they have not yet occupied the same. Moreover, your colliery is still providing truck for their transport which I feel should be stopped immediately and they should be forced to occupy the quarters allotted to them immediately.

with regards,"

The management did not produce either Shri N. Sar or Sri S. N. Bhattacharjee as witnesses. The said letter of Shri Sar states that Damra Loaders have been offered suitable accommodation at North Searsole Colliery and they should be forced to occupy them. Shri Ripudaman, Manager, North Searsole Colliery, deposed that they provided only 10 units of accommodations to 30 workmen and the workmen wanted equivalent accommodation as was available for them at Damra Colliery. He further stated that there being no Housing Committee at North Searsole Colliery there was no practice of allotment of houses nor any letter allotting houses to the workmen concerned, was issued to them. Shri Anantalal Roy, Welfare Officer deposed that the Quarters allotted to the workmen, was only a temporary arrangement. Shri G. H. Khan, Sr. Personnel Officer, who produced a letter written by Shri N. Sar, Area General Manager, Searsole Area (As Ext A') stated that there is bus connection from Damra Colliery to North Searsole Colliery. His evidence was reiterated by Shri S. C. Koar, A.C.P.O., Sripur Area who stated that there are buses available from Damra Colliery to North Searsole Colliery via G. T. Road, but the workmen have to change into two buses and they have to spend at least Rs. 1.50p. to and fro He further deposed that the workmen were not given any written information regarding allotment of quarters and

it was only a temporary and stopgap arrangement as ultimately the workmen had to retransferred back to Damra Colliery. He further deposed that there is no provision for payment of travelling allowances to the workmen as transport expenses are paid only when company's transport provided for them failed and the workmen made their own arrangements to report for work. None of the witnesses could say as to how many quarters were available for stay of workmen at North Searsole Colliery and whether they were fit for occupation except to say that the workmen were told, orally, to occupy 10 units.

On the basis of the evidence, the statement of Shri N. Sar, Area General Managar, Scarsole Area, in his letter to Shri S. N. Bhattacharjee, Area General Manager, Sripur Area that Damra Loaders have been offered suitable accommodations at North Searsole Colliery, does not seem to be correct. As against 30 quarters for 30 workmen, only 10 quarters were offered and force was sought to be used to make them, occupy them by stoppage of transport facilities. It is, also, accepted that the distance between Damra Colliery and North Searsole Colliery is 13/14 K.M. and hence could not be covered by foot. It was only proper that the management had provided transport to the said workmen originally in order to see that the workmen report for duty in time and work efficiently. For a temporary period, it was not possible for the workmen to shift themselves to the new premises as they had been provided with suitable and perhaps family accommodation at Damra Colliery. The workmen evidently were not offered any travelling allowance to travel from Damra Colliery to North Searsole Colliery at their own by buses etc. when transport was withdrawn and Shri Koar A.C. P.O. has categorically stated that there is no provision of paying such travelling allowance. Even if the workmen travelled by changing two buses every day to and fro. They would not have been in a position to work properly, reaching the colliery in time and other problems would have arisen. The action of the management under these circumstances in suddenly stopping the transport facilities which had been provided to the workmen from the start without consultation or agreement with the workmen or their Unions was unilateral and not justified. It is not a new practice in the various coal mines of M/s. E.C. Ltd. to provide transport to the workmen, when they are transferred temporarily from colliery to colliery and adjustments are needed. It is, also, admitted that the closure of Damra Colliery was only temporary and the workmen concerned had ultimately to be brought back to Damra Colliery which done w.e.f. 18-1-1976. At least the stoppage of transport facilities could have been intimated to the workmen and their Union by way of notice because originally transport facilities were provided to the workmen and it was expected by the workmen that they would be provided this facility for whole period of work at North Scarsole Colliery. It was also not proved that there was any agreement oral or written that provision of transport was temporary and workmen have to shift into any accommodation provided at North Searsole Colliery. The Union, also, has stated that certain other workmen were transferred to nearby collieries and only these 30 workmen were transferred to North Searsole Colliery alleging some partiality and there was delay in retransfer of the 30 workmen back to Damra Colliery.

In view of the above, I feel that the action of the management in withdrawing the transport facilities to 30 workmen concerned, was not fully justified, without making alternative arrangements and workmen may have been expecting reabsorption at Damra Colliery itself. Under these circumstances I hold that the 30 workmen concerned are entitled to minimum relief which I fix at 50 per cent of the fall back wages, which they are entitled to in normal circumstances.

I hereby direct management to pay the 30 workmen mentioned in the annexure to the arbitration agreement 50 per cent of the fall back wages, they normally are entitled to, for the period from 18-12-1975 to 17-1-1976 and on 4-11-1975, 10-11-1975 and 11-11-75.

The above award shall be implemented by management within one month.

D. V. RAMACHANDRAN, Regional Labour Commissioner (C), Assansol &
Arbitrator U/S 10 A of the I.D. Act 47
[No. L-19013(5)/79-D-IV(B)]
SHASHI BHUSHAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 12 जून, 1979

का० आ० 2252:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार संयुक्त मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय) को निम्नलिखित हेतु संपूर्ण भारत के लिए सुलह अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है:—

(1) केन्द्रीय सरकार द्वारा चलाए जाने वाले या उसके प्राधिकार के अधीन सभी उद्योग ;

(2) सभी रेलें ;

(3) औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 2 के खंड (क) के मद (1) के अंतर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट सभी नियंत्रित उद्योग ;

(4) कर्मचारी राज्य बीमा निगम ;

(5) भारतीय विमान निगम ;

(6) भारतीय विमान सेवा निगम ;

(7) कृषि पुनर्वित्त निगम ;

(8) निक्षेप बीमा निगम ;

(9) भारतीय यूनिट ट्रस्ट ;

(10) भारतीय खाद्य निगम ;

(11) सभी बैंककारी और बीमा कंपनियां ,

(12) सभी, खानें, तेल क्षेत्र, छावनी बोर्ड और महापत्तन ,

(13) भारतीय औद्योगिक वित्त निगम ;

(14) भारतीय जीवन बीमा निगम ;

(15) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ।

[संख्या एस-11013/3/79-डी० 1(ए)]

New Delhi, the 12th June, 1979

S.O. 2252.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints the Joint Chief Labour Commissioner (Central) as conciliation officer for the whole of India for—

(i) all industries carried on by or under the authority of the Central Government;

(ii) all railways.

(iii) all controlled industries specified by the Central Government under item (i) of clause (a) section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947;

(iv) the Employees' State Insurance Corporation ;

(v) the Air India Corporation ;

(vi) the Indian Airlines Corporation ;

(vii) the Agricultural Refinance Corporation ;

(viii) the Deposit Insurance Corporation ;

(ix) the Unit Trust of India ;

(x) the Food Corporation of India ;

(xi) all banking and insurance companies ;

(xii) all mines, oil-fields, Cantonment Boards, and Major ports.

(xiii) Industrial Finance Corporation of India;

(xiv) Life Insurance Corporation of India;

(xv) Regional Rural Banks.

[No. S. 11013/3/79/DI(A)]

नई दिल्ली, 14 जून, 1979

का० आ० 2253:—भारत सरकार के तत्कालीन श्रम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 1698, दिनांक 22-5-1965 द्वारा गठित श्रम न्यायालय बम्बई के पीठासीन अधिकारी के कार्यालय में एक रिक्ति हुई है ;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबन्धों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार श्री न्यायमूर्ति चिन्तामन तकाराम डिघे को 4 जून अपराह्न 1979 से उक्त श्रम न्यायालय के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है ।

[सं० एस० 11020/9/79/डी 1ए(i)]

New Delhi, the 14th June, 1979

S.O. 2253.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the Presiding Officer of the Labour Court at Bombay, constituted by the notification of the Government of India in the then Ministry of Labour and Employment No. S.O. 1698 dated the 22nd May, 1965;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri Justice Chintaman Tukaram Dighe as the Presiding Officer of the said Labour Court, with effect from the A.N. of 4th June, 1979.

[No. S. 11020/9/79/DI(A)(i)]

का० आ० 2254:—भारत सरकार के तत्कालीन श्रम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 172 दिनांक 16-1-1960 द्वारा गठित औद्योगिक अधिकरण, बम्बई के पीठासीन अधिकारी के कार्यालय में एक रिक्ति हुई है ;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबन्धों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार श्री न्यायमूर्ति चिन्तामन तकाराम डिघे को 4 जून, अपराह्न 1979 से उक्त औद्योगिक अधिकरण के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है ।

[सं० एस० 11020/9/79/डी 1ए(ii)]

S.O. 2254.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the Presiding Officer of the Industrial Tribunal at Bombay constituted by the notification of the Government of India in the then Ministry of Labour and Employment No. S.O. 172 dated the 16th January, 1960;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri Justice Chintaman Tukaram Dighe as the Presiding Officer of the said Industrial Tribunal, with effect from the A.N. of 4th June, 1979.

[No. S. 11020/9/79/DI(A)(ii)]

नई दिल्ली, 15 जून, 1979

का० आ० 2255 :—भारत सरकार के तत्कालीन श्रम और रोजगार मंत्रालय, श्रम और रोजगार विभाग की अधिसूचना संख्या का० आ० 2279 दिनांक 22 जून 1968 द्वारा गठित केन्द्र सरकार श्रम न्यायालय, धनबाद 3 के पीठासीन अधिकारी के कार्यालय में एक रिक्ति हुई है ।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबन्धों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार श्री पी० रामाकृष्णा को 8-6-1979 से उक्त श्रम न्यायालय के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है ।

[सं० एस० 11020/3/79/डी 1ए (i)]

New Delhi, the 15th June, 1979

S.O. 2255.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the Presiding Officer of the Labour Court No. 3 Dhanbad, constituted by the notification of the Government of India in the Department of Labour and Employment No. S.O. 2279 dated the 22nd June, 1968;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri P. Ramakrishna as the Presiding Officer of the said Labour Court, with effect from the 8th June, 1979.

[No. S. 11020/3/79/DI(A)(i)]

का० आ० 2256:—भारत सरकार के तत्कालीन श्रम और रोजगार मंत्रालय श्रम और रोजगार विभाग की अधिसूचना संख्या का० आ० 2280 दिनांक 22 जून, 1968 द्वारा गठित केन्द्र सरकार औद्योगिक अधिकरण धनबाद 3 के पीठासीन अधिकारी के कार्यालय में एक रिक्ति हुई है ।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबन्धों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार श्री पी० रामाकृष्णा को 8-6-1979 से उक्त औद्योगिक अधिकरण के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है ।

[सं० एस० 11020/7/79/डी 1ए (ii)]

एल० के० नारायणन्, डेस्क अधिकारी

S.O. 2256.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the Presiding Officer of the Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, constituted by the notification of the Government of India in the Department of Labour and Employment No. S.O. 2280 dated the 22nd June, 1968;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri P. Ramakrishna as the Presiding Officer of the said Industrial Tribunal, with effect from the 8th June, 1979.

[No. S. 11020/7/78/DI(A)(ii)]
L. K. NARAYANAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 15 जून, 1979

का० आ० 2257.—समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976 (1976 का 25) की धारा 16 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार का विमान परिचारिकाओं और फ्लाइट स्टयूअर्डस के नियोजन से संबंधित सभी परिस्थितियों और उनके निबन्धनों और शर्तों पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि इन कर्मचारियों के वर्गों के वेतन, आदि में विभेद सेवा की विभिन्न परिस्थितियों पर आधारित है न कि लिंगभेद पर । अतः, केन्द्रीय सरकार यह घोषणा करती है कि ऐसे विभेद के फलस्वरूप माने गए नियोजक के किसी कृत्य को अधिनियम के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन घोषित नहीं किया जाएगा ।

[संख्या एस-42013/4/76-डब्ल्यू० सी]
सी० आर० गायत्री, अवर सचिव

New Delhi, the 15th June, 1979

S.O. 2257.—In exercise of the powers conferred by Section 16 of the Equal Remuneration Act, 1976 (25 of 1976) the Central Government, having considered all the circumstances relating to, and terms and conditions of employment of Air Hostesses and Flight Stewards, are satisfied that the differences in regard to pay, etc., of these categories of employees are based on different conditions of service and not on the difference of sex. The Central Government, therefore, declares that any act of the employer attributable to such differences shall not be declared to be in contravention of any of the provisions of the Act.

[No. S-42013/4/76-WC]
C. R. GAYATHRI, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 जून, 1979

का० आ० 2258.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दि पांडिचेरी पेपर्स लिमिटेड, 9-ए, नूनगमबक्कम हाई रोड, मद्रास-34, जिसके अन्तर्गत पिल्लियरकुप्पम, वन्नावर कम्यून, पांडिचेरी-2, स्थित उसकी

शाखा भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 मई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019/6/79-पी० एफ० II(i)]

New Delhi the 15th June, 1979

S.O. 2258.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Pondicherry Papers Limited, 9-A, Nungambakkam High Road Madras-34 including its branch at Pilliarkuppam, Bahour Commune, Pondicherry-2, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1976.

[No. S-35019/6/79-PF.II(i)]

का० आ० 2259.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 मई, 1976 से मैसर्स दि पांडिचेरी पेपर लिमिटेड, 9-ए, नूनमबक्कम हाई रोड, मद्रास-34, जिसके अन्तर्गत पिल्लियरकुप्पम, बअावर कम्यून, पांडिचेरी-2, स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[सं० एस० 35019/6/79-पी० एफ० II (ii)]

S.O. 2259.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of May 1976 the establishment known as Messrs The Pondicherry Paper Limited, 9-A, Nungambakkam High Road, Madras-34 including its branch at Pilliarkuppam, Bahour Commune, Pondicherry-2, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(6)/79-PF.II(ii)]

का० आ० 2260.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मैरी नॉल एस्टेट ,थेन्नूर, डाकघर पेरिंगम्माला, नेडुमंगड तालुक, केरल, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019/39/79-पी० एफ० II]

S.O. 2260.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Marry Knoll Estate, Themnnoor, Post Office Peringammala, Nedumanged Taluk, Kerala, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1979.

[No. S. 35019(39)/79-PF.II]

का० आ० 2261.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स झबुआ जिला सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड, झबुआ (मध्य प्रदेश) जिसके अन्तर्गत (1) थाडला (2) जोबाट, (3) पेटलावाड़ और (4) अलीराजपुर, स्थित उसकी शाखाएं भी हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019/50/79-पी० एफ० II]

S.O. 2261.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jhabua Jila Sahakari Bhoomi Vikas Bank Limited, Jhabua (Madhya Pradesh) including its branches at (1) Thandla, (2) Jobat, (3) Petalawad and (4) Alirajpur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1976.

[No. S-35019(50)/79-PF.II]

का० आ० 2262.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रायादुर्ग कोआपरेटिव सेंट्रल स्टोर्स, रायादुर्ग, अनन्तपुर जिला, आन्ध्र प्रदेश, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019/52/79-पी०एफ० II]

S.O. 2262.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to theh establishment known as Messrs Rayadurga Co-operative Central Stores, Rayadurga; Anantapur District, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be madee applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central

Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This Notification shall be deemed to have come into force. on the thirty first day of December, 1977.

[No. S-35019(52)/79-PF.II]

का० आ० 2264.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इन्दु कंसट्रकशन, अम्बिका भवन, साक्ची गुजराती स्कूल के सामने, साक्ची, जमशेदपुर, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019/60/79-पी० एफ० II(i)]

S.O. 2263.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Indu Construction, Ambika Bhavan, Opposite Sakchi Gujarati School, Sakchi, Jamshedpur, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1979.

[No. S. 35019/60/79-PF.II(i)]

का० आ० 2264.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 मार्च, 1979 से मैसर्स इन्दु कंस्ट्रक्शन, अम्बिका भवन, साक्ची गुजराती स्कूल के सामने, साक्ची, जमशेदपुर, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस०-35019(60)/79-पी०एफ०-II(ii)]

S.O. 2264.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of March, 1979 the establishment known as Messers. Indu Construction, Ambika Bhavan, Opposite Sakchi Gujarati School, Sakchi, Jamshedpur, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/60/79-PF.II(ii)]

का० आ० 2265.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रजत इग्जिबिटर्स, शालीमार सिनेमा बिल्डिंग, 335, मौलाना शौकत अली रोड, ग्रांट रोड, मुम्बई-7, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35018/61/79-पी०एफ०-II (i)]

S.O. 2265.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rajat Exhibitors, Shalimar Cinema Building, 335, Maulana Shaukatali Road, Grant Road, Bombay-7 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976.

[No. S. 35018(61)/79-PF.II(i)]

का० आ० 2266.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 अप्रैल, 1976 से मैसर्स रजत इग्जिबिटर्स, शालीमार सिनेमा बिल्डिंग 335, मौलाना शौकत अली रोड, ग्रांट रोड, मुम्बई-7 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस०-35018(61)/79-पी०एफ०-II(ii)]

S.O. 2266.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of April, 1976 the establishment known as Messrs. Rajat Exhibitors, Shalimar Cinema Building, 335, Maulana Shaukatali Road, Grant Road, Bombay-7 for the purposes of the said proviso.

[No. S.25018(61)/79-PF.II(ii)]

का० आ० 2267.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मोहम्मद खान, बीड़ी मैन्युफैक्चरर, 1/97, जयारामा राव स्ट्रीट, श्री कालाहस्ती, चित्तूर जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(62)/79-पी०एफ०-II]

S.O. 2267.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Mohammad Khan, Beedi Manufacturer, 1/97, Jayarama Rao Street, Srikalahasti, Chittoor District, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1979.

[No. S-35019(62)/79-PF.II]

का० आ० 2268.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स डोरे सेम कॉन्टैंम, नं० 5, इण्डस्ट्रियल लेआउट, करमनगाला, बंगलौर-34, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस

बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019/64/79-पी०एफ०-II]

S.O. 2268.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dore Sesh Consultants, No. 5, Industrial Layout, Karamangala, Bangalore-34, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of March, 1979.

[No. S. 35019/64/79-PF.II]

का० आ० 2269.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पी० सुब्रमण्यम, एम०जी० स्ट्रीट, श्रीकलाहस्ती, चित्तूर जिला, नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अक्तूबर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019/65/79-पी०एफ०-II(i)]

S.O. 2269.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs P. Subramanyam, M. G. Street, Srikalahasti, Chittoor District, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the fist day of October, 1978.

[No. S. 35019/65/79-PF.II(i)]

का० आ० 2270.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की उधारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 अक्तूबर, 1978 से मैसर्स पी० सुब्रमण्यम, एम०जी० स्ट्रीट, श्रीकलाहस्ती, चित्तूर जिला, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस०-35019/65/79-पी०एफ०-II (ii)]

S.O. 2270.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees Provident Funds and Miscellaneos Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of October, 1978 the establishment known as Messrs. P. Subramanyam, M. G. Street, Srikalahasti, Chitoor District, for the purpose of the said proviso.

[No. S. 35019/65/79-PF.II(ii)]

का० आ० 2271.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पैम्प्स इण्डिया (प्राइवेट) लिमिटेड, सी-9, और 10 इण्डस्ट्रियल एस्टेट, सानयनगर, हैदराबाद-18, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 सितम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019/67/79-पी०एफ०-II]

S.O. 2271.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pamps India Private Limited, C9 and 10, Industrial Estate, Sanathnagar, Hyderabad 18, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1978.

[No. S-35019/(67)/79-PF.II]

का० आ० 2272.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स स्काईलार्क प्रिंटर्स, 11355, इदगाह रोड, नई दिल्ली-55, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019/69/79-पी०एफ-II]

S.O. 2272.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Skylark Printers, 11355, Id-gah Road, New Delhi-55, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1977.

[No. S-35019(69)/79-PF-II.]

का० आ० 2273.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग इण्टरप्राइजेज जी-20, इण्डस्ट्रियल एस्टेट, अम्बात्तूर, मद्रास-58 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि

और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० ए० 35019(70)/79-पी०एफ०-II(i)]

S.O. 2273.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Petro Chemical Engineering Enterprises, G-20, Industrial Estate, Ambattur, Madras-58, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby appliees the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1978.

[No. S.35019(70)/79-PF-II(i)]

का० आ० 2274.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 अगस्त, 1978 से मैसर्स पेट्रो केमिकल इंजीनियरिंग इण्टरप्राइजेज, जी-20, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, अम्बात्तूर, मद्रास-58 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस०-35019(70)/70-पी०एफ०-II(ii)]

S.O. 2274.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of August, 1978 the establishment known as Messrs Petro Chemical Engineering Enterprises, G-20, Industrial Estate, Ambattur, Madras 58 for the purposes of the said proviso.

[No. S.35019(70)/79-PF-II(ii)]

का० आ० 2275.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स प्रीतम पैलेस, बस्ती शेख रोड, जलंधर शहर, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 दिसम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(71)/79-पी० एफ०II]

S.O. 2275.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pritam Palace, Basti Sheikh Road, Jullundur City have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1978.

[No. S-35019(71)/79-PF-II]

का० आ० 2276.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जे० के० प्लांटेशन, मलानकारा, डाकघर नेनमेनी, सुल्तान बैटरी, कोझीकोड जिला ,नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(72)/79-पी० एफ०II]

S.O. 2276.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. J. K. Plantations, Malankara, Post Office Nenmeni, Sultan Battery, Kozhikode District have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), shoulud be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of March, 1979.

[No. S-35019(72)/79-PF-II]

का० आ० 2277.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स चक्रवर्ती चित्रा, रोड नं० 1, बनजारा हिल्स, हैदराबाद-34, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 जनवरी, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०35019(73)/79-पी० एफ० II(i)]

S.O. 2277.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Chakravarthi Chitra, Road No. 1, Banjara Hills, Hyderabad-34, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of January, 1979.

[No. S-35019(73)/79-PF-II(i)]

का० आ० 2278.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 31 जनवरी, 1979 से मैसर्स चक्रवर्ती चित्रा, रोड नं० 1, बनजारा हिल्स, हैदराबाद-34, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(73)/79-पी० एफ० II (ii)]

S.O. 2278.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty-first day of January, 1979 the establishment known as Messrs. Chakravarthi Chitra, Road No. 1, Banjara Hills, Hyderabad-34 for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019(73)/79-PF.II(ii)]

का० आ० 2279.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वासटड महबूब बाशा बीडी मैन्युफक्चरर्स, 1/65, जयाराम राव स्ट्रीट श्री कलाहस्ती, चित्तूर जिला, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(74)/79/पी० एफ० II]

S.O. 2279.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Vastad Mahaboob Basha Beedi Manufacturers, 1/65, Jayarama Rao Street, Srikalahasti, Chittoor District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1979.

[No. S-35019(74)/79-PF-II]

का० आ० 2280.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इंकास तार एण्ड बिटुमेन प्रोडक्टस (इण्डिया) आर-3/6, आदित्यपुर, जमशेदपुर-13 नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(76)/79-पी० एफ० II(i)]

S.O. 2280.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Inkas Tar and Bitumen Products (India), R-3/6 Aidtyapur, Jameshedjur-13. have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1979.

[No. S-35019(76)/79-PF-II(i)]

का० आ० 2281.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 अप्रैल, 1979 से मैसर्स इंकास तार एण्ड बिटुमेन प्रोडक्टस (इंडिया) आर-3/6 आदित्यपुर, जमशेदपुर-13, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस०35019(76)/79--पी० एफ० II (ii)]

S.O. 2281.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of April, 1979 the establishment known as Messrs. Inkas Tar and Bitumen Products (India), R-3/6 Ad'tyapur, Jamshedpur-13, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019(76)/79/-PF-II(ii)]

का० आ० 2182.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पटवारी उद्योग इण्डस्ट्रियल एरिया, पटना-13, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(77)/79-पी० एफ० II]

S.O. 2282.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Patwari Udyog, Industrial Area, Patna-13, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1979.

[No. S-35019(7)/77/79-PF.II]

का० आ० 2283.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स यूनाइटेड इलैक्ट्रिक कनसर्न, स्टेशन रोड टाटानगर, जमशेदपुर-2, नामक स्थापन से संबंध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1979 को प्रवृत्त, हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(78)/79-पी० एफ० II (i)

S.O. 2283.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. United Electric Concern, Station Road, Tatanagar, Jamshedpur-2, have agreed

that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1979.

[No. 35019(78)/79-PF.II(i)]

का० आ० 2284.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भवद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 अप्रैल, 1979 से मैसर्स यूनाइटेड इलक्ट्रिक कनसर्न स्टेशन रोड, टाटानगर, जमशेदपुर-2, नाम स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(79)/79-पी० एफ० II(ii)]

हंस राज छाबड़ा, उप सचिव

S.O. 2284.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of April, 1979 the establishment known as Messrs. United Electric Concern, Station Road, Tatanagar, Jamshedpur-2, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019(78)/79-PF.II(ii)]

HANS RAJ CHHABRA. Dy. Secy.

CENTRAL SECRETARIAT LIBRARY
GOVT OF INDIA

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054 1979